हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा एवं पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

● दुमका ● वर्ष -04 ● अंक - 313 ● रविवार 28 दिसंबर 2025 ● रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 ● पृष्ठ -12 ● मूल्य : 2 रुपये

कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की चपेट में उत्तर भारतः कई राज्यों में पारा गिरा

उड़ानों और ट्रेनों पर भारी असर

एजेंसी। नई दिल्ली

हिमालयी क्षेत्रों में हो रही निरंतर बर्फबारी ने उत्तर और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। पहाड़ से आ रही सर्द हवाओं के कारण तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और बिहार जैसे राज्य इस समय भीषण शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश के 68 जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है, जहां विजिबिलिटी यानी दृश्यता गिरकर शून्य तक पहुंच सकती है।

उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में कोहरे का असर इतना अधिक है कि 10 मीटर की दूरी पर देख पाना भी मुश्किल हो रहा है। मध्य प्रदेश में भी ठंड का प्रकोप जारी है, जहां 31 शहरों में न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। झारखंड के मैक्लुस्कीगंज में पारा गिरकर 1.7 डिग्री तक पहुंच गया है, जबकि गुमला में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया और वहां तापमान

2.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बिहार में कड़ाके की ठंड को देखते हुए प्रशासन ने 30 दिसंबर तक कक्षा 8 तक के स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है। परिवहन सेवाओं पर इस मौसम का सबसे बुरा असर पड़ा है। घने कोहरे के कारण लंबी दूरी की ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं, वहीं हवाई सेवाओं पर भी ब्रेक लग गया है। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर पुणे, जयपुर और बेंगलुरु से आने वाली फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि दिल्ली जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। अबू धाबी और लखनऊ जैसे शहरों की उड़ानों में भी घंटों की देरी देखी गई। सड़कों पर विजिबिलिटी कम होने के कारण वाहनों की रफ्तार थम गई है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। हिमालयी राज्यों में भी बर्फबारी का सिलसिला तेज होने वाला है। उत्तराखंड के 6 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरकाशी और चमोली में 30 और 31 दिसंबर को भारी बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में भी नए साल से पहले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने के चलते मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। 30 दिसंबर के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ की मोटी चादर बिछने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं के कारण कोल्ड-डे जैसी स्थिति बनी रहेगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम हो और अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री तक नीचे गिर जाए, तो उसे कोल्ड-डे कहा जाता है। ऐसी स्थिति में दिन के समय भी अत्यधिक ठंड महसूस होती है। प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने और ठंड से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने की सलाह दी है।

1802 फ्लाइट कैंसिल, 22,349 में देरी, आफत बना बर्फीला तूफान, कामर्शियल सड़क यातायात पर भी रोक

नई दिल्ली। अमेरिका में विंटर स्टॉर्म 'डेविन ने छुट्टियों के पीक ट्रैवल के दौरान हवाई यातायात को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। एयरलाइंस ने हजारों फ्लाइट्स रद या लेट कर दीं, जबकि कुछ राज्यों ने भारी बर्फबारी की आशंका के चलते कामर्शियल सड़क यातायात पर भी रोक लगा दी। इससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, शुक्रवार शाम 4:04 बजे (श्वञ्ज) तक कुल 1,802 उड़ानें रद कर दी गईं, जबकि 22,349 फ्लाइट्स में देरी हुई। अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस ने शनिवार दोपहर तक विंटर स्टॉर्म डेविन को लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, न्यूयॉर्क के ऊपरी इलाकों से लेकर ट्राई-स्टेट एरिया—जिसमें न्यूयॉर्क सिटी और लॉन्ग आइलैंड शामिल हैं—में शुक्रवार देर रात तक 4 से 8 इंच तक बर्फबारी हो सकती है। न्यूयॉर्क के जॉन एफ. कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट और ला गार्डिया एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर यात्रियों को संभावित देरी और उड़ानों के रद होने को लेकर अलर्ट जारी किया है। देश में आधे से ज्यादा फ्लाइट कैंसलेशन और देरी इन्हीं तीन एयरपोर्ट्स पर दर्ज की गईं।

दिल्ली में ऑपरेशन आघात 3.0ः 21 पिस्टल, 12 हजार शराब के क्वाटर समेत 285 गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

नए साल के आगमन और आगामी गणतंत्र दिवस को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी है। राजधानी में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अराजकतत्वों पर नकेल कसने के लिए पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। इसी कड़ी में साउथ-ईस्ट जिला पुलिस ने ऑपरेशन आघात 3.0 के तहत एक व्यापक अभियान चलाते हुए अपराध और अपराधियों पर कड़ा प्रहार किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 504 अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस द्वारा जारी विवरण के अनुसार, इस विशेष अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों को जड़ से खत्म करना है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 10 संपत्ति अपराधियों और 5 ऑटो-लिफ्टरों को दबोचने में सफलता हासिल की है। इनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध सामान और हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से 21 देशी पिस्तौल, 20 जिंदा कारतूस और 27 धारदार चाकू जब्त किए गए हैं, जो किसी बड़ी वारदात को

अंजाम देने के काम आ सकते थे। नशीले पदार्थों और अवैध शराब के खिलाफ भी इस अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने तस्करी के नेटवर्क को तोड़ते हुए 12,258 क्वार्टर अवैध शराब और लगभग 6.01 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इसके अलावा, जुआ अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई में पुलिस ने 2,30,990 रुपये की नकद राशि भी जब्त की है। तकनीकी सर्विलांस और जमीनी छानबीन के जरिए पुलिस ने 310 मोबाइल फोन, 231 दोपहिया वाहन और एक चारपहिया वाहन भी अपने कब्जे में लिया है।

साउथ-ईस्ट जिले के पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान में आबकारी अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट और जुआ अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कदम उठाए गए हैं। अभियान के दौरान कुल 1,306 लोगों को निरोधात्मक उपायों के तहत घेरे में लिया गया, जिनमें 116 घोषित बदमाश (बैड कैरेक्टर) भी शामिल हैं। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा राजधानी के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में मॉक ड्रिल भी की जा रही है ताकि आपातकालीन स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखा जा सके। पुलिस ने यह भी साफ किया है कि कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप-जेलेंस्की शांति वार्ता से पहले रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, मिसाइल और ड्रोन से कीव दहला

कीव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच रविवार को फ्लोरिडा में होने वाली अहम शांति बैठक से पहले रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला कर दिया है।27 दिसंबर को यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने ताबड़तोड़ मिसाइल और ड्रोन हमले किए। शहर और आसपास के इलाकों में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई। पिछले चार वर्षों से जारी रूस-युक्रेन युद्ध के संदर्भ में यह सबसे महत्वपूर्ण सप्ताहांत माना जा रहा था लेकिन इसकी शुरुआत शुक्रवार को यूक्रेन की राजधानी कीव में हवाई हमले के सायरनों की आवाज से हुई। मीडिया समूह कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक 7 दिसंबर की रात रूस ने कीव पर कई हाइपरसोनिक मिसाइलें, चार बैलिस्टिक मिसाइलें और कई क्रूज मिसाइलें दागीं, जिसके बाद बड़े पैमाने पर बैलिस्टिक मिसाइल का हमला हुआ। राजधानी और कीव ओब्लास्ट में कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। इस हमले में कीव से लगभग पाँच किलोमीटर उत्तर में स्थित विशहोरोड में एक ऊंची इमारत का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कीव ओब्लास्ट के बोरिसपिल जिले में कई गोदामों के साथ-साथ दो कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। कीव ओब्लास्ट के गवर्नर मिकोला कलाश्निक ने रूसी हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे पर एक बार फिर हमला हुआ है।

सीरिया में नमाज के दौरान मस्जिद में धमाका, 8 की मौत, 20 से ज्यादा घायल

होम्स। सीरिया के होम्स शहर में शुक्रवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक मस्जिद में धमाका हो गया। इस हमले में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह धमाका होम्स प्रांत के वादी अल-दहब इलाके में स्थित मस्जिद को निशाना बनाकर किया गया। विस्फोट शुक्रवार की नमाज़ के समय हुआ, जिससे मस्जिद में मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। सामने आए वीडियो फुटेज में लोग मस्जिद से बाहर भागते नजर आए, वहीं कई घायलों को अस्पताल ले जाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक धमाका मस्जिद के मुख्य नमाज़ हॉल के एक कोने में हुआ, जिससे दीवार में गड्ढा हो गया और आसपास का इलाका बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आशंका जताई जा रही है कि यह हमला आत्मघाती हो सकता है या फिर मस्जिद में पहले से विस्फोटक लगाए गए थे। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और जांच शुरू कर दी गई है। बता दें होम्स शहर में अलावाइट, ईसाई और सुन्नी मुस्लिमों की मिश्रित आबादी रहती है और यह हमला एक अलावाइट (नुसैरी) मस्जिद में हुआ, जिससे देश में सांप्रदायिक तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन हाल के दिनों में सीरिया में इस्लामिक स्टेट की गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। सेना ने हाल ही में अलेप्पो के पास एक अभियान के दौरान तीन कथित आईएसआईएस आतंकियों को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह अमेरिका ने सीरिया में आईएसआईएस ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जो दो अमेरिकी सैनिकों और एक ट्रांसलेटर की हत्या के जवाब में बताए गए थे।

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर राष्ट्रपति ने दी श्रद्धांजलि, नेताओं ने किया श्रद्धापूर्वक स्मरण

एजेंसी। नई दिल्ली

सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं ने उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण कर उनके साहस, त्याग, समानता और न्याय के आदर्शों को याद किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पर पोस्ट कर अपने संदेश में कहा कि गुरु गोबिंद सिंह अदम्य साहस और दूरदर्शिता के प्रतीक थे। उन्होंने धर्मपूर्वक जीवन जीने की प्रेरणा दी और न्याय व आत्मसम्मान की रक्षा के लिए लोगों को संगठित किया। उनकी शिक्षाएं एकता, करुणा और सभी के प्रति सम्मान पर आधारित समाज के निर्माण का मार्ग दिखाती रहेंगी। गृह मंत्री अमित शाह ने गुरु गोबिंद सिंह जी को 'सरबंसदानी' बताते हुए कहा कि मानव इतिहास में उनके जैसा अद्वितीय त्याग विरल है। उन्होंने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करते हुए धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपने पूरे परिवार सहित सर्वोच्च बलिदान दिया। खालसा पंथ की स्थापना के माध्यम से उन्होंने सेवा के साथ-साथ रक्षा को सशक्त बनाया। सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में उठा मनरेगा खत्म करने का मुद्दा, देशव्यापी आंदोलन की तैयारी

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मनरेगा योजना को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला और कहा कि यह कदम करोड़ों गरीबों एवं कमजोर तबके को बेसहारा करने के साथ महात्मा गांधी का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि अब ठोस योजना बनाकर इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन खड़ा करना होगा। खरगे ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मनरेगा योजना ने ग्रामीण भारत का चेहरा बदला और यह विश्व का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम बना। इससे पलायन रुका, गांवों को अकाल और भूख से मुक्ति मिली तथा दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और भूमिहीन मजदूरों को भरोसा मिला कि गरीबी से लड़ाई में सरकार उनके साथ है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन या सलाह-मशविरा के इसे खत्म कर नया कानून थोप दिया, जैसा कि पहले तीन कृषि कानूनों के मामले में हुआ था। खरगे ने कहा कि अब ठोस योजना बनाकर देशव्यापी जन आंदोलन खड़ा करना होगा। उन्होंने संगठन सृजन अभियान, आगामी चुनावों की तैयारियों और मतदाता सूची में गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक वर्गों के नाम काटे जाने की आशंका पर भी चिंता जताई। खरगे ने कहा कि लोकतंत्र को ताकतवर बनाने के लिए कांग्रेस पूरी एकता से चुनाव लड़ेगी। खरगे ने ईडी, आईटी और सीबीआई जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग, नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं की छवि खराब करने की कोशिश और हाल में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की निंदा भी की।

दीपू और मंडल की लिंचिंग के बाद बांग्लादेश में हिंदूओं में दहशत, भारत सरकार से मांगी मदद

एजेंसी। नई दिल्ली

बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल की लिंचिंग के बाद वहां के अल्पसंख्यकों में दहशत पैदा हो गई है। यहां के हिंदू फैली हिंसा से बचने के लिए भारत से सीमाएं खोलने की गुहार लगा रहे हैं। वे भारत सरकार से मदद मांग रहे हैं। वहीं, अब तो बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी के नेता तारिक रहमान की एंट्री से माहौल और बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है। तारिक रहमान को वहां का कट्टरपंथी नेता माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रंगपुर के रहने वाले एक 52 साल के शख्स ने बताया कि हमें अपने धर्म के कारण लगातार अपमान झेलना पड़ता

है, लेकिन बार-बार होने वाले इस अपमान पर हम प्रतिक्रिया नहीं दे पाते। हम फंस गए हैं और हमारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। हमें डर है कि कहीं हमारा भी वही हाल न हो जो दीपू या अमृत का हुआ था। सबसे बड़ी चिंता यह है कि चुनाव के बाद बीएनपी का सत्ता में आना, क्योंकि इसे अल्पसंख्यकों का शत्रु माना जाता है। हम बेबस हैं। हम सिर्फ भारत भाग सकते हैं, लेकिन सीमाओं पर कड़ी निगरानी है। ढाका के एक हिंदू शख्स ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान की बांग्लादेश वापसी ने उन्हें और भी चिंतित कर दिया है। अगर बीएनपी सत्ता में आती है, तो हमें और भी उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है। शेख हसीना की अवामी लीग ही हमारी एकमात्र रक्षक थी। पूर्वी पाकिस्तान के शरणार्थियों के संगठन निखिल बांग्ला समन्वय समिति के अध्यक्ष डॉ. सुबोध बिस्वास ने कहा कि संकट के समय बांग्लादेश के हिंदू केवल भारत पर ही भरोसा कर सकते हैं। हम सीमा पर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं। सनातन जागरण मंच के एक कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि बांग्लादेश में 2.5 करोड़ हिंदू हैं।

वर्ष 2025 में 81 देशों ने करीब 25 हजार भारतीयों को दिखाया बाहर का रास्ता

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा में पेश किए गए नवीनतम आंकड़ों ने विदेशों में रह रहे भारतीयों की स्थिति को लेकर एक महत्वपूर्ण तस्वीर पेश की है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 के दौरान दुनिया के 81 देशों से कुल 24,600 से अधिक भारतीय नागरिकों को निर्वासित (डिपोर्ट) कर वापस स्वदेश भेजा गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि भारतीयों के निर्वासन के मामले में सबसे बड़ी संख्या अमेरिका की नहीं, बल्कि सऊदी अरब की रही है, जहां बीते 12 महीनों में 11,000 से अधिक भारतीयों को बाहर निकाला गया। निर्वासन के इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि खाड़ी देशों, विशेषकर सऊदी अरब से इतनी बड़ी संख्या में भारतीयों को वापस भेजने के पीछे कई प्रशासनिक और कानूनी कारण रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से वीजा या निवास (रेजीडेंसी) की अवधि समाप्त होने के बाद भी वहां रुकना, वैध वर्क परमिट के

बिना काम करना, स्थानीय श्रम नियमों का उल्लंघन, अपने मूल नियोक्ताओं को छोड़कर अन्यत्र काम करना और विभिन्न दीवानी या आपराधिक मामलों में संलिप्त होना शामिल है।सऊदी अरब के बाद अमेरिका दूसरा ऐसा देश है जहां से बड़ी संख्या में भारतीयों को निकाला गया। पिछले एक साल में अमेरिका से 3,800 भारतीयों को वापस भेजा गया, जिनमें से अधिकांश निजी कंपनियों के कर्मचारी थे। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका में यह संख्या पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है, जिसका मुख्य कारण वहां के प्रशासन द्वारा दस्तावेजों, वीजा स्थिति और कार्य प्राधिकरण (वर्क ऑथराइजेशन) की कड़ी जांच और प्रवासन नियमों में बरती गई सख्ती है। अमेरिका के भीतर भी वाशिंगटन डीसी से 3,414 और ह्यूस्टन से 234 भारतीयों को निर्वासित किया गया। अन्य प्रमुख देशों में म्यांमार से 1,591, मलेशिया से 1,485, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 1,469 और बहरीन से 764 भारतीयों को वापस भेजा गया है। प्रवासियों के कल्याण के लिए काम करने वाले विशेषज्ञों और सलाहकार समितियों का कहना है कि खाड़ी देशों में जाने वाले भारतीयों में एक बड़ा हिस्सा कम कुशल श्रमिकों का होता है।

संक्षिप्त समाचार

रांची के पर्ल ऑर्किड अपार्टमेंट में लगी आग, टॉप फ्लोर से उठने लगा धुआं

रांची, एजेंसी। रांची के पर्ल ऑर्किड अपार्टमेंट में शुक्रवार को अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। घटना की सूचना मिलते ही अपार्टमेंट में रहने वाले लोग घरों से बाहर निकल आए और तुरंत दमकल विभाग को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग जिस फ्लैट में लगी थी, वहां रखा घरेलू सामान आंशिक रूप से जल गया, हालांकि समय रहते आग बुझा लेने से बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद धुएं का गुबार पूरे अपार्टमेंट में फैल गया था, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई। कुछ देर के लिए बिजली आपूर्ति भी एहतियातन बंद कर दी गई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण बताया जा रहा है। प्रशासन ने अपार्टमेंट प्रबंधन को बिजली व्यवस्था की जांच कराने और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

डकरा में बड़ी वारदात :शादी से इनकार किया तो प्रेमिका को मारी गोली, फिर खुद को गोली मारकर दी जान

रांची, एजेंसी। डकरा के रैंबो क्लब मैदान के पास शुक्रवार सुबह एक युवक ने अपनी प्रेमिका को गोली मार दी। फिर खुद के सिर में गोली मारकर जान दे दी। घायल पायल कुमारी की हालत गंभीर है। उसे रिम्स में भर्ती कराया गया है। युवक ने खुदकुशी से पहले वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसमें बताया कि लड़की ने उसे धोखा दिया और शादी करने से इनकार कर दिया। इसी कारण उसने यह कदम उठाया। घटना सुबह करीब 8:30 बजे हुई। पायल एक निजी स्कूल में शिक्षिका है। वह सुबह घर से स्कूल जा रही थी। सुनील क्लब मैदान के पास पहले से मौजूद था। उसे पता था कि पायल इसी रास्ते से स्कूल जाएगी। जैसे ही पायल क्लब मैदान के गेट के पास पहुंची, सुनील केवट उर्फ छोटू (33) ने उसे रोका। करीब दो मिनट बातचीत की। फिर अचानक पिस्टल निकालकर गर्दन में सटाकर गोली मार दी। इसके बाद वह भागते हुए अपने घर पहुंच गया। सुबह 10:09 बजे उसने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट डाला और फिर खुद को गोली मार दी। इधर, स्थानीय लोगों ने पायल को तत्काल डकरा स्थित सीसीएल सेंट्रल अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भिजवाया। घटनास्थल से पिस्टल भी मिला, जिससे गोली मारी गई। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया, जिसने घटनास्थल से सैंपल इकट्ठा किया।

झारखंड में मत्स्य उद्योग को बढ़ावा देने की पहल, अकेले गढ़वा जिले को मिली पांच प्रोजेक्ट्स की मंजूरी

गढ़वा, एजेंसी। केंद्र सरकार के मत्स्य पालन विभाग एवं जलीय कृषि अवसंरचना (एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर) विभाग के द्वारा पूरे झारखंड में मत्स्य उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सात प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है. जिसमें से पांच अकेले गढ़वा में शामिल हैं. गढ़वा जैसे पिछड़े इलाकों मे मत्स्य पालकों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है.

28 राज्यों के 112 आकांक्षी जिलों में शुमार गढ़वा जिले में मत्स्य विभाग के द्वारा मछली पालने वाले किसानों को मछली व्यापार से जोड़कर उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बना रहा है. विलुप्त हो रही आदिम जनजाति परिवारों के उत्थान के लिए यह एक बड़ी पहल है.

आदिम जनजातियों को मत्स्य व्यापार से जोड़ने पर जोर

दरअसल, केंद्र सरकार मत्स्य के क्षेत्र में महानगरों के तर्ज पर छोटे-छोटे शहरो जहां मत्स्य की असीम संभावना है, वहां इस प्रोजेक्ट को लॉंच की है. इसके तहत मेराल प्रखंड में पिपरा के निवासी नुरुल होदा आंसरी के प्रोजेक्ट को एफआईडीएफ योजना के तहत स्वीकृति मिली है. इसके लिए चार करोड़ की राशि आवंटित की गई है, जिसका उपयोग अत्याधुनिक मत्स्य पालन, बीज उत्पादन और इसकी विकास इकाई में किया जाएगा.

इसके अलावे चार अन्य योजना की स्वीकृति पाइपलाइन में है. इसी कड़ी में गढ़वा जिले में आदिम जनजाति परिवारों को मत्स्य व्यापार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की गयी है. जिला मत्स्य विभाग द्वारा आरआरएफ (रिवाइन फिशरीज फॉर फ्लोइंग वाटर) योजना के तहत इन परिवारों को मछली पालन से जोड़ने का कार्य चल रहा है.

इस योजना के अंतर्गत ऐसे नदी-नाले चुने जाते हैं, जिनमें स्वाभाविक रूप से पानी का प्रवाह बना रहता है और उन्हीं में मछली पालन कराया जाता है. ग्रामीण अपने क्षेत्र मे मत्स्य विभाग के द्वारा इतनी बड़े प्रोजेक्ट को देख काफी खुश हैं. उनका कहना है इससे हमें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी और हमारी आय बढ़ने से मेरे परिवार का विकास होगा. जिला मत्स्य पदाधिकारी धनराज कापसे ने बताया कि केंद्र सरकार के मत्स्य पालन विभाग एवं जलीय कृषि अवसंरचना विभाग के द्वारा पूरे झारखंड में मत्स्य उद्योग को बढ़ावा देने के लिए गढ़वा को आगे रखा गया है. इससे जुड़ने के लिए रजिस्ट्रेशन सिर्फ सात हजार का है.

रांची के सभी स्कूल 31 दिसंबर तक बंद, शीतलहर के अलर्ट के चलते लिया फैसला

रांची, एजेंसी। झारखंड में बढ़ती ठंड और शीतलहरी को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियातन फैसला लिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम विज्ञान केंद्र झारखंड (रांची) द्वारा जारी विशेष बुलेटिन के अनुसार राज्य में अगले आदेश तक भारी ठंड और शीतलहरी की चेतावनी दी गई है। रांची जिला को येलो जोन की श्रेणी में चिन्हित करते हुए ठंड के और अधिक असर की संभावना जताई गई है।

मौसम की इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत रांची जिला अंतर्गत संचालित सभी सरकारी, गैर-सरकारी एवं निजी विद्यालयों में केजी से 12वीं कक्षा तक पठन-पाठन का कार्य दिनांक 27 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक स्थगित करने का आदेश जारी किया गया है। इस अवधि के दौरान विद्यालयों में नियमित कक्षाएं संचालित नहीं होंगी।

जिला प्रशासन ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया है कि वे आदेश का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। प्रशासन का मानना है कि अत्यधिक ठंड में छोटे बच्चों और किशोर छात्रों के बीमार होने की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए यह निर्णय एहतियात के तौर पर लिया गया है।

हालांकि, जिन विद्यालयों में उक्त अवधि के दौरान पूर्व निर्धारित परीक्षाएं आयोजित होनी हैं, उन्हें इस आदेश से आंशिक छूट दी गई है। ऐसे विद्यालय अपने

विवेकानुसार परीक्षा का संचालन कर सकते हैं, लेकिन इस दौरान छात्रों की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है।

प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों को ठंड से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें और अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने दें।

झारखंड पब्लिक स्कूल, मोहन नगर, डकरा में शुक्रवार को वीर बाल दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत साहिबजादे फतेह सिंह एवं साहिबजादे जोरावर सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ की गई।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभिषेक कुमार चौहान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वीर बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साहिबजादों का बलिदान साहस, धर्मनिष्ठा और देशप्रेम का अनुपम उदाहरण है, जिससे हमें सत्य और आत्मबल के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, रचनात्मकता और खेल भावना का विकास देखने को मिला।

हाथियों की दर्दनाक मौतें, अस्तित्व पर संकट, घटते जंगल और मानवीय हस्तक्षेप से राजकीय पशु पर खतरा

रांची, एजेंसी। खनन, सड़क-रेल परियोजनाओं, बिजली लाइनों और जंगलों के तेजी से खंडित होते भूगोल के बीच झारखंड में मानव-हाथी संघर्ष अब केवल वन्यजीव संरक्षण का नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिस्थितिक और मानवीय संकट का रूप ले चुका है। राज्य के कोल्हान और सारंडा अंचल से लेकर रांची, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला तक हाथियों की तड़प-तड़प कर हो रही मौतें यह सवाल खड़ा कर रही हैं कि क्या विकास की दौड़ में झारखंड अपने राजकीय पशु को खोने की कगार पर खड़ा है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान और भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की प्रोजेक्ट एलीफेंट के अध्ययन के मुताबिक वर्ष 2000 से 2023 के बीच झारखंड में कुल 225 हाथियों की मौत दर्ज की गई। इनमें 152 मौतें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मानव-जनित कारणों से हुईं, जबकि 73 मौतें प्राकृतिक कारणों से बताई गईं। इसी अवधि में हाथियों के हमलों में 1,340 लोगों की जान गई और लगभग 400 लोग घायल हुए। यह स्पष्ट करता है कि यह संघर्ष केवल वन्यजीवों तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी

समाज के लिए भी गंभीर सामाजिक-आर्थिक चुनौती बन चुका है।

विस्फोट, करंट और ट्रेनें मौत के नए चेहरे : हालिया महीनों में हाथियों की एक के बाद एक मौत ने सबको झकझोर दिया। सारंडा के जंगलों में माओवादियों की बिछाई आईईडी विस्फोट से तीन हाथियों की मौत हुई। इसके अलावा 23 वर्षों में 67 हाथियों की मौत बिजली के झटके से, 17 की ट्रेन दुर्घटनाओं में, 11 की जहर से, 4 की शिकार से, 1 की लैंडमाइन विस्फोट से और कई की अन्य आकस्मिक कारणों से हुई।

एक साल में कई जानें गईं : नवंबर 2023 में सिंहभूम के मुसाबनी के बेनियासाई गांव में बिजली के करंट से पांच हाथियों की मौत हो गई थी, जिनमें दो बच्चे थे। वर्ष 2024-25 में 15 हाथियों की मौत दर्ज की गई, जबकि वर्ष 2025 में अब तक कम से कम 16 हाथियों की मौत हो चुकी है।

हाईकोर्ट ने 27 साल पहले हुई हत्या मामले में आजीवन कारावास के सजायाफ्ता चार आरोपियों को किया बरी

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने 27 साल पहले हुई हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास के सजायाफ्ता चार आरोपियों को बरी कर दिया। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए निचली अदालत द्वारा दी गई आजीवन कारावास की सजा को रद कर दिया। यह मामला बेड़ो थाना अन्तर्गत करगे गांव का है।

वर्ष 1998 में केश्वर साहू आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इस मामले में बेड़ो थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मृतक के पुत्र राजेंद्र साहू ने स्वयं को प्रत्यक्षदर्शी बताते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। हत्या का मूल कारण भूमि विवाद बताया गया था। निचली अदालत ने 18 अप्रैल 2000 को मामले की सुनवाई करने के बाद हत्या के आरोपी राजेन्द्र उरांव, बरिया उरांव, रामधन उरांव और भनुआ उरांव को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की।

अदालत ने सजायाफ्ता राजेंद्र उरांव एवं भनुआ उरांव की सजा के खिलाफ क्रिमिनल अपील की सुनवाई के दौरान पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा। अदालत ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ साझा इरादा साबित करने के लिए ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए। केवल पारिवारिक दुश्मनी के आधार पर दोषसिद्धि नहीं की जा सकती है। सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने निचली अदालत के निर्णय को रद्द कर दिया और सभी आरोपियों को आपराधिक दायित्व से मुक्त कर दिया। चूंकि आरोपी पहले से जमानत पर थे, इसलिए उनकी जमानत बांड भी समाप्त कर दी गई।

सब्जी बेचने वाली की बेटी ने जीता पुरस्कार, आसान नहीं रहा मिट्टी घर से राष्ट्रपति भवन तक सफर

यह सम्मान न केवल अनुष्का की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे हजारीबाग जिले और झारखंड के लिए गर्व का क्षण है

हजारीबाग, एजेंसी। कहते हैं कि मजबूत इरादे और अथक परिश्रम किसी भी अभाव को पीछे छोड़ सकते हैं। इस कथन को सच कर दिखाया है हजारीबाग आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही होनहार महिला फुटबॉल खिलाड़ी अनुष्का कुमारी ने। खेल के क्षेत्र में असाधारण प्रतिभा, अनुशासन और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अनुष्का को राष्ट्रपति बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान न केवल अनुष्का की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे हजारीबाग जिले और झारखंड के लिए गर्व का क्षण है।

अनुष्का की सफलता की कहानी बेहद भावुक और प्रेरणादायक है। वह मूल रूप से रांची जिले के ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत मुंडा टोली की रहने वाली हैं। उनके पिता दिलेश मुंडा लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, जिस कारण वे काम करने में असमर्थ हैं।

परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उनकी मां के कंधों

पर है, जो खेती-बाड़ी करने के साथ-साथ सब्जी बेचकर किसी तरह परिवार का गुजारा करती हैं। मिट्टी के घर में रहने वाले इस परिवार में अनुष्का दो भाइयों और एक बहन के बीच दूसरे नंबर पर हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अनुष्का ने कभी अपने सपनों को कमजोर नहीं पड़ने दिया।

खेल के मैदान में अनुष्का ने अपनी मेहनत से एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल की हैं। सैफ खेलों में स्वर्ण पदक, एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक सहित उन्होंने कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और राज्य स्तरीय स्कूल गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक अपने नाम किए हैं।

उनकी सफलता के पीछे वर्षों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और हजारीबाग आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र में मिली सशक्त ट्रेनिंग की अहम भूमिका रही है। राष्ट्रपति बाल पुरस्कार मिलने की खबर जैसे ही हजारीबाग पहुंची, प्रशिक्षण केंद्र में खुशी की लहर दौड़ गई। साथी खिलाड़ियों, कोच और खेल प्रेमियों ने अनुष्का की उपलब्धि पर गर्व जताया।

वहीं उनके गांव मुंडा टोली में भी उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। लोगों ने मिठाइयां बांटीं और अनुष्का को गांव की बेटी बताते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस संबंध में कोच सुशीला साहू ने बताया कि हजारीबाग में संचालित राज्य स्तरीय आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र से निकलकर अनुष्का ने यह साबित कर दिया है कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प से ग्रामीण पृष्ठभूमि की बेटियां भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। अनुष्का आज उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं, जो कठिन हालात के बावजूद अपने सपनों को सच करने का साहस रखती हैं।

सीआरपीएफ में आईजी बनेंगे आईपीएस अमोल वीनुकांत होमकर, गृह मंत्रालय ने हेमंत सरकार को लिखा लेटर

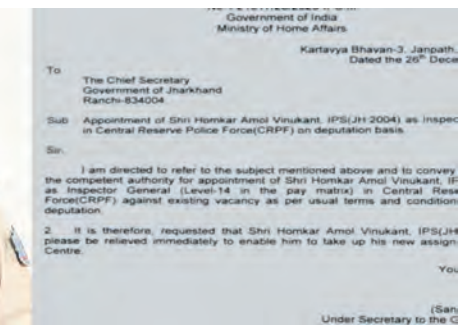

Government of India
Ministry of Home Affairs

Kartavya Bhavan-3, Janpath,
Dated the 26th Dece

To
The Chief Secretary
Government of Jharkhand
Ranchi-834004

Sub Appointment of Shri Homkar Amol Vinukant, IPS(JH:2004) as Inspec in Central Reserve Police Force(CRPF) on deputation basis.

Sir,

I am directed to refer to the subject mentioned above and to convey the competent authority for appointment of Shri Homkar Amol Vinukant, IP as Inspector General (Level-14 in the pay matrix) in Central Rese Force(CRPF) against existing vacancy as per usual terms and condition deputation.

2. It is therefore, requested that Shri Homkar Amol Vinukant, IPS(JH please be relieved immediately to enable him to take up his new assign Centre.

You

(San
Under Secretary to the C

रांची, एजेंसी। झारखंड कैडर के 2004 बैच के आईपीएस अधिकारी अमोल वीनुकांत होमकर सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) में आईजी के पद पर प्रतिनियुक्त होंगे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस बाबत राज्य सरकार से पत्राचार किया है। 26 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्रालय से राज्य सरकार को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि उनकी प्रतिनियुक्ति की प्राधिकार ने सहमति दे दी है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को लिखे गए पत्र में कहा है कि अमोल वीनुकांत होमकर को केंद्र के लिए जल्द विरमित करें, ताकि उन्हें आइजी सीआरपीएफ के पद पर प्रतिनियुक्त किया जा सके। यह डेपुटेशन के आधार पर किया जा रहा है

गौरतलब है कि आईपीएस अधिकारी अमोल वीनुकांत होमकर झारखंड कैडर के तेज-तर्रार अधिकारियों में से एक हैं। झारखंड पुलिस के आईजी अभियान के पद पर रहते हुए उन्होंने राज्य में चल रहे माओवादी विरोधी अभियान का बेहतर संचालन किया।

उनके ही आईजी अभियान के कार्यकाल में झारखंड का बूढ़ा पहाड़, बुलबुल जंगल, पारसनाथ, ट्राई जंक्शन आदि क्षेत्र माओवादियों से खाली कराया गया। एक करोड़ के इनामी प्रशांत बोस की गिरफ्तारी व दूसरे एक करोड़ के इनामी प्रयाग मांझी उर्फ विवेक को मुठभेड़ में मारा गया।

सटीक सूचना, बेहतर नेतृत्व की बदौलत उन्होंने माओवादियों के विरुद्ध चल रहे अभियान को सही दिशा में पहुंचाया। वर्तमान में आईपीएस अमोल वीनुकांत होमकर झारखंड पुलिस में आईजी रेल के पद पर कार्यरत हैं। यहां से विरमित होने के बाद वे केंद्र में आईजी सीआरपीएफ की जिम्मेदारी संभालेंगे।

हेमंत सरकार जनवरी में लॉन्च कर सकती है गुरुजी आपातकालीन योजना, सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मिलेगी सहायता

रांची, एजेंसी। झारखंड में लगातार प्रयासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में हताहतों की संख्या में अब तक अपेक्षित कमी नहीं आ सकी है। इसके कारणों की पड़ताल और प्रभावी समाधान तलाशने के लिए परिवहन विभाग लगातार मंथन कर रहा है। इसी क्रम में राज्य सरकार गुरुजी आपातकालीन सेवा योजना-1944 लागू करने की तैयारी में जुट गई है।

इस योजना के तहत 1944 को एक टोल-फ्री आपातकालीन नंबर बनाया जाएगा। यह संख्या गुरुजी के जन्म वर्ष से जुड़ी है, इसलिए इसे प्रतीकात्मक महत्व भी दिया गया है।

इस नंबर पर कॉल करते ही सड़क दुर्घटना से जुड़ी सूचना एक साथ पुलिस, एंबुलेंस सेवा और नजदीकी अस्पताल तक पहुंच जाएगी। अभी तक की तैयारियों के अनुसार इस योजना को अगले महीने जनवरी में गुरुजी के जन्मदिन के अवसर पर लॉन्च किए जाने की संभावना है।

सरकार का मानना है कि दुर्घटना के बाद शुरुआती कुछ मिनट बेहद अहम होते हैं और यदि उस समय समन्वित व त्वरित मदद मिल जाए तो कई जानें बचाई जा सकती हैं। राज्य के विभिन्न मार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या कम करने और

घायलों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इसे एक बृहद और एकीकृत योजना के रूप में तैयार किया जा रहा है। योजना के तहत सभी आपातकालीन सेवा प्रदाताओं को एक ही एप और एकीकृत कॉल सेंटर से जोड़ा जाएगा। एक कॉल पर ही एंबुलेंस, पुलिस और चिकित्सकों तक सूचना पहुंच सकेगी। इससे अलग-अलग नंबरों पर फोन करने की जरूरत नहीं रहेगी और प्रतिक्रिया समय में उल्लेखनीय कमी आएगी।इस एकीकृत कॉल सेंटर के जरिए सरकार झारखंड को सुरक्षित सड़क, सुरक्षित नागरिक की दिशा में आगे बढ़ाने का दावा कर रही है। सरकार का दीर्घकालिक लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं में हताहतों की संख्या को शून्य तक लाना है।

विजन जीरो की अवधारणा के साथ यह योजना दुर्घटना के बाद त्वरित सहायता और समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। यह हेल्पलाइन 24म7 काम करेगी। इसके माध्यम से गुड सेमेरिटन यानी दुर्घटनाग्रस्त की मदद करने वालों को प्रोत्साहित करने, हिट एंड रन मामलों में त्वरित सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था की जाएगी। इस प्रणाली से पुलिस, स्वास्थ्य, परिवहन और आपदा प्रबंधन विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

रामगढ़ के पालू जंगल मोड़ में हादसा:बाइक और स्कॉर्पियो की हुई सीधी भिड़ंत

पिता ने मौके पर तोड़ा दम, बेटा गंभीर

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ जिले के पतरातू थाना क्षेत्र अंतर्गत पालू जंगल के समीप भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। इस हादसे में सीसीएल के खलारी परियोजना में कार्यरत महावीर नायक (45) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका 17 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार नायक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार महावीर नायक अपने पुत्र के साथ मोटरसाइकिल (नंबर JH 01GB 1319) से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान पालू जंगल के पास स्थित एक तीखे मोड़ पर सामने से आ रही स्कॉर्पियो (नंबर छ॥ 01श्वरू5356) से उनकी बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महावीर नायक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनका पुत्र सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक महावीर नायक भदानी नगर ओपी क्षेत्र के लपंगा गांव के निवासी थे।

पुलिस मौके पर पहुंची, घायल रिम्स रेफर

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पतरातू थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से 108 एंबुलेंस को बुलाया गया। गंभीर रूप से घायल प्रिंस कुमार नायक को पहले पतरातू ब्लॉक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। युवक की हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया। इधर, पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों मोटरसाइकिल और स्कॉर्पियो को जब्त कर थाना ले आई है। पुलिस के अनुसार पोस्टमॉर्टम के लिए शव को रामगढ़ सदर अस्पताल भेजा गया। मामले की जांच की जा रही है।

खतरनाक मोड़ पर हादसे का बना रहता है खतरा

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि पालू जंगल के पास स्थित यह मोड़ काफी तीखा और खतरनाक है। यहां आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन अब तक सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस मोड़ पर स्पीड ब्रेकर और चेतावनी बोर्ड लगाए जाते, तो शायद इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकता था। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

झारखंड में 1 जनवरी तक सुबह-शाम छाएगा कुहासा

रांची, बोकारो सहित 9 जिलों में कम रहेगी विजिबिलिटी, 2°C तक गिरेगा पारा

रांची, एजेंसी। झारखंड में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज ठंडा बना रहेगा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 1 जनवरी तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है। इसके बाद दिन में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। यह स्थिति मध्य झारखंड, दक्षिणी झारखंड, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी झारखंड के जिलों में समान रूप से देखने को मिलेगी।

रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद में सुबह के समय दृश्यता कम रह सकती है। वहीं पलामू, गढ़वा, लातेहार, सिंहभूम क्षेत्र और संथाल परगना के जिलों में भी हल्का कोहरा छाने के संकेत हैं। मौसम विभाग ने कोहरे के कारण सुबह वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

रात और सुबह ठंड, दिन में राहत

राज्य में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसके बाद अगले तीन दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। रांची और आसपास के क्षेत्रों में 27 दिसंबर को अधिकतम 21 और न्यूनतम 7, 28 दिसंबर को 22 और 8, 29 दिसंबर को 23 और 9 तथा 30 दिसंबर को अधिकतम 24 और न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। इससे साफ है कि सुबह और रात की ठंड बनी रहेगी, जबकि दिन के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी।

पश्चिमी झारखंड के कुछ इलाकों में शीतलहर : मौसम विभाग ने 27 दिसंबर को पश्चिमी झारखंड के कुछ इलाकों में शीतलहर का असर देखा जा सकता है। 28 दिसंबर से 1 जनवरी तक किसी तरह की मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। राज्य में फिलहाल कोई महत्वपूर्ण मौसमी सिस्टम सक्रिय नहीं है। उत्तर-पश्चिमी से पश्चिमी हवाएं चल रही हैं। पिछले 24 घंटे में कई इलाकों में हल्का से मध्यम कोहरा देखा गया। अधिकतम तापमान में अधिकांश स्थानों पर 2 डिग्री तक का ही उतार-चढ़ाव रहा। राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस गुमला में रहा। रांची में अधिकतम 21.4 और न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पांच दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार 26 से 30 दिसंबर के बीच अधिकांश जिलों में दिन के तापमान में 2 से 4 और रात के तापमान में 1 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है।

रांची में शीत लहर के कारण 31 दिसंबर तक स्कूल बंद, केजी से 12वीं तक की कक्षाएं स्थगित : रांची जिले में शीत लहर के प्रभाव के चलते अधिकारियों ने शुक्रवार को निर्णय लिया कि जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में किंडरगार्टन से कक्षा 12 तक की कक्षाएं 27 से 31 दिसंबर तक स्थगित रहेंगी। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है, 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत, रांची जिले में संचालित सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी स्कूलों को 27 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2025 तक केजी से कक्षा 12 तक की कक्षाएं निलंबित करने का निर्देश दिया गया है।' रांची जिला शिक्षा अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि हालांकि अधिकांश स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (KY) 2025-26 के तहत पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

रामगढ़। आज दिनांक 27 दिसंबर 2025 को आत्मा कार्यालय रामगढ़ में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (KY) 2025-26 के तहत पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिले के सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, जनसेवक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं अन्य कर्मियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ0 सुधांशु शेखर, प्रधान सह वरीय वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र रामगढ़ एवं श्री सनी कुमार प्रक्षेत्र प्रबंधक, केवीके रामगढ़ के द्वारा रामगढ़ में दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देते हुए वैज्ञानिक तरीके से खेती करने से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित पशुपालन पदाधिकारी के प्रतिनिधि के द्वारा कृषि के साथ कृषकों को पशुपालन से प्राप्त होने वाले लाभ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया। Digital Crop Survey (DCS) के तहत जिले के Master Trainers श्री मनोज कुमार BTM पतरातु एवं सुश्री अनुपमा टोपनो, बीटीएम, दुलमी ने सभी प्रखंड नोडल पदाधिकारी एवं सुपरवाइजर को DCS के कार्य, surveyors के रजिस्ट्रेशन आदि के बारे मे विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। श्री संजय कुमार मंडल, उप परियोजना निदेशक आत्मा रामगढ़ के द्वारा आत्मा रामगढ द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया । साथ ही NFSNM योजना के तहत वितरण किये गए बीजों के लाभुकों के प्रक्षेत्रों का Krishi Mapper App के माध्यम से Geo -Tagging करने की बात कही गयी

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत हो रहे कार्यों की उप विकास आयुक्त ने की समीक्षा

रामगढ़। जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत रामगढ़ जिले में हो रहे कार्यों को लेकर शनिवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल की अध्यक्षता में समाहरणालय ब्लॉक बी सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना के तहत अब तक हुए कार्यों की जानकारी कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल से ली। इस दौरान उप विकास आयुक्त ने जिन योजनाओं का कार्य पूर्ण हो गया है उन्हें तत्काल हैंडोवर करने का निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त ने वर्तमान में जल जीवन मिशन के माध्यम से आम जनों को मिल रहे लाभ की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए बैठक के दौरान कार्यपालक अभियंता के द्वारा जानकारी दी गई कि वर्तमान में जल जीवन मिशन के अंतर्गत रामगढ़ जिले में चार योजनाएं निर्माण अधीन है जिनके माध्यम से 28480 घरों को जलापूर्ति कनेक्शन उपलब्ध कराया जाना है। इस संबंध में उपायुक्त ने तीव्र गति से कार्य करने एवं जल्द से जल्द योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया जल जीवन मिशन के सफल संचालन हेतु बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने ग्राम जल स्वच्छता समिति की नियमित बैठक आयोजित करने एवं उनके माध्यम से विभिन्न कार्य किए जाने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत हो रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिल जन संपर्क पदाधिकारी डॉ प्रभात शंकर,जिला शिक्षा अधीक्षक, यूनिसेफ सहयोगी संस्था से निर्भय कुमार मोदी, जिला समन्वक मोइनुल इस्लाम सहित अन्य उपस्थित थे।

सूकर पालन से बदली तक़दीरः जिला प्रशासन की पहल से आत्मनिर्भर बने उमेश भुइयां

» मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना की सफलताः हजारीबाग में सूकर पालन से बढ़ी आय, संवरा जीवन

हजारीबाग । सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन और जिला प्रशासन की सतत निगरानी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। इसका जीवंत उदाहरण हैं पदमा प्रखंड अंतर्गत ग्राम कण्डदाग, पंचायत बंदरबेला निवासी श्री उमेश भुइयां, जिन्होंने सूकर पालन के माध्यम से न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी पेश की है। श्री उमेश भुइयां पहले दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करते थे। सीमित आय के कारण बच्चों की शिक्षा और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करना उनके लिए कठिन था। ऐसे समय में जिला प्रशासन हजारीबाग के मार्गदर्शन में पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य प्रायोजित सूकर पालन योजना उनके जीवन में बदलाव लेकर आई। योजना के अंतर्गत उन्हें 50 प्रतिशत अनुदान पर 04 मादा एवं 01 नर सूकर, सूकर दाना, तीन वर्षों का बीमा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, नियमित पशु चिकित्सकीय निगरानी, टीकाकरण एवं दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। विभागीय अधिकारियों के तकनीकी सहयोग और जिला प्रशासन की निरंतर मॉनिटरिंग से उन्होंने सूकर पालन को व्यवसायिक रूप से अपनाया। आज श्री उमेश भुइयां के पास लगभग 80 सूकर हैं। वे प्रतिवर्ष 350–400 सूकर बच्चों की बिक्री कर रहे हैं। बढ़ी हुई आय से उन्होंने अपने बच्चों का अच्छे विद्यालय में नामांकन कराया, परिवार का जीवन स्तर सुधारा और अपने सूकर फार्म को 10 कमरों के पक्के शेड में परिवर्तित किया।जहाँ पहले उनकी मासिक आय मात्र 5,000 से 7,000 थी, वहीं आज योजना के लाभ से उनकी वार्षिक आय 3,00,000 से 5,00,000 तक पहुँच गई है। वे आज न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हैं, बल्कि गांव के अन्य लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत भी बन चुके हैं।"राज्य सरकार का उद्देश्य है कि पशुपालन एवं स्वरोजगार आधारित योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण युवाओं और किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जाए। उमेश भुइयां की सफलता यह साबित करती है कि सही योजना, प्रशिक्षण और मेहनत से ग्रामीण क्षेत्रों में भी समृद्धि लाई जा सकती है।" "उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन, समय पर प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। उमेश भुइयां की सफलता हमारी टीम के लिए प्रेरणादायक है। हमारा प्रयास है कि जिले के अधिक से अधिक लोग मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से जुड़कर अपनी आय बढ़ाएँ।" श्री उमेश भुइयां भी अन्य पशुपालकों से अपील करते हैं कि वे मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत सूकर पालन अपनाकर स्वरोजगार स्थापित करें और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करें। यह सफलता कहानी इस बात का प्रमाण है कि जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता, विभागीय समन्वय और लाभार्थी की मेहनत मिलकर ग्रामीण विकास की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत कर सकती है।

पाकुड़ खनन विभाग की कृपा दृष्टि कहे या ज़िला प्रशासन की शुभ दृष्टि

संवाददाता

» महेशपुर प्रखंड और पाकुड़िया प्रखंड के अधीन बंगाल सीमा के सीमावर्ती क्षेत्र मे अवैध खनन पर आखिर कारवाई शून्य

» सूत्रों के अनुसार उक्त क्षेत्र मे होने वाले अवैध खनन की मंथली ई एम आई प्रति खनन 35K जिसपर सबकी दृष्टि और कृपा बरकरार

पाकुड़ । आज कल ज़िलें भर मे राजस्व की लूट की एक बड़ी भूचाल चली हुई है आज हम पाकुड़ ज़िलें के महेशपुर प्रखंड के खनन क्षेत्रों के बारे मे एक सठिक और हैरान कर देने वाले तथ्यों को रखेंगे आप सभी जानते है महेशपुर प्रखंड के अधीन पश्चिम बंगाल की सीमा वर्ती क्षेत्र रद्दीपुर मे धड़ल्ले से अवैध पत्थर खनन जारी है और इस अवैध कारोबार का एक मोटा हिस्सा भी कृपा रखने और दया दृष्टि डालने वाले को पहुंचती है यही हाल पाकुड़िया के खनन क्षेत्र का है जहाँ ना शासन का डर ना प्रशासन का भय जमके करो अवैध खनन जिला से अधिकारी पहुंचते पहुंचते खेला खत्म वाली कहानी आज तक जारी है और इस कृपा और दृस्टि पर भी प्रति अवैध खनन के मास्टर माइंड और दलाल की भूमिका अहम् है पाकुड़िया से सटे बंगाल सीमा पर अवैध खनन एक वरदान है ना माइनिंग चालान की जरुरत ना लीज़ की स्वीकृति केवल कोडो और माल बटोरो इसकी भी मंथलीं ई एम आई 35K फिक्स होने की खबरें है जो सभी के बीच उनके संगरक्षण और उन्हें सुविधा मुहैया करवाने वाले अधिकारी को समय पर पहुंचने की भी खबरें सूत्रों ने बताया है उस क्षेत्र से प्रदुषण नियमों सहित खनन नियमों एवं बन भूमि तथा सरकारी रास्ते के बीचो बीच अवैध खनन खनन नहीं तो क्या है और यदि इसमें ज़िला खनन और ज़िला प्रशासन की भूमिका नहीं तो फिर किनके संगरक्षण मे महेशपुर और पाकुड़िया के बंगाल सीमा के बॉर्डर पर अवैध खनन को अंजाम दिया जा रहा है

पाकुड़ की बेटी सृष्टी हांसदा ने रचा इतिहास

संवाददाता

» झारखंड महिला अंडर-15 क्रिकेट टीम में पाकुड़ की बेटी सृष्टी हांसदा का हुआ चयन

पाकुड़। जिले के लिए यह अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है कि जिले की प्रतिभाशाली बालिका खिलाड़ी सृष्टी हांसदा का चयन झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (JSCA) द्वारा घोषित बीसीसीआई घरेलू महिला अंडर-15 वन-डे ट्रॉफी 2025–26 हेतु झारखंड महिला अंडर-15 क्रिकेट टीम में किया गया है। उक्त प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन 02 जनवरी से 10 जनवरी, 2026 तक विशाखापत्तनम (विजाग) में किया जाएगा। सिष्टी हांसदा का यह चयन उनके निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन का परिणाम है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में वे पाकुड़ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी, जो जिले के लिए अत्यंत गौरव की बात है इस अवसर पर पाकुड़ के उपायुक्त एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी ने सृष्टी हांसदा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने सृष्टी के कोच, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को भी बधाई देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, सहयोग एवं मेहनत के कारण ही सिष्टी को यह महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हो सकी है। उपायुक्त ने कहा कि सिष्टी हांसदा की यह उपलब्धि पाकुड़ जिले के लिए गर्व का क्षण है तथा इससे जिले की अन्य बालिकाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिष्टी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पाकुड़ जिले का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन करेंगी।

खनन विभाग और अवैध खनन की जांच को प्रभावित करने वाले दलाल कौन है दिवाकर आखिर क्या है इनका राज

संवाददाता

» करोड़ों की आलीशान और दो लगजरी बड़ा मज़ा है राज

पाकुड़ । पाकुड़ ज़िलें के खनन कार्यालय हो या अंचल या कोई भी विभाग एक नाम हर जुबान पर है दिवाकर आखिर कौन है दिवाकर कोई अधिकारी है या पदाधिकारी है या कोई बड़े हस्ती है दिवाकर सूत्रों के मुताबिक इनका खनन विभाग मे बड़ा पकड़ है और कोई लेसी यदि खनन पट्टा लेना हो तो इनका रहना तय और अत्यंत आवश्यक माना जाता है क्योंकि यह हर समस्या का हल है इनके संपर्क मे प्रदुषण से लेकर पर्यावरण विभाग की पकड़ है आपत्ति रहते भी अनापति दिलाने की क्षमता रखते है यहाँ तक यदि आप अवैध खनन और जांच मे दोषी साबित हो रहे है तो एक नाम है दिवाकर जो आपको राहत का सांस दिलवा सकता है जब इनके हाथ मे अमीन और सारे सिस्टम पर अपना दबदबा कायम रखा है तो यह पूरे जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रभाव रखते है जिले के कई खनन क्षेत्रों मे अवैध खनन की मापी सुनिश्चित हुई है कई मामले दबें हुए है और कई मामलों पर लीपापोती सहित अमीन रिपोट से छेड़ छाड़ करने की प्रक्रिया जोरो से जिसमे सुंदरा पहाड़ी के मुकलेश्वर आलम का खनन क्षेत्र की मापी और बंगाल सीमा और झारखंड सीमा के सटे अवैध खनन की मापी और जांच और कई मामले है जिनपर इनकी नुकीली आंखे गढ़ी हुई है इनका पाकुड़ ज़िलें के सभी प्रखंड के खनन पट्टे धारियों पर रोब चलता है तब ना बाबू साहब लगजरी गाड़ियों सहित करोड़ों की लागत से बने मकान का मालिक बन बैठा है इनकी आय से अधिक सम्पति की जांच होने पर कई खनन पदाधिकारी सहित अंचल प्रदुषण और बन विभाग की कर्मियों की काले चिट्टे खुल सकते है

महेशपुर में धान अधिप्राप्ति केंद्रों का जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

संवाददाता

» धान भंडारण, अभिलेख एवं पारदर्शिता व्यवस्था की गहन समीक्षा

पाकुड़ । जिला आपूर्ति पदाधिकारी कुमार अभिषेक ने शनिवार को महेशपुर प्रखंड अंतर्गत संचालित धान अधिप्राप्ति केंद्रों का निरीक्षण किया निरीक्षण के क्रम में कानीझड़ा, दमदमा एवं चंडालमारा लैम्प्स स्थित धान अधिप्राप्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी* ने गोदामों में संग्रहित धान की मात्रा, लैम्प्स की साफ-सफाई एवं रख- रखाव, क्रय पंजी, स्टॉक पंजी, निरीक्षण पंजी सहित अन्य अभिलेखों की गहन जांच की। साथ ही मॉइस्चर मीटर के माध्यम से धान की नमी की जांच की गई एवं सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की भी समीक्षा की गई, ताकि संपूर्ण अधिप्राप्ति प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित हो सके। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि किसानों से धान अधिप्राप्ति के दौरान सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा ई-उपार्जन योजना के माध्यम से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से प्रदान करने के उद्देश्य से धान अधिप्राप्ति कार्य किया जा रहा है।

पाकुड़ ज़िलें के तालपाहाड़ी मे अवैध खनन का खेला एक रहमत डकैत तो दूसरा बना हमजा

संवाददाता

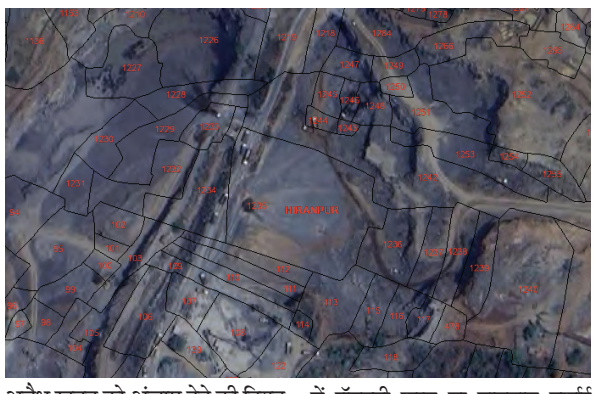

» नूरजमान शेख और इशाक शेख ने तोड़ दी अवैध खनन की सभी रिकॉर्ड बड़े पैमाने पर किया अवैध खनन सरकार को करोड़ों का लगाया चुना

पाकुड़ । पाकुड़ ज़िलें मे एक डायलॉग बड़ी सूट बैठती है एक रहमत और एक हमजा की कहानी आइये आप सभी को एक खास और अद्भुत तरकीब की बदौलत कितनी अवैध खनन और कितनी राजस्व की लूट को अंजाम दिया गया है आइये एक काला सच को इस रंगीन रात मे पढ़ने का आनद लीजिए और इसका विश्लेषण करें जब सिस्टम अधिकारी के हाथो मे है फिर भी अवैध कृत्यो को संगरक्षण क्यो और कैसे? मौजा ताल पहाड़ी मे स्वीकृत खनन लीज़ का विवरण दिनांक 06.01.2020 कोमौजा तलपाहाड़ी (संख्या–115), थाना–हिरणपुर में 6.97 एकड़ (2.82 हेक्टेयर) क्षेत्रफल हेतु स्वीकृत की गई तथा दूसरी खनन लीज़ दिनांक 09.01.2024 को मौजा तालपहाड़ी-संख्या–115 थाना–हिरणपुर में 3.04 एकड़ (1.23 हेक्टेयर) क्षेत्रफल हेतु प्रदान की गई इस प्रकार लीज़धारी को कुल 10.01 एकड़ भूमि पर ही वैधानिक खनन की अनुमति है परन्तु इस लीज़ धारी ने एक गहरी साजिश के तहत लीज़ क्षेत्र से बाहर बड़े पैमाने पर अवैध खनन को अंजाम देने की नियत अपनाया और उपरोक्त दोनों स्वीकृत लीज़ क्षेत्रों को प्लाट को अपना जमींदारी समझकर छोड कर रखे और उनके सटे हुए प्लाट लीज़ सीमा से बाहर कम से कम 15–16 प्लॉटों में अवैध रूप से खनन किया गया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लगभग 25–30 बीघा भूमि पर गैरकानूनी खनन किया जा चुका है, जो पूर्णतः लीज़ शर्तों एवं खनन अधिनियम का उल्लंघन है साथ साथ करोड़ों रुपये की रॉयल्टी चोरी पिछले 1–2 वर्षों के भीतर करोड़ों रुपये मूल्य के पत्थरों का उत्खनन एवं परिवहन किया गया है, जबकि इसके विरुद्ध सरकारी रिकॉर्ड में रॉयल्टी शून्य या नाममात्र दर्शाई गई है। इससे स्पष्ट है कि सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व की क्षति पहुँचाई गई है साथ ही दिन-रात अवैध खनन एवं ब्लास्टिंग खनन कार्य दिन-रात (24 घंटे) भारी मशीनों, ड्रिलिंग एवं अवैध ब्लास्टिंग के माध्यम से किया गया है, जो खनन नियमों, पर्यावरणीय कानूनों एवं सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है प्राप्त जानकारी एवं तकनिकी सैटेलाइट इमेज से स्पष्ट प्रमाण सैटेलाइट इमेज के माध्यम से लीज़ सीमा से बाहर किए गए खनन को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जिसे खनन एवं राजस्व विभाग के अधिकारी अपने कार्यालय में बैठे-बैठे सत्यापित कर सकते हैं। इसके बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई न होना गंभीर लापरवाही अथवा संरक्षण की ओर संकेत करता है जो एक भ्रष्टाचार, आय से अधिक संपत्ति एवं राजनीतिक संरक्षण को स्पष्ट दर्शाता है अवैध खनन को संरक्षण देने हेतु खनन विभाग के कुछ पदाधिकारियों ने अवैध लाभ पहुँचाया है अवैध खनन से अर्जित धन से महंगी इमारतों का निर्माण, लाखों रुपये की जमीन की खरीद तथा 7–8 लग्ज़री वाहनों की प्राप्ति की गई है, जो आय से अधिक संपत्ति का गंभीर संकेत है। साथ ही राजनीतिक प्रभाव के दुरुपयोग द्वारा इस अवैध गतिविधि को निरंतर जारी रखा गया है। इस मामले पर ज़िला प्रशासन की चुप्पी और कारवाई दिखाई देगी या इनकी शिकायत अब ऊपरी मंजिल तक पहुचानी होंगी बड़ी विकट स्तिथि हैसबसे बड़े मजे की बात यह है की मो नूरजमान शेख को हिरणपुर अंचलान्तर्गत मौजा- तालपहाड़ी नम्बर -115, खाता सं0-17, 21, 40 दाग सं0-1125/ पी0 1126/ पी0, 1127. 1128, 1129, 1130, 1131 1132/ पी० 1110 / पी0, 1111 1134/पी0. 1136/ पी0. 1137/ पी0, 1138, 1140, 1142, 1143, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1151; 1152, 1153, 1154/10, 1155/10, 1156/ 1157, 1161, 1162, 1163. 1164, 1165, 1167, 1168, 1169, 1172, 1173, 1133, 1139/10, 1141. 1144 1150, 1158 1159. 1160 1166 1170, रकवा 6.78 एकड़ (2.744 हेक्टेयर) भूमि पर मेसर्स,- मो० नुरुज्जामान शेख , पिता-मनजुर शेख, ग्राम + पो०- रहसपुर, जिला- पाकुड़, के पक्ष में स्वीकृत पत्थर खनन पट्टा संविद का निष्पादन उपायुक्त, पाकुड़ द्वारा दिनांक 08.03.2025 को किया गया है पर इनके द्वारा उक्त लीज़ क्षेत्र को सुरक्षित रखते हुए लीज़ क्षेत्र से बाहर करीब करीब- कुल 12दागो मे 20बीघा से ज्यादा अवैध खनन को अंजाम दिया है जिससे अनुमानित राजस्व करीब करोड़ों मे इनके द्वारा अवैध काला धन अर्जित करना कोई बड़ी बात नहीं है

झामुमो ज़िला अध्यक्ष अजीज़ुल इस्लाम के नेतृत्व मे VB-G RAM G बिल के विरोध में आयोजित किया गया।धरना प्रदर्शन

संवाददाता

पाकुड़ । झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की केंद्रीय समिति के निर्देश पर शनिवार को जिला कमेटी की ओर से बाजार समिति के समक्ष एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन केंद्र सरकार द्वारा लाए गए VB-G RAM G बिल के विरोध में आयोजित किया गया।धरना प्रदर्शन का नेतृत्व जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अजी जुल इस्लाम ने कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाकर नया कानून लाया है, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि इस कानून के जरिए मजदूरों के साथ अन्याय किया जा रहा है। झामुमो केंद्रीय समिति के निर्देश पर यह आंदोलन किया जा रहा है और जब तक यह बिल वापस नहीं लिया जाता, तब तक पार्टी सड़क से लेकर सदन तक विरोध जारी रखेगी पार्टी के पुर्व जिला अध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर मनमानी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जनता पर जबरन गलत कानून थोपा जा रहा है और दमनकारी नीतियों के जरिए गरीबों, आदिवासियों, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि झामुमो कार्यकर्ता शिबू सोरेन के सपनों को टूटने नहीं देंगे और सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य के विकास को बाधित नहीं होने देंगे

इचाक प्रखंड का उप विकास आयुक्त ने किया दौरा, मनरेगा व आवास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

संवाददाता

हज़ारीबाग । आज दिनांक 27 दिसंबर 2025 को उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद द्वारा इचाक प्रखंड का दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड में संचालित मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं जेएसएलपीएस से संबंधित विभिन्न योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं एवं चल रहे कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। निरीक्षण उपरांत उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में इचाक प्रखंड कार्यालय में मनरेगा, आवास एवं अन्य विकास योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना पदाधिकारी श्री प्रभात रंजन, प्रशिक्षण समन्वयक (आवास) श्री विजय साहू, प्रखंड विकास पदाधिकारी, बीपीओ इचाक, सभी पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने मनरेगा अंतर्गत ई-केवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण कराने, पुरानी एवं लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने, अधिक से अधिक मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने, एटीआर समय पर अपलोड करने तथा सामग्री मद में लंबित भुगतानों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने एवं लाभुकों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। साथ ही सभी संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

पूर्व रेलवे के तहत ट्रेनों की नई समय सारणी

की महत्वपूर्ण विशेषताएँ

(1 जनवरी, 2026 से लागू)

1 जनवरी, 2026 से प्रभावी समय-सारणी में शामिल नई ट्रेनों, ट्रेनों की यात्रा का विस्तार, नियमितकरण, ट्रेनों की समय-सूची में परिवर्तन आदि का विवरण नीचे उल्लेखित है:

1) ट्रेनों की यात्रा का विस्तार:

क. ईएमयू: पंद्रह ईएमयू ट्रेनों की यात्रा नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार विस्तारित की जाएगी:

क्रम सं.	ट्रेन सं.एवं नाम	जहां तक विस्तार की जाएगी
1.	37359 हावड़ा-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
2.	37365 हावड़ा-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
3.	37367 हावड़ा-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
4.	37369 हावड़ा-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
5.	37341 हावड़ा-तारकेश्वर ईएमयू	गोघाट
6.	37385 तारकेश्वर-आरामबाग ईएमयू	गोघाट
7.	37396 आरामबाग-तारकेश्वर ईएमयू	गोघाट
8.	37398 आरामबाग-तारकेश्वर ईएमयू	गोघाट
9.	37386 आरामबाग-तारकेश्वर ईएमयू	गोघाट
10.	37354 तारकेश्वर-हावड़ा ईएमयू	गोघाट
11.	37360 आरामबाग-हावड़ा ईएमयू	गोघाट
12.	37366 आरामबाग-हावड़ा ईएमयू	गोघाट
13.	31635 सियालदह-रानाघाट ईएमयू	शांतिपुर
14.	30113 बी.बी.डी. बाग-बैरकपुर ईएमयू	कल्याणी
15.	31242 बैरकपुर-सियालदह ईएमयू	कल्याणी

ख. पैसेंजर: दो पैसेंजर ट्रेनों के यात्रा पथ को नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार विस्तारित किया जाएगा:-

क्र. सं.	ट्रेन सं. एवं नाम	जहां तक विस्तार की जाएगी
1.	63063 बर्द्धमान-तीनपहाड़ एमईएमयू पैसेंजर	साहिबगंज
2.	63064 तीनपहाड़-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	साहिबगंज

2) ईएमयू ट्रेनों के फेरे में बदलाव:

क्र. सं.	ट्रेन सं. एवं नाम	वर्तमान यात्रा	संशोधित यात्रा	टिप्पणी
1.	33318 हासनाबाद-बारासात ईएमयू	सप्ताह में 6 दिन	प्रतिदिन	फेरे में वृद्धि
2.	33321 बारासात-हासनाबाद ईएमयू	सप्ताह में 6 दिन	प्रतिदिन	
3.	31223 सियालदह-बैरकपुर ईएमयू	प्रतिदिन	सप्ताह में 6 दिन	फेरे में कटौती यानी रविवार छोड़कर
4.	30116 बैरकपुर-बी.बी.डी. बाग ईएमयू	प्रतिदिन	सप्ताह में 6 दिन	
5.	30113 बी.बी.डी. बाग-बैरकपुर ईएमयू	प्रतिदिन	सप्ताह में 6 दिन	
6.	31242 बैरकपुर-सियालदह ईएमयू	प्रतिदिन	सप्ताह में 6 दिन	

3) समय-सारणी में महत्वपूर्ण परिवर्तन:

क. मेल/एक्सप्रेस

क्र. सं.	ट्रेन सं.	ट्रेन का नाम	वर्तमान समय-सूची	संशोधित समय-सूची
1.	13433	श्री एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु-मालदा टाउन-अमृत भारत एक्सप्रेस	मालदा टाउन आगमन: 11.00	मालदा टाउन आगमन: 09.15
2.	18620	गोड्डा-रांची एक्सप्रेस	गोड्डा प्रस्थान: 17.00	गोड्डा प्रस्थान: 16.05
3.	13125	कोलकाता-सायरंग एक्सप्रेस	कोलकाता प्रस्थान: 12.25 मालदा टाउन: 18.35/18.45	कोलकाता प्रस्थान: 10.45 मालदा टाउन: 16.50/17.00
4.	13403	रांची-भागलपुर वनांचल एक्सप्रेस	भागलपुर आगमन: 08.15	भागलपुर आगमन: 09.00
5.	15709	मालदा टाउन-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस	मालदा टाउन प्रस्थान: 16.50	मालदा टाउन प्रस्थान: 14.30
6.	19603	दौराई-गोड्डा एक्सप्रेस	गोड्डा आगमन: 22.20	गोड्डा आगमन: 22.00
7.	13177	सियालदह-जंगीपुर रोड एक्सप्रेस	जंगीपुर रोड आगमन: 12.05	जंगीपुर रोड आगमन: 11.55
8.	13015	हावड़ा-जमालपुर कविगुरु एक्सप्रेस	हावड़ा प्रस्थान: 11.05 जमालपुर आगमन: 21.35	हावड़ा प्रस्थान: 10.55 जमालपुर आगमन: 21.15
9.	15960	डिब्रुगढ़-हावड़ा कामरूप एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 21.50/22.00	मालदा टाउन: 22.00/22.10
10.	15962	डिब्रुगढ़-हावड़ा कामरूप एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 21.50/22.00	मालदा टाउन: 22.00/22.10
11.	18603	रांची-गोड्डा एक्सप्रेस	किऊल: 23.55/00.25	किऊल: 00.05/00.35
12.	18185	टाटानगर-गोड्डा एक्सप्रेस	किऊल: 23.55/00.25	किऊल: 00.05/00.35
13.	13190	बालूरघाट-सियालदह एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 21.30/21.40	मालदा टाउन: 21.40/21.50
14.	13030	मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस	हावड़ा आगमन: 03.35	हावड़ा आगमन: 03.25
15.	13034	कटिहार-हावड़ा एक्सप्रेस	हावड़ा आगमन: 02.50	हावड़ा आगमन: 02.40
16.	13180	सिउड़ी-सियालदह एमईएमयू एक्सप्रेस	सियालदह आगमन: 10.05	सियालदह आगमन: 09.57
17.	20501	अगरतला-आनंद विहार टर्मिनल राजधानी एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 15.00/15.10	मालदा टाउन: 15.10/15.20
18.	20507	सायरंग-आनंद विहार टर्मिनल राजधानी एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 15.00/15.10	मालदा टाउन: 15.10/15.20
19.	13334	पटना जंक्शन-दुमका एक्सप्रेस	दुमका आगमन: 13.30	दुमका आगमन: 13.25
20.	15620	कामाख्या-गया एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 20.05/20.15	मालदा टाउन: 20.10/20.20
21.	13160	जोगबनी-कोलकाता एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 20.05/20.15	मालदा टाउन: 20.10/20.20
22.	22504	डिब्रुगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 20.25/20.35	मालदा टाउन: 20.30/20.40
23.	12336	लोकमान्य तिलक टर्मिनस-भागलपुर एक्सप्रेस	भागलपुर आगमन: 18.00	भागलपुर आगमन: 17.55
24.	22947	सूरत-भागलपुर एक्सप्रेस	भागलपुर आगमन: 18.35	भागलपुर आगमन: 18.30
25.	15090	गोमतीनगर-गोड्डा एक्सप्रेस	गोड्डा आगमन: 11.20	गोड्डा आगमन: 11.15
26.	13415	मालदा टाउन-पटना जंक्शन एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 20.15	मालदा टाउन: 20.20
27.	13185	सियालदह-जयनगर गंगासागर एक्सप्रेस	सियालदह प्रस्थान: 17.45	सियालदह प्रस्थान: 17.50
28.	15959	हावड़ा-डिब्रुगढ़ कामरूप एक्सप्रेस	हावड़ा प्रस्थान: 18.30	हावड़ा प्रस्थान: 18.35
29.	15961	हावड़ा-डिब्रुगढ़ कामरूप एक्सप्रेस	हावड़ा प्रस्थान: 18.30	हावड़ा प्रस्थान: 18.35
30.	13005	हावड़ा-अमृतसर मेल	हावड़ा प्रस्थान: 19.15	हावड़ा प्रस्थान: 19.20
31.	12375	ताम्बरम-जसीडीह सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस	आसनसोल: 20.10/20.30	आसनसोल: 20.15/20.35
32.	13242	राजेन्द्र नगर टर्मिनल-बांका एक्सप्रेस	बांका आगमन: 06.40	बांका आगमन: 06.35
33.	13064	बालूरघाट-हावड़ा एक्सप्रेस	हावड़ा आगमन: 05.30	हावड़ा आगमन: 05.25
34.	12260	नई दिल्ली-सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस	सियालदह आगमन: 13.25	सियालदह आगमन: 13.30
35.	22202	पुरी-सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस	सियालदह आगमन: 04.05	सियालदह आगमन: 04.15
36.	12350	नई दिल्ली-गोड्डा हमसफर एक्सप्रेस	गोड्डा: 22.30	गोड्डा: 22.55
37.	13106	बलिया-सियालदह एक्सप्रेस	सियालदह आगमन: 02.05	सियालदह आगमन: 02.15
38.	13161	कोलकाता-बालूरघाट एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 18.50/19.00	मालदा टाउन: 18.55/19.05
39.	13466	मालदा टाउन-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस	मालदा टाउन प्रस्थान: 06.10	मालदा टाउन प्रस्थान: 06.05
40.	14050	दिल्ली-गोड्डा एक्सप्रेस	गोड्डा: 15.15	गोड्डा: 15.45
41.	13018	आजिमगंज-हावड़ा गणदेवता एक्सप्रेस	आजिमगंज प्रस्थान: 15.50 हावड़ा आगमन: 21.40	आजिमगंज प्रस्थान: 16.00 हावड़ा आगमन: 21.50
42.	13504	हटिया-बर्द्धमान एमईएमयू एक्सप्रेस	आसनसोल प्रस्थान: 18.30 बर्द्धमान आगमन: 20.35	आसनसोल प्रस्थान: 18.50 बर्द्धमान आगमन: 21.00
43.	15733	बालूरघाट-बठिण्डा फरक्का एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 19.25/19.35	मालदा टाउन: 19.20/19.30
44.	15743	बालूरघाट-बठिण्डा फरक्का एक्सप्रेस	मालदा टाउन: 19.25/19.35	मालदा टाउन: 19.20/19.30

ख. पैसेंजर:

क्र. सं.	ट्रेन सं.	ट्रेन का नाम	वर्तमान समय-सूची		संशोधित समय-सूची	
			यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त	यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त
1	33832	बनगाँव-सियालदह ईएमयू	11.30	13.58	11.35	13.30
2	33531	सियालदह-हासनाबाद ईएमयू	19.30	21.48	19.24	21.23
3	31922	गेदे-सियलादह ईएमयू	14.02	16.58	14.10	16.50
4	64322	साहिबगंज-आजिमगंज एमईएमयू पैसेंजर	14.25	18.40	14.40	18.40
5	33439	सियालदह-बारासात ईएमयू	10.58	11.43	13.20	14.05
6	33521	सियालदह-हासनाबाद ईएमयू	11.07	13.10	10.58	13.10
7	33368	बनगाँव-दमदम कैण्टोंमेंट ईएमयू	07.41	09.16	07.15	08.54
8	33369	बारासात-बनगाँव ईएमयू	06.20	07.30	05.55	07.05
9	33422	मध्यमग्राम-सियालदह ईएमयू	08.52	09.35	08.37	09.20
10	73492	गोड्डा-दुमका डीईएमयू पैसेंजर	16.10	18.05	16.40	18.50
11	73483	दुमका-जसीडीह डीईएमयू पैसेंजर	18.30	19.55	19.15	20.40
12	63423	जमालपुर-किऊल एमईएमयू पैसेंजर	11.55	13.20	12.25	13.50
13	63063	बर्द्धमान-तीनपहाड़ (साहिबगंज) एमईएमयू पैसेंजर	06.20	11.30	06.05	12.35
14	73445	हंसडीहा-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	22.25	00.50	22.50	01.05
15	73446	भागलपुर-हंसडीहा डीईएमयू पैसेंजर	19.58	22.10	20.30	22.40
16	73491	दुमका-गोड्डा डीईएमयू पैसेंजर	13.35	15.45	14.25	16.02
17	73494	गोड्डा-दुमका डीईएमयू पैसेंजर	21.05	22.55	20.45	22.40
18	53403	रामपुरहाट-गया पैसेंजर	09.05	18.00/18.05	07.45	18.00/18.05
19	73444	भागलपुर-हंसडीहा डीईएमयू पैसेंजर	13.17	16.20	13.30	16.20
20	35042	अहमदपुर-कटवा ईएमयू	17.30	18.55	17.20	18.55
21	73429	भागलपुर-जमालपुर डीईएमयू पैसेंजर	12.58	15.40	13.05	15.40
22	34733	लक्ष्मीकांतपुर-सियालदह ईएमयू	11.30	13.17	11.35	13.15
23	34133	कोमागाता मारु बजबज-सियालदह ईएमयू	12.28	13.32	12.35	13.32
24	33851	सियालदह-बनगाँव ईएमयू	19.24	21.24	19.30	21.24
25	63422	साहिबगंज-आजिमगंज एमईएमयू पैसेंजर	14.25	18.40	14.40	18.50
26	34533	कैनिंग-सियालदह ईएमयू	13.10	14.40	13.15	14.40
27	34839	डॉयमण्ड हार्बर-सियालदह ईएमयू	14.00	16.00	14.05	16.00
28	63431	साहिबगंज-जमालपुर एमईएमयू पैसेंजर	07.10	11.45	07.20	11.50
29	53416	जमालपुर-साहिबगंज पैसेजर	07.00	11.05	07.05	11.05
30	35041	कटवा-अहमदपुर ईएमयू	15.50	17.15	15.50	17.10
31	53496	राजमहल-तीनपहाड़ पैसेंजर	22.20	22.45	22.15	22.40
32	63075	रामपुरहाट-बरहड़वा एमईएमयू पैसेंजर	23.10	01.00	23.40	01.25
33	53444	देवघर-गोड्डा पैसेंजर	10.45	12.40	10.40	12.30
34	37922	कटवा-हावड़ा ईएमयू	10.36	14.10	10.50	14.20
35	31526	शांतिपुर-सियालदह ईएमयू	13.12	15.32	13.15	15.32
36	33811	सियालदह-बनगाँव ईएमयू	05.02	03.15	04.57	03.10
37	53092	आजिगंज-कृष्णनगर सिटी जंक्शन पैसेंजर	16.10	18.30	16.00	18.20
38	34357	कैनिंग-सोनारपुर ईएमयू	16.45	17.27	16.55	17.37
39	63057	काशिमबाजार-आजिमगंज एमईएमयू	22.03	22.22	22.10	22.29
40	34714	सियालदह-लक्ष्मीकांतपुर ईएमयू	04.30	06.00	04.50	06.20
41	34935	नामखाना-लक्ष्मीकांतपुर ईएमयू	03.15	04.06	03.10	04.01
42	34745	लक्ष्मीकांतपुर-सियालदह ईएमयू	18.10	19.44	18.05	19.40
43	34638	सियालदह-बारुईपुर ईएमयू	16.18	17.02	16.15	16.59
44	30416	सियालदह-बीबीडी बाग ईएमयू	17.08	17.58	17.20	18.10
45	30331	माझेरहाट-हाबरा ईएमयू	17.48	19.42	17.35	19.38
46	34413	सोनारपुर-सियालदह ईएमयू	07.20	07.54	07.26	08.00
47	34427	सोनारपुर-सियालदह ईएमयू	17.43	18.18	17.39	18.14
48	34432	सियालदह-सोनारपर ईएमयू	17.20	17.48	17.14	17.42
49	33532	हासनाबाद-सियालदह ईएमयू	16.56	18.59	17.08	19.13
50	37742	कटवा-बैण्डेल ईएमयू	04.22	06.35	04.16	06.30
51	37744	कटवा-बैण्डेल ईएमयू	08.50	11.00	08.55	11.05
52	33366	बनगाँव-बारासात ईएमयू	22.10	23.20	22.22	23.31
53	33534	हासनाबाद-सियालदह ईएमयू	17.53	19.57	17.26	19.35
54	73443	हंसडीहा-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	16.30	18.55	16.35	19.00
55	73402	भागलपुर-गोड्डा डीईएमयू पैसेंजर	11.05	14.08	11.00	14.03
56	34854	सियालदह-डॉयमण्ड हार्बर ईएमयू	21.10	22.49	21.00	22.39
57	34748	सियालदह-लक्ष्मीकांतपुर ईएमयू	21.00	22.38	21.10	22.48
58	34517	कैनिंग-सियालदह ईएमयू	06.00	07.17	05.49	07.08
59	34817	डॉयमण्ड हार्बर-सियालदह ईएमयू	05.30	07.08	05.41	07.17
60	31927	सियालदह-गेदे ईएमयू	20.32	23.20	20.45	23.33
61	31537	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	20.45	23.03	20.32	22.50
62	31516	शांतिपुर-सियालदह ईएमयू	05.42	08.00	05.55	08.13
63	31914	गेदे-सियालदह ईएमयू	05.02	07.50	05.10	07.50
64	31614	रानाघाट-सियालदह ईएमयू	06.05	07.50	05.55	07.37
65	34791	सियालदह-नामखाना ईएमयू	04.12	06.50	04.07	06.50
66	34914	लक्ष्मीकांतपुर-नामखाना ईएमयू	04.12	05.10	04.07	05.03
67	34937	नामखाना-काकद्वीप ईएमयू	04.39	04.50	04.35	04.46
68	34981	काकद्वीप-लक्ष्मीकांतपुर ईएमयू	05.00	05.42	04.50	05.32
69	34882	सोनारपुर-डॉयमण्ड हार्बर ईएमयू	04.50	05.55	04.40	05.45
70	33436	बारासात-सियालदह ईएमयू	10.40	11.27	10.45	11.32
71	63103	सियालदह-लालागोला एमईएमयू पैसेंजर	19.20	23.55	19.15	23.55
72	31533	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	18.50	21.10	18.55	21.15
73	33802	बनगाँव-सियालदह ईएमयू	07.15	09.15	07.05	09.10
74	33401	सियालदह-बारासात ईएमयू	18.14	18.58	18.30	19.14
75	33891	दमदम कैण्टोंमेंट-बनगाँव ईएमयू	18.26	20.08	18.37	20.19
76	33370	बनगाँव-बारासात ईएमयू	20.20	21.26	20.30	21.45
77	33854	बनगाँव-सियालदह ईएमयू	20.40	22.40	20.52	22.49
78	33714	बनगाँव-रानाघाट ईएमयू	06.12	06.55	06.05	06.43
79	33713	रानाघाट-बनगाँव ईएमयू	06.15	07.01	06.00	06.51
80	33716	बनगाँव-रानाघाट ईएमयू	07.20	08.05	07.07	08.05
81	34538	सियालदह-कैनिंग ईएमयू	17.14	18.30	17.08	18.24
82	53011	कटवा-आजिमगंज पैसेंजर	13.55	15.40	13.45	15.30
83	53055	कटवा-अहमदपुर पैसेंजर	08.20	09.55	08.40	10.15
84	63531	अंडाल-सैंथिया एमईएमयू पैसेंजर	08.25	10.05	08.20	10.10
85	63534	सैंथिया-अंडाल एमईएमयू पैसेंजर	10.40	12.20	10.30	12.20
86	63536	सैंथिया-अंडाल एमईएमयू पैसेंजर	16.25	18.05	16.20	18.10
87	63508	आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	05.45	07.50	05.40	07.50
88	63512	आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	06.20	08.35	06.15	08.35
89	53443	गोड्डा-देवघर पैसेंजर	13.15	15.05	13.00	15.00
90	63545	अंडाल-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	06.30	10.20	06.20	10.15
91	63547	जसीडीह-बांका एमईएमयू पैसेंजर	10.30	12.05	10.25	12.05
92	63505	बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू पैसेंजर	03.55	06.00	03.40	05.40
93	63510	झाझा-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	16.55	19.05	16.50	19.05
94	63516	आसनसोल-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर	10.20	12.30	10.15	12.35
95	63565	जसीडीह-झाझा एमईएमयू पैसेंजर	10.05	11.10	10.00	11.05
96	63573	जसीडीह-किऊल एमईएमयू पैसेंजर	11.05	12.15	10.55	12.15
97	63566	झाझा-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	11.30	12.30	11.25	12.25
98	53404	गया-जमालपुर पैसेंजर	11.05/10	12.30	10.50/55	12.25
99	73411	गोड्डा-हंसडीहा डीईएमयू पैसेंजर	17.20	18.00	17.15	18.00
100	73430	जमालपुर-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	10.50	12.25	11.30	13.05
101	73441	हंसडीहा-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	10.28	12.43	10.20	12.43
102	73448	भागलपुर-बांका डीईएमयू पैसेंजर	17.05	18.50	17.02	18.55
103	73449	बांका-भागलपुर डीईएमयू पैसेंजर	10.20	12.10	10.15	12.10
104	63142	गोड्डा-सियालदह एमईएमयू पैसेंजर	09.50	18.35	09.45	18.35
105	63151	जसीडीह-बैद्यनाथ धाम एमईएमयू पैसेंजर	05:20	05:40	05:25	05:45
106	63155	जसीडीह-बैद्यनाथ धाम एमईएमयू पैसेंजर	10:00	10:20	09:55	10:15
107	63157	जसीडीह-बैद्यनाथ धाम एमईएमयू पैसेंजर	12:35	12:55	12:30	12:50
108	63154	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	09:30	09:50	09:20	09:40
109	63156	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	10:35	10:55	10:30	10:50
110	63158	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	13:30	13:50	13:10	13:30
111	63162	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	16:55	17:15	17:00	17:20
112	63164	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	18:40	19:00	18:35	18:55
113	63168	बैद्यनाथ धाम-जसीडीह एमईएमयू पैसेंजर	23:30	23:50	23:25	23:45
114	31819	सियालदह-कृष्णनगर सिटी जं. गैलपिंग ईएमयू	07.53	10.10	07.52	10.10
115	31415	सियालदह-नैहाटी ईएमयू	07.52	08.55	07.57	08.57
116	31617	सियालदह-रानाघाट ईएमयू	08.00	09.48	08.07	09.54
117	31531	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	17.52	20.00	17.50	20.00
118	31417	सियालदह-नैहाटी ईएमयू	09.34	10.34	09.39	10.39
119	31229	सियालदह-बैरकपुर ईएमयू	09.40	10.18	09.44	10.22
120	31411	सियालदह-नैहाटी गैलपिंग ईएमयू	04.40	05.40	04.35	05.30
121	31511	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	04.35	06.55	04.40	06.55
122	33517	सियालदह-हासनाबाद ईएमयू	08.22	10.25	08.20	10.25
123	31228	बैरकपुर-सियालदह ईएमयू	10.30	11.12	10.36	11.20
124	33533	सियालदह-हासनाबाद ईएमयू	22.15	00.24	22.20	00.24
125	32413	सियालदह-बारुईपाड़ा ईएमयू	20.42	21.50	20.40	22.00
126	31111	सियालदह-कटवा ईएमयू	08.06	11.40	08.05	11.40
127	33863	सियालदह-बनगाँव ईएमयू	23.50	01.45	23.58	01.53
128	63111	सियालदह-रानाघाट ईएमयू	23.50	01.38	23.58	01.46
129	32233	सियालदह-डानकुनी ईएमयू	12.14	12.57	12.13	12.58
130	34155	कोमागाता मारु बजबज-सियालदह ईएमयू	20.15	21.08	20.20	21.17
131	33833	सियालदह-बनगाँव ईएमयू	13.53	15.48	14.05	16.00
132	33895	सियालदह-ठाकुरनगर ईएमयू	15.34	17.02	15.52	17.20
133	33316	हासनाबाद-बारासात ईएमयू	19.41	20.58	19.30	20.45

अगले पृष्ठ पर जारी

संक्षिप्त समाचार

रांची में जरूरतमंदों के बीच कंबल और गर्म कपड़ों का वितरण

रांची। राजधानी रांची में जारी कड़ाके की ठंड के बीच बिरसा चौक–हटिया स्टेशन रोड स्थित स्थानीय होटल द पार्क रिट्रीट और पूजा रेस्टोरेंट के संयुक्त सौजन्य से शनिवार को जरूरतमंदों के बीच कंबल और अन्य गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। इस पहल से ठंड से जूझ रहे गरीब, वृद्ध और बच्चों को काफी राहत मिली है। इस अवसर पर कार्यक्रम के संचालक रामाशंकर प्रसाद ने बताया कि हर वर्ष दिसंबर माह में ठंड के मौसम के दौरान अपनी माता अशर्फी देवी की स्मृति में जरूरतमंद वृद्ध महिला-पुरुषों और बच्चों के बीच कंबल सहित अन्य गर्म कपड़ों का वितरण किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल और गर्म कपड़े वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान समाजसेविका आशा देवी ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा मानव धर्म है। जरूरतमंदों की सहायता करने से आत्मिक संतुष्टि मिलती है और समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। इस सेवा कार्य में ऋतु देवी, वीर नारायण प्रसाद, खुशबू जायसवाल, पूजा कुमारी, शान्या कुमारी, आदित्य कलवार, अभिषेक कलवार, अंकित कलवार, रेशमा देवी सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे और वितरण कार्य में सहयोग किया।

चाईबासा–सेरेंगसिया मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, दो युवकों की मौके पर मौत

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, यह हादसा चाईबासा–सेरेंगसिया मुख्य सड़क पर सिंहपोखरिया रेलवे स्टेशन के समीप उस वक्त हुआ, जब शुक्रवार शाम मोटरसाइकिल और स्कूटी के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही दोनों ने दम तोड़ दिया। मृतकों में से एक की पहचान बिंगतोपांग गांव निवासी 20 वर्षीय शिवा बिरूली के रूप में हुई है। वहीं, दूसरे युवक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। पुलिस के मुताबिक, अज्ञात युवक की उम्र लगभग 22 वर्ष बताई जा रही है। इससे पहले दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। शनिवार सुबह दोनों मृतकों के शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर चाईबासा सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अज्ञात मृतक की पहचान कराने के प्रयास में जुटी हुई है और आसपास के थाना क्षेत्रों में भी इसकी सूचना दी गई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। इस हृदयविदारक घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था और तेज गति से चलने वाले वाहनों पर नियंत्रण को लेकर चिंता जताई है।

सोनारी में दो बाइक की टक्कर, एक की मौत

पूर्वी सिंहभूम। सोनारी थाना क्षेत्र के आशियाना गार्डन के पास शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार में आ रही दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान जाहिर कॉलोनी निवासी अंशु ठाकुर के रूप में हुई है, जो जोमैटो में डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करता था और हादसे के समय डिलीवरी के लिए निकला हुआ था। टक्कर के बाद अंशु सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया और काफी देर तक तड़पता रहा। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि हादसे के बाद आसपास कई लोग मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की पहल नहीं की। परिजनों का आरोप है कि कई लोग मदद करने के बजाय मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। उनका कहना है कि अगर समय पर सहायता मिल जाती तो शायद अंशु की जान बच सकती थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के रांची दौरे को लेकर तीन दिन बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

एजेंसी। रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 28 से 30 दिसंबर तक प्रस्तावित रांची दौरे को लेकर शहर की यातायात व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए गए हैं। राष्ट्रपति के कार्यक्रमों को देखते हुए सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई प्रमुख मार्गों पर मालवाहक और सवारी वाहनों के प्रवेश व परिचालन पर अस्थायी रोक लगाई गई है। हालांकि, एंबुलेंस, दमकल और अन्य इमरजेंसी सेवाओं से जुड़े वाहनों को इस प्रतिबंध से पूरी तरह छूट दी गई है। रांची के यातायात पुलिस अधीक्षक (ट्रैफिक एसपी) राकेश सिंह ने शनिवार को इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार तीन दिनों तक अलग-अलग समय पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे।

28 दिसंबर को यातायात व्यवस्था–

आदेश के अनुसार, 28 दिसंबर को शाम चार बजे से रात 8.30 बजे तक शहर में सभी छोटे-बड़े मालवाहक वाहनों, बसों और सवारी वाहनों का प्रवेश और परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान भारी मालवाहक वाहन रिंग रोड का उपयोग करते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। नो एंट्री का समय पहले की तरह प्रभावी रहेगा। रातू और काठीटांड की ओर जाने वाले सभी वाहन कांके रिंग रोड के रास्ते अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। इसके अलावा हिनू चौक, बिरसा चौक, एचईसी गेट, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, किशोरगंज चौक, न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक, राम

मंदिर चौक, एटीआई मोड़, रणधीर वर्मा चौक, एसएसपी आवास और लोक भवन मार्ग पर दोपहर दो बजे से रात 8.30 बजे तक सभी प्रकार के मालवाहक वाहनों, ऑटो, टोटो और सवारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर अन्य मार्गों को भी अस्थायी रूप से डायवर्ट किया जा सकता है।

29 दिसंबर को यातायात व्यवस्था–

रांची में 29 दिसंबर को सुबह सात बजे से दिन के 11 बजे तक और शाम चार बजे से रात 8.30 बजे तक सभी छोटे-बड़े मालवाहक वाहनों, बसों और सवारी वाहनों का प्रवेश व परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। रातू और काठीटांड की ओर जाने वाले वाहन कांके रिंग रोड से होकर जाएंगे। हिनू चौक, बिरसा चौक, एचईसी गेट, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, किशोरगंज चौक, न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक, राम मंदिर चौक, एटीआई मोड़, रणधीर वर्मा चौक, एसएसपी आवास और लोक भवन मार्ग पर निर्धारित समय में सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। इसके अलावा नया सराय रिंग रोड से रामपुर चौक रिंग रोड तक बड़े वाहनों, बसों और सवारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जमशेदपुर और बुंडू की ओर से आने वाले सभी वाहन रिंग रोड से दाहिने मुड़कर टाटीसिल्वे होते हुए शहर में प्रवेश करेंगे, जबकि रांची से जमशेदपुर जाने वाले वाहन दुर्गा सोरेन चौक से दाहिने मुड़कर टाटीसिल्वे होते हुए रिंग रोड के रास्ते जाएंगे। खरसीदाग ओपी से सदाबहार चौक के बीच भी बड़े वाहनों और बसों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

30 दिसंबर को यातायात व्यवस्था–

30 दिसंबर की बात करें, तो उस दिन सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक शहर में सभी छोटे-बड़े मालवाहक वाहनों, बसों और सवारी वाहनों का प्रवेश और परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान भारी मालवाहक वाहन रिंग रोड से होकर परिचालन कर सकेंगे। हिनू चौक, बिरसा चौक, एचईसी गेट, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, किशोरगंज चौक, न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक, राम मंदिर चौक, एटीआई मोड़, रणधीर वर्मा चौक, एसएसपी आवास और लोक भवन मार्ग पर सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से बंद रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले निर्धारित रूट और समय की जानकारी अवश्य ले लें तथा प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन कर सहयोग करें।

शीतलहर से कड़ाके की ठंड के गिरफ्त में झारखंड, कई जिलों में गिरा तापमान

एजेंसी। रांची

शीतलहर चलने से पूरा झारखंड इन दिनों कड़ाके के ठंड की गिरफ्त में है। राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान तीन से पांच डिग्री तक पहुंच गया है। शनिवार को गुमला में न्यूनतम तापमान 3.6, खूंटी में 4.7 और सरायकेला में न्यूनतम तापमान 7 पॉइंट 7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि फिलहाल पूरे झारखंड में शीतलहर जारी रहेगी। इससे राज्य भर में कड़ाके की ठंड पड़ती रहेगी। इधर, शनिवार को रांची और राज्य के पश्चिमी जिलों (गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार) में दिनभर मौसम साफ रहा, लेकिन शीतलहर के कारण भारी कनकनी महसूस हुई। इस वजह से लोग अपनी छत पर और खुली जगहों पर धूप तापते दिखे। वहीं, शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 20.6 और न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री, डाल्टनगंज में 23.8 और 5.5 डिग्री, बोकारो में 21.1 और 8.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 27.4 और न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

निंदक की बातें सुनकर अपने आप में लाना चाहिए सुधार : डॉ निर्मलानंद

एजेंसी। खूंटी

महर्षि मेंही आश्रम मलियादा, मुरहू में दो दिवसीय विशेष सत्संग में शनिवार को प्रवचन के दौरान भागलपुर आश्रम के स्वामी डॉ निर्मलानंद जी महाराज ने कहा कि संतों का ह्रदय मक्खन की तरह होता है, तुरंत दूसरों का दुःख देखकर पिघल जाता है। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण परमहंस कहते थे कि निंदक की बातें सुनकर अपने आप में सुधार लाना चाहिए। सत्संग लोगों को जोड़ने का काम करता है,आपस में प्रेम बढ़ाता है। इससे कौआ जैसा कर्कश वाणी वाला मनुष्य भी कोयल सा मधुर बोलने लगता है। बगुला सत्संग के प्रभाव से हंस बन जाता है। वहीं स्वामी लक्ष्मण महाराज ने कहा कि पुण्य और परमात्मा की कृपा के बिना सत्संग नहीं मिलता। सत्संग के बिना विवेक यानी सही ज्ञान नहीं प्राप्त हो सकता है। उन्होंने स्वामी बालकृष्ण जी महाराज, स्वामी श्याम बाबा, स्वामी अखिलेश, लाहिरी बाबा, मुरलीधर बाबा, दिगंबर बाबा सहित अन्य संतों और सत्संग की महिमा बताई। मौके पर डॉ डीएन तिवारी, संजय सत्संगी, बिरसा ब्रह्मचारी,मूचीराय मुंडा, कांडे मुंडा, रामहरि साव, हरि मुंडा, मुटरु मुंडा,धर्मराज कुमार, हरिद्वार ठाकुर,देवमन पूर्ति, अमर सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

टाटानगर से जुड़ी रेल सेवाओं में बड़ा बदलाव, कई मेमू और एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

टाटानगर रेलवे प्रशासन की ओर से शनिवार को जारी सूचना के अनुसार आगामी दिनों में कोचिंग ट्रेनों के परिचालन में व्यापक बदलाव किए गए हैं। इस दौरान टाटानगर रेलखंड से होकर गुजरने वाली कई मेमू यात्री और एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से समाप्त अथवा प्रारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही कई ट्रेनों को निर्धारित समय से विलंब से चलाया जाएगा। इन परिवर्तनों का सीधा असर टाटानगर सहित आद्रा, आसनसोल, धनबाद और आसपास के रेलखंडों के यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे के अनुसार 30 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 के बीच आद्रा–आसनसोल, आद्रा–बड़बिल, आद्रा–वाया वर्धमान, आद्रा–आसनसोल तथा भुल्ला–चंद्रपुर रेलखंडों की कई मेमू यात्री ट्रेनें विभिन्न तिथियों में पूरी तरह रद्द रहेंगी। इससे दैनिक यात्रियों को विशेष असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। टाटानगर से सीधे जुड़ी सेवाओं में भी अहम

बदलाव किए गए हैं। टाटा–आसनसोल–बड़बिल मेमू और आसनसोल–टाटानगर मेमू ट्रेनों को कुछ तिथियों में आद्रा स्टेशन पर ही समाप्त और वहीं से प्रारंभ किया जाएगा। इसके कारण आद्रा से आसनसोल और आद्रा से टाटानगर के बीच रेल सेवा रद्द रहेगी। इसी प्रकार आसनसोल–पुरुलिया मेमू यात्री ट्रेन भी निर्धारित तिथियों में आद्रा तक ही सीमित रहेगी। इसके अलावा जमशेदपुर–धनबाद–जमशेदपुर एक्सप्रेस ट्रेन को 29 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 के बीच बोकारो स्टील सिटी स्टेशन तक ही चलाया जाएगा। बोकारो स्टील सिटी से धनबाद के बीच इस ट्रेन का परिचालन रद्द रहेगा। वहीं बर्धमान–हटिया मेमू एक्सप्रेस ट्रेन को गोमो स्टेशन तक सीमित रखा जाएगा, जिससे हटिया और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी प्रभावित होगी। कुछ ट्रेनों के समय में भी बदलाव किया गया है। 30 दिसंबर 2025 को हटिया–खड़गपुर एक्सप्रेस ट्रेन को हटिया स्टेशन से 120 मिनट की देरी से रवाना किया जाएगा। 4 जनवरी 2026 को बक्सर–टाटानगर एक्सप्रेस ट्रेन बक्सर स्टेशन से 60 मिनट विलंब से चलेगी। इसी तरह 29 दिसंबर 2025 और 3 जनवरी 2026 को धनबाद–बोकारो मेमू ट्रेन 60 मिनट देरी से प्रस्थान करेगी। 4 जनवरी 2026 को खड़गपुर–हटिया एक्सप्रेस ट्रेन 150 मिनट की देरी से चलेगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पूर्व ट्रेनों की अद्यतन स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। विशेष रूप से टाटानगर से यात्रा करने वाले यात्रियों को बदले हुए समय-सारिणी और रद्द ट्रेनों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है।

पिछले पृष्ठ का शेषांश

क्र. सं.	ट्रेन सं.	ट्रेन का नाम	वर्तमान समय-सूची		संशोधित समय-सूची	
			यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त	यात्रा शुरू	यात्रा समाप्त
134	33319	बारासात-हासनाबाद ईएमयू	18.10	19.32	17.59	19.20
135	63521	बर्द्धमान-आसनसोल एमईएमयू पैसेंजर	15.57	17.55	15.30	17.45
136	63519	बर्द्धमान-बोकारो स्टील सिटी एमईएमयू पैसेंजर	15.30	17.45/18.00	15.57	18.15/18.25
137	63543	आसनसोल-एनएससी बोस जं. गोमो एमईएमयू पैसेंजर	18.10	19.12/19.13	18.00	19.12/19.13
138	32414	बारुईपाड़ा-सियालदह ईएमयू	22.48	23.50	22.35	23.40
139	33320	हासनाबाद-बारासात ईएमयू	22.24	23.40	22.14	23.30
140	36817	हावड़ा-चंदनपुर ईएमयू	07.08	09.12	07.15	09.30
141	36841	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	18.35	20.45	18.30	20.45
142	36845	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	19.45	21.54	19.40	21.50
143	36849	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	21.00	23.05	21.10	23.25
144	36827	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	12.05	14.13	12.00	14.10
145	36829	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया कॉर्ड	13.27	15.40	13.20	15.40
146	36088	मसाग्राम-हावड़ा ईएमयू	22.06	23.40	21.42	23.30
147	37232	बैण्डेल-हावड़ा ईएमयू	08.52	09.55	08.48	09.55
148	37612	पांडुआ-हावड़ा ईएमयू	08.55	10.15	09.00	10.22
149	37214	बैण्डेल-हावड़ा ईएमयू	03.50	04.50	03.30	04.35
150	37213	हावड़ा-बैण्डेल ईएमयू	05.14	06.15	05.05	06.08
151	37359	हावड़ा-आरामबाग-गोघाट ईएमयू	05.19	07.40	05.10	08.00
152	37815	हावड़ा-बर्द्धमान ईएमयू वाया मेन	05.25	07.37	05.15	07.37
153	37911	हावड़ा-कटवा ईएमयू	05.30	08.35	05.22	08.30
154	37353	हावड़ा-तारकेश्वर ईएमयू	05.35	07.13	05.30	07.10
155	37311	हावड़ा-तारकेश्वर ईएमयू	05.55	07.25	05.48	07.25
156	37340	तारकेश्वर-हावड़ा ईएमयू	16.21	17.46	16.32	18.07
157	37532	बैण्डेल-नैहाटी ईएमयू	09.12	09.32	09.08	09.30
158	37263	हावड़ा-बैण्डेल ईएमयू	17.47	18.46	17.47	18.56
159	37747	बैण्डेल-कटवा ईएमयू	08.10	10.20	08.15	10.29
160	32212	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	05.03	05.45	05.00	05.45
161	32218	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	07.02	07.46	07.00	07.46
162	32220	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	07.45	08.32	07.42	08.32
163	32222	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	08.43	09.28	08.40	09.28
164	32226	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	09.50	10.35	09.47	10.35
165	32230	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	11.21	12.06	11.18	12.06
166	32232	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	11.54	12.42	11.51	12.42
167	32234	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	13.10	14.05	13.07	14.00
168	32236	डानकुनी-सियालदह ईएमयू	14.20	15.05	14.17	15.05
169	03037 (63043)	कटवा-अहमदपुर एमईएमयू पैसेंजर	06.35	08.00	07.05	08.25
170	37546	बैण्डेल-नैहाटी ईएमयू	16.50	17.10	16.45	17.05
171	73420	भागलपुर-साहिबगंज डीईएमयू पैसेंजर	11.10	13.10	10.55	12.55
172	31519	सियालदह-शांतिपुर ईएमयू	10.32	12.50	13.40	12.56
173	37916	कटवा-हावड़ा ईएमयू	06.20	09.25	06.15	09.25
174	63023	आजीमगंज-रामपुरहाट एमईएमयू	06.00	07.40	06.15	08.10
175	63008	रामपुरहाट-कटवा एमईएमयू पैसेंजर	08.55	12.34	08.30	12.25
176	35014	कटवा-बर्धमान ईएमयू	07.25	08.45	07.20	08.45
177	37308	हरिपाल-हावड़ा ईएमयू	08.28	09.42	08.25	09.40
178	53015	कटवा-आजीमगंज पैसेंजर	17.10	18.55	17.25	19.10
179	63013	कटवा-आजीमगंज एमईएमयू पैसेंजर	15.50	17.35	16.05	17.50
180	37385	तारकेश्वर-आरामबाग-गोघाट ईएमयू	03.57	04.35	03.40	04.32
181	63069	बर्द्धमान-रामपुरहाट एमईएमयू पैसेंजर	20.45	23.00	20.52	23.25
182	37818	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	05.42	08.08	05.40	08.12
183	37820	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	06.18	08.36	06.10	08.31
184	37782	बर्द्धमान-बैण्डेल ईएमयू	06.45	08.00	06.55	08.12
185	37824	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	07.00	09.15	07.15	09.40
186	37828	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	08.22	10.38	08.20	10.40
187	37830	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	08.46	11.05	08.50	11.10
188	37832	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	09.57	12.40	09.55	12.40
189	31152	बर्द्धमान-सियालदह ईएमयू	14.45	17.40	14.40	17.40
190	37840	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	15.05	17.25	15.10	17.37
191	37784	बर्द्धमान-बैण्डेल ईएमयू	21.00	22.20	21.10	22.30
192	36814	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	03.58	06.10	03.55	06.10
193	36816	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	05.04	07.10	04.55	07.10
194	36818	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	05.40	07.45	05.30	07.45
195	36820	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	06.05	08.15	06.00	08.10
196	36822	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	06.48	08.57	06.40	08.55
197	36824	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	07.22	09.25	07.05	09.10
198	36826	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	07.32	09.35	07.30	09.35
199	37822	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	06.40	08.35	06.35	08.30
200	37852	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया मेन	19.55	22.15	19.50	22.10
201	36854	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	20.07	22.10	20.00	22.05
202	36856	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	20.20	22.25	20.30	22.35
203	36858	बर्द्धमान-हावड़ा ईएमयू वाया कॉर्ड	20.43	22.45	21.00	23.10
204	37914	कटवा-हावड़ा ईएमयू	05.40	08.48	05.35	08.45
205	37918	कटवा-हावड़ा ईएमयू	07.00	10.20	06.55	10.10

मेल/एक्सप्रेस, पैसेंजर ट्रेनों और उपनगरीय ट्रेनों की समय सारणी में परिवर्तन किया गया है और इसे एनटीईएस पर अपडेट किया जा रहा है, जो **दिनांक 01.01.2026** से प्रभावी होगा। अन्य ट्रेनों (मेल/एक्सप्रेस, पैसेंजर ट्रेनों और उपनगरीय ट्रेनों) की समय-सूची में छोटे-मोटे परिवर्तन भी एनटीईएस पर दिखेंगे, जो **दिनांक 01.01.2026** से प्रभावी होंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

फ्री में सीखने के लिए बेस्ट हो सकते हैं ये ऑनलाइन टीचिंग कोर्सेज

अगर आप स्नातक या परास्नातक डिग्री ले चुके हैं और शिक्षक बनना चाहते हैं, तो निःशुल्क ऑनलाइन टीचिंग कोर्स के लिए यहां से आइडिया ले सकते हैं। टीचर बनने की चाहत रखने वाले कैंडिडेट के लिए ये सबसे बढ़िया विकल्प साबित हो सकते हैं।

अपनी डिग्री के साथ-साथ अतिरिक्त स्किल प्राप्त करने से आपको अच्छी नौकरी पाने में मदद मिल सकती है। साथ ही, आप अपने ज्ञान से औरों को भी पढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं। खास बात ये है किआप दुनिया के किसी भी कोने में रहकर इन ऑनलाइन कोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। इसके लिए आपको एक पूर्णता प्रमाणपत्र भी प्रदान की जाएगी। आपको बता दें कि ये पाठ्यक्रम बिल्कुल निःशुल्क हैं। इसे आप ट्राई कर सकते हैं।

ऑनलाइन टीचिंग के बेहतरीन विकल्प

अगर आप पहले से ही शिक्षक हैं या शिक्षक बनना चाहते हैं और इसके लिए अपने कौशल को बढ़ाना की चाहत रखते हैं, तो आप नीचे बताए गए कुछ निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रम का सहारा ले सकते हैं। निःशुल्क वर्चुअल वेबिनार के साथ अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने के लिए खास ऑनलाइन सेशन है। इसमें लाइव उपस्थित रह कर कोर्स करने वाले कैंडिडेट को एक प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। 90 मिनट के सत्र वाली इस क्लास में आपको प्रबंधन और बेहतर छात्र मूल्यांकन के लिए अच्छी शिक्षा दी जाएगी। इसके अलावा, पढ़ने के लिए सिलेबस, नोट्स, बुलेटिन बोर्ड और शिक्षकों के लिए कई सुझाव मुफ्त में उपलब्ध होंगे। यहां से आपको अच्छा प्रशिक्षण मिल सकता है।

ओपन यूनिवर्सिटी, एक निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षा मंच है, जो शिक्षकों के लिए 4-20 घंटे का कोर्स प्रदान करता है। खास बात यह है कि यह पूरी तरह से निःशुल्क नामांकन करता है। साथ ही, कोर्स पूरा होने के बाद एक डिजिटल प्रमाणपत्र भी दिया जाता है। इस कोर्स के जरिए भूगोल पढ़ाने जैसे विशेष विषयों से लेकर शैक्षिक नेतृत्व जैसे व्यापक कैरियर सेंट्रिक मुद्दों तक के लिए विभिन्न विकल्प दिए गए हैं।

MIT

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का ओपन कोर्सवेयर प्रोग्राम मुफ्त ऑनलाइन ग्रेजुएट कोर्स की सुविधा भी देता है। यह शिक्षकों और आजीवन शिक्षार्थियों को टॉप लेवल की विश्वविद्यालय शिक्षा का लाभ उठाने का एक अनोखा अवसर प्रदान करता है। इसके तहत कोर्स पूरा करने के लिए स्टडी मटेरियल भी दिया जाता है, जिसे आप ब्राउज करके डाउनलोड कर सकते हैं। इसके माध्यम से वीडियो में एक्सप्लेनर भी देख सकते हैं। इसके अलावा, आप छात्रों के पहले से आरक्षित सामग्री से से भी जुड़ सकते हैं। इससे सीखने के लिए बहुत कुछ मिलता है। साथ ही, आपको टीचिंग के लिए अनुभव भी मिल सकता है।

edX

इंट्रिडक्शन से लेकर एडवांस लेवल तक के पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत सीरिज दी गई है, जिसमें आलोचनात्मक सोच और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों को भी शामिल किया गया है। हार्वर्ड और एमआईटी की संयुक्त पहल के रूप में, यह प्लेटफॉर्म दुनिया के दो सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से सामग्री प्रदान करता है। टीचिंग के लिए यह कोर्स वैसे तो बिल्कुल फ्री में उपलब्ध है, लेकिन प्रमाण पत्र लेने के लिए आपको कुछ शुल्क का भुगतान करना पड़ सकता है। खास बात यह है कि इस कोर्स के तहत सीखने वालों के लिए पाठ्यक्रमों की एक विशाल सूची दी गई है, जहां से आप आइडिया ले सकते हैं।

महीने में करना चाहते हैं लाखों की कमाई? तो इस तरह बनें एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियर

आज के समय में हर फील्ड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल होने लगा है और इसलिए एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियर की डिमांड काफी बढ़ गई है। आप भी इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

बदलते दौर में हम सभी की निर्भरता टेक्नोलॉजी पर काफी ज्यादा बढ़ने लगी है। हर जगह हम किसी ना किसी रूप में एआई मसलन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल होते हुए देख रहे हैं। एआई ने हमें एक नई दुनिया दिखाई है, जहां पर आप लगभग सबकुछ करने का माद्दा रखते हैं। लेकिन इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बात करने का सिर्फ एक तरीका है प्रॉम्प्ट। आप जितना सही और सटीक प्रॉम्प्ट लिखते हैं, एआई से आप उतना ही बेहतर रिजल्ट पा सकते हैं और अपने सारे कामों को काफी आसान और टाइम सेविंग बना सकते हैं। शायद यही वजह है कि आज के समय में एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियरों की डिमांड काफी बढ़ने लगी है।

यह एक ऐसा करियर है, जिसकी डिमांड आने वाले समय में और भी ज्यादा बढ़ने लगेगी। आज के समय में भी एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियर की सैलरी लाखों में होती है और कई बड़ी कंपनियां इन्हें हायर करना चाहती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप बतौर एआई प्रॉम्प्ट इंजीनियर अपने करियर की शुरुआत किस तरह कर सकते हैं-

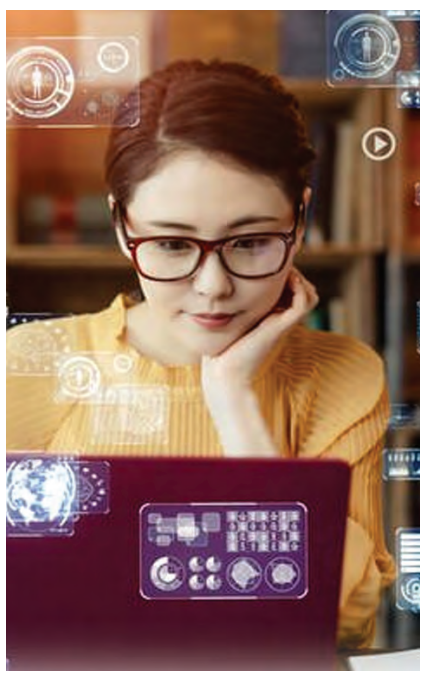

एआई बेसिक्स को समझें

एक अच्छा प्रॉम्प्ट इंजीनियर बनने के लिए बेहद जरूरी है कि आप एआई को बेहतर तरीके से समझें। आप यह जानें कि यह कैसे काम करता है। हालांकि, इसके लिए आपको कोडिंग एक्सपर्ट होने की जरूरत नहीं है, लेकिन एआई के बारे में सीखना और यह कैसे भाषा को प्रोसेस करता है, यह जरूर जानना चाहिए। इसके लिए आप ऑनलाइन फ्री कोर्स का सहारा भी ले सकते हैं। आज के समय में ऐसी कई ऑनलाइन वेबसाइट हैं, जहां से इन कोर्स को किया जा सकता है।

अलग-अलग एआई मॉडल को समझें

एक प्राम्प्ट इंजीनियर के रूप में सफल करियर बनाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप अलग-अलग एआई मॉडल को जानें और अच्छी तरह समझें। आप ऐसे फ्री एआई प्लेटफॉर्म को एक्सप्लोर करें, जहां पर आप अलग-अलग मॉडल के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि अलग-अलग एआई सिस्टम किस तरह से काम करता है और प्राम्प्ट पर किस तरह से रिस्पॉन्स करता है। इससे आपको खुद को अधिक बेहतर बनाने में काफी मदद मिलेगी।

प्रॉम्प्ट लिखने की करें प्रैक्टिस

एक सटीक प्रॉम्प्ट लिखने के लिए बहुत अधिक प्रैक्टिस की जरूरत होती है। इसलिए, आप शुरुआत में अलग-अलग टास्क जैसे राइटिंग या कोड जनरेशन जैसे अलग-अलग कामों के लिए खुद प्रॉम्प्ट लिखना शुरू करें। आपको हर बार यह ध्यान देना चाहिए कि क्या काम करता है और क्या नहीं। इस तरह हर बार प्रैक्टिस करने से आप और भी बेहतर प्रॉम्प्ट लिखना सीख जाएंगे। यहां पर आप यह भी याद रखें कि एआई मॉडल सिर्फ टेक्स्ट ही नहीं, बल्कि और भी बहुत सी चीजें जनरेट कर सकता है, इसलिए आप आर्ट से लेकर कोडिंग यहां तक कि चैटबॉट को भी प्रॉम्प्ट के जरिए क्रिएट कर सकते हैं। एआई तब सबसे अच्छा काम करता है, जब उसे एकदम क्लीयर इंस्ट्रक्शन दिए जाते हैं।

रहें अपडेटेड

चूंकि एआई काफी तेजी से लगातार विकसित हो रहा है और उसमें तेजी से बदलाव हो रहा है, इसलिए उसमें हर दिन नए फ़ीचर या टूल आते रहते हैं। ऐसे में यह आप लगातार नए फीचर पर नजर बनाए रखें और उन्हें सीखते रहें।

जर्मन सीखने के लिए बेस्ट हो सकते हैं ये 3 कोर्सेज, ऑनलाइन घर बैठे ही करें लैंग्वेज की पढ़ाई

जर्मन सीखना आज के समय में एक बेहतरीन स्किल हो सकती है। खासकर अगर आप विदेश में पढ़ाई, नौकरी या यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो यह आपके लिए अच्छा ऑप्शन है। इसके अलावा, आज के समय में कई भाषाओं का ज्ञान होना भी जरूरी है। अन्य भाषा को पढ़ना, लिखना और बोलना सीखना आपके कम्युनिकेशन स्किल को बढ़ाता है। साथ ही, यह उच्च वेतन वाली नौकरियों के द्वार भी खोलता है।

जर्मन सीखने के लिए ऑफलाइन क्लास से लेकर ऑनलाइन कक्षाओं तक, लोगों को सीखने के कई अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस आर्टिकल में जर्मन भाषा सीखने के लिए तीन बेहतरीन ऑनलाइन कोर्सेज के बारे में बताया गया है, जिसे घर बैठे-बैठे ही जॉइन कर सकती हैं। चलिए इन कोर्स के बारे में आगे विस्तार से जानते हैं। जर्मन सीखने के लिए बेस्ट हैं ये 3 ऑनलाइन कोर्सेज -

व्यक्तिगत शिक्षा के लिए बेस्ट है प्रीप्ली

प्रीप्ली के निजी ट्यूटर्स से आप ऑनलाइन माध्यम से जर्मन सीख सकती हैं। इसके लिए आपको अपने आदर्श ट्यूटर खोजने के लिए कुछ डिटेल्स भरनी होगी। इसमें कीमत, उपलब्धता भरने के बाद मूल स्थान के आधार पर फिल्टर करें। इसके बाद, एक परीक्षण पाठ का आनंद ले सकती हैं। आगे सीखने के लिए आप चाहें तो इसकी सदस्यता ले सकती हैं। प्रीप्ली के मूल-भाषी ट्यूटर आपकी जरूरतों के हिसाब से पाठ तैयार करते हैं। इससे आपके समय बचत होती है और नए कौशल पर ध्यान केंद्रित होता है। सत्रों के बीच शब्दावली का अभ्यास कराया जाएगा।

शुरुआती दौर में सीखने के लिए बेहतरीन है जर्मन प्रोजेक्ट

जर्मन प्रोजेक्ट वेबसाइट पर आप जर्मन की मूल चीजें सीख सकती हैं। लैंग्वेज सीखने का यह एक मजेदार और इंटरैक्टिव तरीका हो सकता है। इसमें क्रिएटर जेन्स व्याकरण, शब्दावली और बातचीत जैसे आवश्यक कौशल सिखाने के लिए आकर्षक चित्रण और ऑडियो रिकॉर्डिंग का उपयोग करते हैं। इतना ही नहीं, इसके जरिए, कैंडिडेट को जर्मन ध्वनियों, संख्याओं, सामान्य अभिव्यक्तियों और बहुत कुछ को कवर किया जा सकता है। जर्मन सीखने के शुरुआती दौर में यह कोर्स आपके लिए काम का हो सकता है। इसके अलावा आप इस वेबसाइट से जर्मन ऑडियो व टेक्स्ट में चिकन लिटिल, गोल्डीलॉक्स और लिटिल रेड राइडिंग हूड जैसी क्लासिक परी कथाओं का आनंद ले सकती हैं।

जर्मनपॉड101 से भी सीख सकती हैं जर्मन

जर्मनपॉड101 हमें जर्मन वार्तालापों को दर्शाने वाले कई छोटे-छोटे ऑडियो और वीडियो पाठ प्रदान करता है, जो बेहद इंटरैक्टिव होता है। इसमें शब्दावली अभ्यास के लिए भी कुछ टेस्ट मौजूद है। जानकारी के लिए बता दें कि उनके YouTube चैनल में भाषा और संस्कृति पर सैकड़ों फ्री वीडियोज पड़े हैं, जिन्हें कौशल स्तर और विषय के अनुसार अलग वर्गीकृत किया गया है। इसके जरिए आप जर्मन उच्चारण सीखने के साथ-साथ सामयिक शब्दावली और 24/7 लाइव स्ट्रीम का लाभ भी उठा सकती हैं। प्रीमियम उपयोगकर्ता बोलने का अभ्यास करते हैं। साथ ही, उनके लिए वॉयस रिकॉर्डर सहित अतिरिक्त टूल भी दिए गए हैं।

बिना डिग्री भी मिल सकती है नौकरी, बस डेवलप करें ये स्किल

करियर ग्रोथ के लिए हम सभी अलग-अलग फील्ड से जुड़े विषयों में पढ़ाई करते हैं। लेकिन बता दें, कि आप कम एजूकेशन में भी बेहतर नौकरी पा सकती हैं। इसके लिए आपको अपनी स्किल पर काम करना होगा। टेक्नोलॉजी के बढते दौर में जहां नौकरी के तमाम अवसर प्राप्त हो रहे हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि जिसके पास जितनी अच्छी एजूकेशन और स्किल उतनी अच्छी नौकरी। बेहतर करियर ग्रोथ के लिए आज के युवा अपने पढ़ाई के क्षेत्र को बढ़ाने के साथ ही नए स्कोप वाले फील्ड से जुड़े कोर्स कर रहे हैं। लेकिन बता दें, करियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि आपके पास कोई बड़ी डिग्री हो। दुनिया में कई ऐसी नौकरियां हैं, जिसके लिए आपकी स्किल मैटर करती हैं। इस लेख में आज हम आपको उन नौकरियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप स्किल के आधार पर पा सकते हैं।

केबिन क्रू

अगर आपकी कम्युनिकेशन और लैंग्वेज स्किल अच्छी है, तो आप केबिन क्रू की नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। एक केबिन क्रू सदस्य की शुरुआती सैलरी आमतौर पर 30,000 से 40,000 रुपये प्रति माह होती है। जैसे-जैसे आपका अनुभव बढ़ता है, आपकी सैलरी में भी इजाफा होता रहता है। सैलरी के अलावा, कई एयरलाइंस केबिन क्रू सदस्यों को मुफ्त यात्रा, मेडिकल सुविधाएं, और आवास जैसी सुविधा मुहैया कराई जाती है।

रियल स्टेट एजेंट

रियल एस्टेट एजेंट कमीशन पर काम करते हैं। यानी, वे संपत्ति बेचने या खरीदने पर होने वाले सौदे की एक निश्चित प्रतिशत राशि कमाते हैं। रियल एस्टेट एजेंट की आय उसकी बिक्री, अनुभव, और बाजार की स्थिति पर निर्भर करती है। शुरुआती दौर में आय कम हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ यह काफी बढ़ सकती है। कुछ कंपनियां रियल एस्टेट एजेंटों को अतिरिक्त लाभ भी प्रदान करती हैं, जैसे कि कार, फोन, और मार्केटिंग टूल। अगर आप मार्केटिंग से जुड़ी चीजों की जानकारी रखते हैं, तो इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में बनाएं करियर

डिजिटल मार्केटिंग आज के समय में एक तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है। अगर आपको ऑनलाइन मार्केटिंग, सोशल मीडिया और डेटा एनालिटिक्स में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। डिजिटल मार्केटर की शुरुआती सैलरी आमतौर पर 20,000 से 35,000 रुपये प्रति माह होती है। डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए किसी प्रकार की डिग्री की जरूरत नहीं है।

कमर्शियल पायलट में बनाएं करियर

एक कमर्शियल पायलट की शुरुआती सैलरी लगभग 50,000 से 80,000 रुपये प्रति माह हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान होना अनिवार्य है। उड़ान के दौरान कई तरह की गणनाएं करनी होती हैं, इसलिए गणितीय क्षमता का होना जरूरी है।

अंगीठी के ताप ने छीन ली खुशियां, तीन मासूम और एक महिला की मौत, इलाके में मातम

छपरा, एजेंसी। भीषण ठंड और शीतलहर के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। शहर के भगवान बाजार थाना क्षेत्र की अंबिका कॉलोनी में एक परिवार के चार सदस्य तीन मासूम बच्चों और एक बुजुर्ग महिला दम घुटने से मारे गए। परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज छपरा सदर अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, ठंड से बचने के लिए परिवार ने कमरे के अंदर अंगीठी/वोरसी जलाई थी। देर रात तक अंगीठी जलती रही, जिससे कमरे में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस भर गई। बंद कमरे में ऑक्सीजन की कमी के कारण सो रहे लोगों को इसका एहसास तक नहीं हुआ। इस हादसे में 3 वर्षीय तेजश, 4 वर्षीय अध्याय, 7 माह की गुड़िया कुमारी और 70 वर्षीय कमलावती देवी की मौत हो गई। वहीं अमित कुमार, अमीषा और अंजलि गंभीर रूप से घायल हैं।

घटना की सूचना मिलते ही एएसपी राम पुकार सिंह, भगवान बाजार थाने के थानाध्यक्ष सुबाष कुमार और नगर थाने के थानाध्यक्ष संजीव कुमार सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। परिजनों के अनुसार, सुबह एक सदस्य को घबराहट महसूस हुई और उसने दरवाजा खोल कर ताजी हवा ली, जिससे होश आया। इसके बाद उन्होंने बाकी सदस्यों को जगाने की कोशिश की, लेकिन चार लोग अब हमेशा के लिए खामोश हो चुके थे। पूरा मोहल्ला इस हादसे से स्तब्ध और मातम में डूबा हुआ है। शीतलहर और ठंड से बचने की कोशिश ने एक खुशहाल परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं।

एक ही कमरे में सो रहा था पूरा परिवार– घर के दूसरे सदस्यों ने बताया, 'ठंड ज्यादा होने के कारण परिवार के 7 लोग रात में एक ही कमरे में सोए हुए थे। ठंड से बचाव के लिए कमरे में अंगीठी (बोरसी) जलाई गई थी। देर रात तक अंगीठी जलती ही रह गई, जिससे कमरे में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस फैल गई। धीरे-धीरे ऑक्सीजन का स्तर कम होता चला गया, गहरी नींद में होने के कारण किसी को इसका आभास नहीं हो सका। शनिवार सुबह जब परिवार के एक सदस्य को छटपटाहट महसूस हुई, तब उसने किसी तरह खुद को संभालते हुए कमरे का दरवाजा खोला और बाहर निकलने की कोशिश की। थोड़ी देर में होश आने पर जब उसने अन्य लोगों को जगाने की कोशिश की, तो 4 लोगों में कोई हलचल नहीं हो रही थी, जिसके बाद आनन-फानन में सभी को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

नानी के घर आए थे बच्चे– परिजनों के मुताबिक, कमलावती देवी हाल ही में बनारस से पूजा करके अपने घर लौटी थीं। वो यहां बेटे अमित के साथ रहती थीं। पति का पहले ही देहांत हो चुका है। ठंड की छुट्टी में दोनों सगी बहनें अमीषा और अंजलि अपनी मां से मिलने छपरा आईं थी। घटना के वक्त मकान के ग्राउंड फ्लोर पर कलावती देवी के बड़े बेटे अपनी पत्नी-बच्चों के साथ सो रहे थे। वहीं, फर्स्ट फ्लोर पर कलावती देवी अपनी दोनों बेटियों, एक बेटे और 3 नातिन-नाती के साथ सो रही थीं। तेजस-गुड़िया भाई-बहन, पिता पीसीएस अधिकारी हादसे में 3 साल के तेजस और 7 महीने की गुड़िया की भी मौत हुई है। दोनों सगे भाई-बहन थे। इनकी मां अंजलि की हालत गंभीर है। अंजलि की शादी यूपी के वाराणसी में हुई है। पति पीसीएस अधिकारी हैं, कुछ दिन पहले ही अंजलि की मां बनारस गई थी। पूजा के बाद बेटी और उनके दोनों बच्चों को साथ लेकर अपने घर छपरा आई थी। इस हादसे के बाद अंबिका कॉलोनी में सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी राम पुकार सिंह, थानाध्यक्ष सुभाष कुमार, टाउन थानाध्यक्ष संजीव कुमार सहित कई सीनियर अधिकारी सदर अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की और परिजनों से पूछताछ शुरू कर दी है।

'मस्जिद के पास से अतिक्रमण हटाना जरूरी': गिरिराज सिंह ने राजस्थान में हो रही कार्रवाई का किया समर्थन

● ममता बनर्जी पर भी बोला हमला

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को सही बताया है। राजस्थान के जयपुर में मस्जिद के पास से अतिक्रमण हटाने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय की ओर से पुलिस पर पथराव किया गया।

वो लोग शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे। लेकिन कार्रवाई नहीं रूकेगी। ऐसा तो नहीं है कि मस्जिद के बगल में अतिक्रमण है तो उसे नहीं हटाया जाएगा। राजस्थान की सरकार उनके शक्ति परीक्षण से डरने वाली नहीं है, कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ममता बनर्जी पर साधा निशाना– वहीं, केंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल की सीएम पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सत्ता के लिए बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती है। एक तरफ बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है??। दूसरी ओर ममता बनर्जी बांग्लादेशी घुसपैठिए और रोहिंग्या को नौकरी दे रही हैं।

पश्चिम बंगाल में आखिर नौकरी क्यों दी जा रही है। इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। नौकरी पाने वाले ऐसे लोगों को हटाना चाहिए। इसके लिए ममता बनर्जी को घोषणा करनी चाहिए, लेकिन वह वोट के लालच में ऐसा नहीं करेंगी।बांग्लादेशियों का मुख्यमंत्री बनना चाहती हैं।

उपद्रवियों ने किया पथराव– बता दें, जयपुर जिले के चौमूं में कलंदरी मस्जिद के पास अतिक्रमण से लोग परेशान थे। इसे हटाने को लेकर पुलिस तीन-चार महीने से प्रयास कर रही थी। लोग हटने के तैयार नहीं थी। काफी कोशिश के बाद पुलिस ने शुक्रवार को अतिक्रमण हटाना शुरू किया तो उपद्रवियों में पथराव कर दिया। जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। जिसके बाद वहां इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई।

बेगूसराय में बालू लोडेड ट्रैक्टर ने बच्चे को रौंदा:घटनास्थल पर मौत

● घर से कोचिंग जाने के लिए निकला था; विरोध में रोड जाम

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में 11 साल के बच्चे को बालू लोडेड ट्रैक्टर ने रौंद दिया। मौके पर ही मौत हो गई। घर से कोचिंग जाने के लिए निकला था। मृतक की पहचान मोहम्मद साबिर के पुत्र अयूब अयान के तौर पर हुई है। घटना तेघड़ा थाना क्षेत्र के बरौनी फ्लैग इमली टोला की है।

हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों का गुस्सू फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने रोड जाम कर दिया। मौके पर डीएम और एसपी को बुलाने की मांग कर रहे हैं। सूचना मिलते ही तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार, सीओ रवि शंकर कुमार, बीडीओ राकेश कुमार और थानाध्यक्ष अमित कुमार मौके पर पहुंचे।

लोगों ने जताई नाराजगी

आयन सुबह अपने घर से निकला था। गांव में ही कोचिंग पढ़ने के लिए जा रहा था। इसी दौरान घटकिंडी की ओर से बालू लेकर आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर में कुचल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। सड़क जाम कर रहे लोगों का कहना है कि प्रशासन के सभी दावों के बावजूद यहां गंगा किनारे से व्हाइट बाले का लगातार अवैध खनन किया जाता है। नाबालिग ड्राइवर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाते हैं। पुलिस दिनभर गश्त करती है, लेकिन अवैध खनन और नाबालिग ट्रैक्टर ड्राइवर पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। इस पर रोक लगाने वाला कोई नहीं है।

नोएडा में सड़क हादसे में रफीगंज के युवक की मौत

● बेकाबू बस ने कुचला, पोस्टमॉर्टम के बाद शव भेजा गया गांव

औरंगाबाद, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में एक सड़क दुर्घटना में औरंगाबाद जिले के 29 वर्षीय प्रवासी मजदूर मुन्ना कुमार की मौत हो गई। मुन्ना बिहार के रफीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सिहुली पंचायत के चंदौल गांव के निवासी थे। मुन्ना कुमार महेंद्र यादव के पुत्र थे। परिवार में सबसे बड़े होने के कारण उन पर घर की जिम्मेदारी थी। वे रोजगार के सिलसिले में बिहार से ग्रेटर नोएडा आए थे और 'मोमेज' नामक कंपनी में सैमसंग मोबाइल के पार्ट्स जोड़ने का काम करते थे।

यह घटना बीते मंगलवार शाम की है। मुन्ना ड्यूटी खत्म कर अपने किराए के कमरे की ओर लौट रहे थे। सड़क पार करते समय एक बेकाबू बस ने उन्हें कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के लगभग 15 घंटे बाद स्थानीय प्रशासन ने परिजनों को मुन्ना की मौत की सूचना दी। उनकी मां सरस्वती देवी और पत्नी किरण देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। पोस्टमॉर्टम के बाद नोएडा पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद एम्बुलेंस के माध्यम से पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव चंदौल लाया गया।

नरकटियागंज में शादी का झांसा देकर यौन शोषण का मामला

● आरोपी ने बच्चे को अपनाने से इनकार किया, युवक गिरफ्तार

बेतिया, एजेंसी। शिकारपुर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर एक युवती से यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया।

एक साल तक बनाए संबंध– पीड़िता ने शिकारपुर थाना में दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया है कि गांव के ही धीरज कुमार उर्फ रविरंजन कुमार ने लगभग एक वर्ष तक शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब भी पीड़िता शादी की बात करती थी, आरोपी टालमटोल करता रहा। पीड़िता के अनुसार, 19 जून 2025 को आरोपी युवक उसे बहला-फुसलाकर घर से दिल्ली ले गया। इस दौरान युवती गर्भवती हो गई। गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद आरोपी उसे दिल्ली से वापस अपने गांव ले आया, लेकिन उसके परिजनों ने उसे घर में रखने से साफ इनकार कर दिया।

पीड़िता के परिजनों से की मारपीट– पीड़िता का आरोप है कि बाद में जब उसके पिता आरोपी के घर बात करने पहुंचे, तो आरोपी के पिता वारलूप यादव, माता धर्मशीला देवी एवं बड़े भाई संदीप यादव ने गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसे और लाठी-डंडे से पीड़िता और उसके पिता की पिटाई की। इस दौरान जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी युवक ने गर्भ में पल रहे बच्चे को अपना मानने से इंकार कर दिया और पीड़िता को घर से भगा दिया।

न्यायिक हिरासत में भेजा गया आरोपी– घटना के बाद पीड़िता ने शिकारपुर थाना में एफआईआर दर्ज कराई। प्रभारी थाना इंचार्ज मिथिलेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच के बाद आरोपी धीरज कुमार उर्फ रविरंजन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है। पुलिस अन्य आरोपितों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

आपसी विवाद में युवक पर चाकू से हमला, हालत गंभीर, पुलिस ने शुरू की जांच

सीवान, एजेंसी। सीवान में नगर थाना क्षेत्र के राजेंद्र पथ स्थित होटल सत्यम इंटरनेशनल के समीप शुक्रवार देर रात आपसी विवाद में एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे आनन-फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, होटल सत्यम इंटरनेशनल के पास दो युवकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने दूसरे युवक के गले पर चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। चाकू लगने से घायल युवक लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा।

घायल युवक ने किसी तरह अपने एक दोस्त को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही उसका भाई और दोस्त मौके पर पहुंचे और घायल

अवस्था में उसे उठाकर तुरंत सदर अस्पताल ले गए। अस्पताल में चिकित्सकों की टीम द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है, हालांकि वह निगरानी में है।

घायल की पहचान सराय ओपी थाना क्षेत्र के मखदूम सराय निवासी स्वर्गीय भोला साह के 22 वर्षीय पुत्र रवि कुमार के रूप में की गई है। घायल के भाई ने बताया कि रवि कुछ दिन पहले अपनी नानी के यहां गया हुआ था और शुक्रवार देर शाम सीवान वापस लौटा था। इसी दौरान अचानक उसके एक दोस्त का फोन आया, जिसमें घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद जब रवि से संपर्क किया गया तो उसने स्वयं चाकू मारने की बात बताई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचाया।

घटना की सूचना मिलने के बाद नगर थाना पुलिस सक्रिय हो गई है। नगर थाना प्रभारी विजय कुमार चौधरी ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है और घायल का बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस अधिकारी को सदर अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल हमले के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है। शहर के व्यस्त इलाके में हुई इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

11 साल की बच्ची से दरिंदगी, पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

रोहतास, एजेंसी। रोहतास जिले के शिवसागर थाना क्षेत्र में बीती रात एक 11 वर्षीय नाबालिक बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन घटना के सामने आने के बाद आसपास के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और लोग दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना के संबंध में शिवसागर थाने के पुलिस सब-इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि शुक्रवार की शाम थाने को नाबालिक बच्ची के साथ दुष्कर्म की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस आनन-फानन में घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की निशानदेही पर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि मामले में नाबालिक पीड़िता और दोनों आरोपियों का मेडिकल चेकअप कराया गया है तथा जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार, सामूहिक दुष्कर्म के दोनों आरोपी उत्तराखंड राज्य के निवासी हैं, जो हार्वेस्टर चलाने के लिए शिवसागर आए हुए थे। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की शाम दोनों आरोपियों ने गांव की एक नाबालिक बच्ची को जबरन उठा लिया। इसके बाद वे पीड़िता को गांव से दूर ले गए और बारी-बारी से दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने फिलहाल दोनों आरोपियों का सदर अस्पताल, सासाराम में मेडिकल परीक्षण करा कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है, वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शक्तिपीठ थावे दुर्गा मंदिर में चोरी के आरोपी का एनकाउंटर; इस्माइल के पास मिला मुकुट का हिस्सा

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के प्रसिद्ध शक्तिपीठ थावे दुर्गा मंदिर में हुई चोरी के मामले में गोपालगंज पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मुख्य आरोपी इस्माइल आलम को गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी थावे थाना क्षेत्र के रिखई टोला के पास छिपे हुए हैं। जैसे ही पुलिस टीम ने वहां छापेमारी की, बदमाशों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जिसमें आरोपी इस्माइल आलम घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने महत्वपूर्ण साक्ष्य और सामान बरामद किया, जिसमें मां दुर्गा के मुकुट के कुछ हिस्से भी शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी इस्माइल आलम, जो भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र का निवासी है, ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। अपने बयान में उसने चोरी में शामिल पूरे गैंग के सदस्यों के नाम और चोरी किए गए आभूषणों के ठिकाने की जानकारी पुलिस को दे दी। इस मामले में गोपालगंज के एसपी अवधेश दीक्षित ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी लगातार इस मामले पर काम कर रही थी। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही गैंग के अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और चोरी गए शेष आभूषण भी बरामद कर लिए जाएंगे।

मुजफ्फरपुर के न्यू गांधी नगर में मेन रोड पर अतिक्रमण

लोगों का फूटा गुस्सा, कहा- 9 फीट में सिमटी सड़क, पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है, लेकिन अहियापुर थाना क्षेत्र के न्यू गांधी नगर मोहल्ले में हालात इससे अलग है। यहां मोहल्ले की मुख्य सड़क पर दोनों तरफ से अतिक्रमण कर लिया गया है। जिससे आम लोगों को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों का गुस्सा उस फूट पड़ा। संकरी सड़क के कारण बार-बार जाम की स्थिति बनी रहती है। विरोध में बड़ी संख्या में लोग सड़क पर जमा हो गए। अतिक्रमण कर रहे लोगों के खिलाफ जमकर विरोध जताया। लोगों का कहना है कि कागजों में 15 फीट चौड़ी सड़क दोनों तरफ से कब्जे के कारण अब महज 9 फीट रह गई है।

हंगामे की सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। मौके पर मौजूद 112 टीम के दरोगा

संजय कुमार ने अतिक्रमणकारियों तत्काल सड़क से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया।

50 हजार आबादी वाले मोहल्ले की एकमात्र मुख्य सड़क

स्थानीय लोगों के मुताबिक न्यू गांधी नगर मोहल्ले की आबादी करीब 50 हजार है। मुख्य सड़क संकरी होने से पैदल चलने वालों, बाइक सवारों और चार पहिया वाहनों को एक साथ निकलने में परेशानी होती है। कई बार एंबुलेंस और स्कूल वाहनों को भी जाम में फंसना पड़ता है।

स्थानीय चंदन कुमार ने बताया कि न्यू गांधी नगर की आबादी करीब 50 हजार है। मुख्य सड़क पर दोनों तरफ से अतिक्रमण कर लिया गया है। जिससे आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। सोनू दुबे ने कहा कि कागज में सड़क 15 फीट है, लेकिन दोनों तरफ कब्जा होने से सिर्फ 9 फीट बची है। रोजाना जाम लगता है। हादसे का डर बना रहता है।

प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल

जिला प्रशासन की ओर से लगातार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। सड़कें चौड़ी की जा रही है, लेकिन न्यू गांधी नगर की मुख्य सड़क पर अतिक्रमण से स्थानीय लोग नाराज हैं। लोगों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को तेज किया जाएगा।

हरनाटांड़ में थारु बौद्धिक विचार मंच का आयोजन:88 बच्चों को सम्मानित किया गया, आठ वर्षों से हो रहा कार्यक्रम

बेतिया, एजेंसी। हरनाटांड़ में थारु बौद्धिक विचार मंच और थरुहट प्रगतिशील संस्था ने शुक्रवार दोपहर वार्षिक सम्मेलन सह मेधा सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम थारू समाज के शैक्षणिक और बौद्धिक विकास को समर्पित था। इसमें शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 88 प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया गया।

समारोह का आयोजन– समारोह की अध्यक्षता थरुहट प्रगतिशील संस्था के अध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने की, जबकि सचिव दृग नारायण खतईत ने संचालन किया। पुलिस अधीक्षक निर्मला कुमारी (भा.पु.से.) मुख्य अतिथि थीं, वहीं रामनगर की एसडीओ रागनी कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

ये लोग रहे मौजूद– इस अवसर पर भारतीय थारू कल्याण महासंघ के

संरक्षक दीप नारायण प्रसाद, महामंत्री राजकुमार महतो और सचिव मनबहाली प्रसाद भी उपस्थित थे। इनके साथ कई समाजसेवी, चिकित्सक और बुद्धिजीवी भी मंच पर मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और थारू कला-संस्कृति से जुड़ी बच्चियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ।

एसपी ने क्या कहा?– अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक निर्मला कुमारी ने थारु बौद्धिक विचार मंच और थरुहट प्रगतिशील संस्था की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के बच्चों को शिक्षा और प्रतिभा के लिए प्रोत्साहित करना एक सराहनीय कदम है। एसपी ने सम्मानित बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मंच का उद्देश्य– थारु बौद्धिक विचार मंच के अध्यक्ष डॉ. शारदा प्रसाद ने बताया कि यह कार्यक्रम पिछले आठ वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष नीट, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, पुलिस, सीआईएसएफ, शिक्षण, मैट्रिक-इंटर, कृषि और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में सफल 88 बच्चों को सम्मानित किया गया है। संस्था का लक्ष्य भविष्य में भी ऐसे आयोजनों से समाज के बच्चों को प्रेरित करना है।

सम्मानित विद्यार्थी और गणमान्य लोग– कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर अजय गौरव, दुर्गेश प्रसाद, नीट चयनित बिट्टू कुमार और बिहार पुलिस की गीता कुमारी जैसे सम्मानित विद्यार्थी उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त बड़ी संख्या में अभिभावक और गणमान्य लोग भी समारोह में शामिल हुए। इस समारोह ने थारू समाज में शिक्षा के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

भितहा चिकित्सा पदाधिकारी ने ठंड से बचाव के निर्देश दिए

डॉ. ने लोगों को गर्म कपड़े, अलाव और सतर्क रहने की अपील की

बेतिया, एजेंसी। भितहा प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को बढ़ती ठंड को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने का संदेश जारी किया गया। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मनोरंजन चौधरी ने कहा कि ठंड के मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी सेहत पर भारी पड़ सकती है, इसलिए सभी को जरूरी सावधानियां अपनानी चाहिए।

ठंड में सावधानी जरूरी, बुजुर्ग और बच्चे रहें सतर्क– डॉ. मनोरंजन चौधरी ने बताया कि ठंड का असर सबसे ज्यादा बुजुर्गों, छोटे बच्चों और पहले से बीमार लोगों पर पड़ता है। उन्होंने लोगों को नियमित रूप से गर्म पानी पीने की सलाह दी, ताकि शरीर गर्म रहे और सर्दी-जुकाम से बचाव हो सके।उन्होंने कहा कि बिना जरूरत घर से बाहर न निकलें। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो गर्म कपड़े पहनें और सिर, कान व हाथों को अच्छी तरह ढक कर रखें। खासकर सुबह और देर रात के समय ठंड में बाहर निकलने से बचना चाहिए।

अलाव का सही से उपयोग करें– चिकित्सा पदाधिकारी ने अलाव के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां अलाव का सहारा लें, लेकिन अलाव जलाते समय पूरी सावधानी बरतें ताकि कोई दुर्घटना न हो। उन्होंने प्रशासन द्वारा की जा रही अलाव व्यवस्था की सराहना की और लोगों से इसका लाभ उठाने की अपील की। डॉ. चौधरी ने बताया कि ठंड के कारण सर्दी, खांसी, बुखार, दमा और हृदय संबंधी बीमारियां बढ़ सकती हैं। किसी भी तरह की परेशानी होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भितहा में दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था है और मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

पटना बाईपास इलाके में स्विफ्ट डिजायर गैंग एक्टिव:करबिगहिया से व्यक्ति को उठाया, रामकृष्णा नगर बाईपास में हुई ठग

पटना, एजेंसी। पटना में एक बार फिर स्विफ्ट डिजायर से ठगी करने वाला गैंग एक्टिव हो गया है। यह गैंग पहले भी पटना जंक्शन के पास एक्टिव रहा है। नालंदा के रहने वाले रामप्रवेश शर्मा शुक्रवार की शाम ठगी के शिकार हो गए।

स्विफ्ट डिजायर गैंग ने उन्हें चुना लगा दिया। दरअसल ट्रेन से उतरने के बाद रामप्रवेश शर्मा पटना जंक्शन से बाहर आए। इसके बाद एक व्यक्ति से मुलाकात हुई। उससे बातचीत होने लगी। इसी बीच उसने पूछा कि आपको कहां जाना है। मैंने बताया कि नालंदा जाना है। वह भी कहने लगा कि मुझे भी नालंदा ही चलना है। फिर बोला कि चलिए दोनों साथ चलेंगे।

बातचीत के दौरान उसने कहा कि मेरे भैया कार से रिसीव करने आए हैं। उसी पर आप भी बैठ जाइएगा। मैं

उसके साथ चलते चलते मीठापुर आ गया। वहां एक कार खड़ी थी। उसमें बैठा लिया। इसके बाद 2 चार बार गोल गोल घुमाया। रामकृष्णा नगर इलाके के बाईपास में लेकर गया।

5000 रुपए कैश, एटीएम कार्ड समेत कई चीजें ले ली– रामप्रवेश शर्मा ने बताया कि इस दौरान शातिरों ने बोला कि एक मैडम भी इस गाड़ी में बैठने वाली हैं। जिनके पास 1 करोड़ रुपए हैं। कहीं आपके रुपए उनसे मैच कर जाएंगे तो आप फंस जाएंगे। इसीलिए जो भी रुपए हैं, पहले दे दीजिए। फिर 5000 रुपए कैश, एटीएम कार्ड, मोबाइल और एटीएम के पिन भी ले लिए।

शातिरों ने बोला कि जैसे मैडम बैठेंगी उन्हें प्रणाम कर लीजिएगा। मैडम आने वाली हैं। गाड़ी से नीचे उतर जाइए, फिर वो बैठ जाएंगी तो आप भी बैठ जाइएगा। जैसे रामप्रवेश गाड़ी से नीचे उतरे शातिर भाग गए।

1 लाख का ट्रांजैक्शन– रामप्रवेश ने बताया कि शातिरों ने 15000 -15000 कर के अब तक 1 लाख रुपए निकाल लिए हैं। उन्होंने बताया कि साले के बेटे का निधन हो गया था। उसके दाह संस्कार में शामिल होने के लिए गोवा से घर आ रहे थे। गोवा में एक शिप बनाने वाली कंपनी में काम करते हैं। फिलहाल रामप्रवेश ने पुलिस में शिकायत की है। जिसकी छानबीन चल रही है।

विचार-मंथन

संपादकीय

आपराधिक कुंठा के शिकार लोगों के पास तेजाब कैसे आसानी पहुँच जाता?

देश भर में तेजाब से हमले की घटनाओं पर आखिर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है! जबकि खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है और इस तरह के अपराध से निपटने के लिए सख्त कानून मौजूद हैं।बिहार में पटना जिले के मोकामा में रविवार रात एक महिला पर तेजाब से हमले की वारदात ने राज्य की कानून व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।तेजाब केवल शरीर को ही नहीं झुलसाता, बल्कि इसकी भयावहता कई बार पीड़ित की पहचान, आत्मविश्वास और सपनों को भी एक त्रासदी में बदल देती है। हमले से पीड़ित की जिंदगी पहले जैसी सामान्य नहीं हो पाती है। पीड़ित महिला के लिए तो महीनों तक चलने वाले उपचार के साथ-साथ समाज की संकीर्ण सोच का सामना करना किसी रोजमर्रा के जख्म से कम नहीं होता।सवाल है कि आपराधिक कुंठा के शिकार लोगों की तेजाब तक आसान पहुंच कैसे संभव हो पा रही है? जाहिर है कि इसके लिए प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त खामियां ही जिम्मेदार हैं।गौरतलब है कि वर्ष 2013 में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर बाजार में तेजाब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस कदम के बाद तेजाब से हमले के मामलों में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से इनमें फिर से वृद्धि देखी जा रही है।राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में देश भर में तेजाब से हमले के 244 मामले दर्ज हुए थे। एक अन्य रपट के अनुसार, वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले और 2023 में 207 वारदात दर्ज की गईं।इसमें दोराय नहीं कि देश में तेजाब से हमलों के खिलाफ सख्त कानून बनाया गया है, मगर सवाल है कि क्या इस कानून का सख्ती से पालन हो रहा है?क्या यह जांच एजंसियों की जिम्मेदारी नहीं है कि अवैध रूप से तेजाब की बिक्री करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए? कई बार तो जांच अधिकारियों की लापरवाही के कारण हमलावर न्याय के कठघरे में आने से बच जाते हैं। जब तक पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त खामियों को दुरुस्त नहीं किया जाएगा, तब तक सख्त कानून का प्रभाव भी धरातल पर कम ही नजर आएगा।

नियम बड़े या इंसानियत?

चिकित्सक को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है, क्योंकि वह अपने ज्ञान और कौशल से मरीजों का जीवन बचाने और उसे बेहतर बनाने का काम करता है। चिकित्सक को मरीज के शारीरिक कष्ट का ही नहीं, बल्कि उसकी मानसिक स्थिति का भी ध्यान रखना होता है। ऐसे में चिकित्सक का व्यवहार और संवेदनशीलता कई मायनों में महत्त्वपूर्ण होती है। लेकिन कोई चिकित्सक अगर इलाज के दौरान आपा खोकर मरीज पर ही हमला कर दे, तो उसे क्या कहा जाएगा।हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में सोमवार को ऐसा ही मामला सामने आया, जिसमें एक चिकित्सक ने मरीज के साथ बहस के बाद उसकी पिटाई कर दी। मामले ने तूल पकड़ा, तो अस्पताल प्रबंधन ने आरोपी चिकित्सक को निलंबित कर घटना की जांच शुरू कर दी। सवाल है कि अगर कोई मरीज असंतुलित व्यवहार भी करता है, तो क्या चिकित्सक का इस कदर आक्रामक होना उचित है? क्या उसका यह दायित्व नहीं है कि वह मरीज की मनोदशा समझकर संवेदनशील और संयमित तरीके से प्रतिक्रिया दे?इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों के अभाव का संकट बढ़ता जा रहा है, जिस कारण काम का दबाव भी बढ़ गया है। ऐसे में कई बार चिकित्सकों का व्यवहार सख्त हो सकता है, लेकिन उनसे मरीज के साथ मारपीट करने जैसी हरकत की अपेक्षा नहीं की जा सकती।शिमला के अस्पताल में जिस मरीज के साथ मारपीट की गई, वह फेफड़ों में तकलीफ की शिकायत लेकर वहां आया था। जांच के बाद सांस लेने में दिक्कत होने पर उसे अस्पताल में ही कुछ समय के लिए आराम करने की सलाह दी गई। इसके बाद वह एक वार्ड में खाली पड़े बिस्तर पर लेट गया और इसी को लेकर चिकित्सक के साथ उसकी बहस हो गई।सवाल है कि अगर कोई मरीज भर्ती हुए बिना अस्पताल के खाली पड़े बिस्तर पर कुछ देर आराम कर ले, तो उस पर किसी चिकित्सक को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? चिकित्सक का प्राथमिक दायित्व मरीज के प्रति संवेदनशील होना और उसे राहत देने का होना चाहिए या नियम की दुहाई देकर उसे प्रताड़ित करने का? चिकित्सकों और प्रशासनिक अधिकारियों को इस पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

भारत अमेरिका की डील में जैवलिन मिसाइल के अलावा स्मार्ट तोप गोला भी है। अमेरिका ने भारत को 818.4 करोड़ रुपए (93 मिलियन डॉलर) कीमत के एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम बेचने की मंजूरी दे दी है। एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और इसके उपकरणों की कीमत 414.48 करोड़ और जैवलिन मिसाइल सिस्टम और उपकरणों की कीमत करीब 402.16 करोड़ रुपए है। रूस से तेल खरीद की पैनल्टी के रूप में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद ये भारत की अमेरिका से पहली बड़ी रक्षा खरीद होगी।

360 डिग्री कैसे पलटे ट्रंप? भारत आया अमेरिकी हथियारों का जखीरा

(अभिनय आकाश)

भारत और अमेरिका के रिश्ते सुधर रहे हैं। भले ही धीरे-धीरे सुधर रहे हैं लेकिन अब जो गाड़ी है वो पटरी पर लौट रही है। सबसे पहले भारत अमेरिका से तेल खरीदना शुरू करता है। दूसरे नंबर पर रूस से तेल की खरीद कम करता है। खत्म नहीं करता है, बल्कि कम करता है। उसके बाद भारत बड़ी एलपीजी की डील अमेरिका के साथ करता है। अपनी जरूरत का 10 प्रतिशत हिस्सा अब भारत अगले महीने से अमेरिका से खरीदेगा। उसके बाद सैन्य लेवल पर भी भारत जो है एक डील करता है। ये सारी चीजें चल ही रही होती हैं कि खबर आती है कि दिसंबर के आखिर तक भारत की और अमेरिका की जो ट्रेड डील है वो लगभगल लगभग पूरी तरीके से फाइनल हो जाएगी और दोनों देशों ने जो एक सपना देखा था कि 2030 तक 500 बिलियन डॉलर का व्यापार पहुंचाएंगे। द्विपक्षीय व्यापार होगा उस तरफ चीजें आगे बढ़ने वाली हैं। दरअसल, भारत अमेरिका ने एक साथ आकर एक बड़ा खेल कर डाला है। भारत अमेरिका के नए एक्शन से पाकिस्तान और चीन दोनों के होश उड़ चुके हैं। पाकिस्तान पहले ही भारत से डरा हुआ है। हर पल उसे यही डर सोने नहीं दे रहा कि कब भारत पहले की तरह रात में सूरज उगा दे और उसी टेंशन को और भी ज्यादा बढ़ाने का काम कर दिया है। अब अमेरिका से सामने आई इस चिट्ठी ने। दरअसल पाकिस्तान को तगड़ा झटका अब अमेरिका ने दे दिया। जिसकी गोद में वो बैठने के ख्वाब हर दिन हर रात देख रहा था। उसी पाकिस्तान को अब भारत के साथ मिलकर जमीन में गाड़ने का काम अमेरिका ने कर दिया। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 9.3 करोड़ डॉलर के हथियार की बिक्री को मंजूरी दे दी है। बता दें कि अमेरिका ने भारत को दुनिया की सबसे घातक एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम में से एक जैवलिन मिसाइल देने का ऐलान कर दिया है जो कि पाकिस्तान के टैंकों के लिए काल है। भारत अमेरिका की डील में जैवलिन मिसाइल के अलावा स्मार्ट तोप गोला भी है। अमेरिका ने भारत को 818.4 करोड़ रुपए (93 मिलियन डॉलर) कीमत के एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम बेचने की मंजूरी दे दी है। एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और इसके उपकरणों की कीमत 414.48 करोड़ और जैवलिन मिसाइल सिस्टम और उपकरणों की कीमत करीब 402.16 करोड़ रुपए है। रूस से तेल खरीद की पैनल्टी के रूप में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद ये भारत की अमेरिका से पहली बड़ी रक्षा खरीद होगी। अमेरिका ने कहा है कि इस बिक्री से 'बड़े डिफेंस पार्टनर' की सुरक्षा में सुधार होगा, जो दक्षिण एशिया क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और शांति के लिए महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है। डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी ने अमेरिकी संसद को बताया है कि भारत ने 216 एक्सकैलिबर टैक्टिकल प्रोजेक्टाइल और 100 एफजीएम-148 जैवलिन राउंड, एक जैवलिन एफजीएम-148 मिसाइल, फ्लाई-टू-बाय और 25 जैवलिन लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट्स या जैवलिन ब्लॉक 1 कांड लॉन्च यूनिट्स खरीदने की इच्छा जताई है। भारत को इन हथियारों और डिफेंस सिस्टम को सेना में शामिल करने में कोई मुश्किल नहीं होगी। साथ ही इन रक्षा उपकरणों और सपोर्ट सिस्टम की बिक्री से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा। बता दें कि भारत और अमेरिका ने हाल ही में 10 साल के लिए डिफेंस पार्टनरशिप डील के विभिन्न मुद्दों पर समझौता किया है। क्या है जैवेलियन मिसाइल सिस्टम जैवलिन दुनिया की सबसे अडवांस पोर्टेबल एंटी-टैक गाइडेड मिसाइल है। इसे फायर एंड फॉर गेट मिसाइल कहा जाता है, यानी फायर करने के बाद सैनिक को टारगेट पर निशाना बनाए रखने की जरूरत नहीं पड़ती। यह खुद लक्ष्य ढूंढकर मार गिराती है। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ मिसाइल का इस्तेमाल रूसी टैको को नष्ट करने के लिए किया है। यह पोर्टेबल, कंधे से लॉन्च किया जाने वाला हथियार है। ये टैंक, बख्तरबंद गाड़ियों और किलेबंद जगहों को नष्ट कर सकता है। यह 'फायर-एंड-फॉरगेट' गाइडेंस सिस्टम का इस्तेमाल करता है। सैनिक फायरिंग के तुरंत बाद सुरक्षित जगह पर जा सकता है क्योंकि मिसाइल इंफ्रारेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर खुद को गाइड करती है। इसे ले जाना आसान है, इसे दो सैनिक चला सकते हैं। यूक्रेन में सैकड़ों रूसी टैंक नष्ट किए। एलओसी और एलएसी के पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अहम है। इसका टॉप-अटैक मोड बख्तरबंद वाहनों और बंकरों के खिलाफ बेहद कारगर है। 1 गोला 50 पारंपरिक गोलों के बराबर यह जीपीएस-गाइडेड आर्टिलरी शेल है, जिसे होवित्जर जैसी बड़ी तोपों से फायर किया जाता है। पारंपरिक शेल के विपरीत, यह लंबी दूरी पर भी 2 मीटर से कम की सटीकता से निशाना लगा सकता है। एक एक्सकैलिबर राउंड 10-50 पारंपरिक राउंड के बराबर होता है। इससे गोला-बारूद बचता है। भारत पहले से एम 777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर के साथ एक्सकैलिबर का उपयोग कर रहा है, जो लद्दाख जैसे उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में त्वरित तैनाती के लिए आदर्श हैं। अमेरिका से ताजा एक्सकैलिबर आर्टिलरी शेल खरीद से भारत की सटीकता के साथ हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। टैंक किलर भी कहा जाता है यूक्रेनी सैनिकों ने इनसे रूस के टी72, टी19 जैसे मजबूत टैंकों को सैकड़ों की संख्या में उड़ा दिया। यह मिसाइल इतनी प्रभावी रही कि इसे टैंक किलर भी कहा जाने लगा। रूसी टैंक ऊपर से हमला करने का मुकाबला नहीं कर पाते। यही वजह है कि पूरी दुनिया में इस मिसाइल की तारीफ जमकर हो रही है। भारत के पास इस मिसाइल के आने से यह चीन और पाकिस्तान की सीमा पर काम आएगी। पहाड़ी इलाके जैसे कि लद्दाख में यह टैंक रोकने के लिए काफी उपयोगी होगी। पैदल सैनिकों को मजबूत बनाएगी और अब दुश्मन के टैंक आने पर डरने की जरूरत नहीं होगी। पाकिस्तान के पास भी चीनी टैंक है। इसलिए यह मिसाइल पाकिस्तान के खिलाफ भी काफी असरदार होगी। चीनी टैंकों की क्षमता पर पहले से ही सवाल रहे हैं। ऐसे में जमीनी लड़ाई के दौरान भी इस मिसाइल से भारतीय सेना पाकिस्तान के चीनी टैंकों का कब्रगाह बना सकती है। पड़ोसी देशों के पास क्या क्या चीनः एचजे 11 और 12 है। यह चाइनीज जैवलिन है। इसकी रेंज 3-4 किमी तक है। एचजे-12 'सॉफ्ट लॉन्च' क्षमता रखती है। इसे कई लोकेशन से दागा सकते हैं। एलएसी पर ये तैनात हैं। पाकिस्तानः बराबरी का कोई हथियार नहीं। चीन आयातित एंटी-टैंक बख्तर शिकन हैं। जैवलिन की तरह फायर-एंड-फॉरगेट नहीं है। ऑपरेटर को लक्ष्य पर लॉक रहना पड़ता है। रेंज 2-3 किमी है।

अरावली पर्वत श्रंखला राजनीतिक अर्थशास्त्र के संदर्भ में

(अरुण कांत शुक्ला)

बुधवार को केंद्र सरकार ने अरावली पर अब नए पट्टे देने पूरी रोक लगा दी है यह कदम उचित है। अरावली पर्वत श्रेणी को लेकर हाल के वर्षों में जो सबसे अधिक विवादास्पद और दूरगामी विनाशकारी प्रभाव वाला तर्क सामने आया है, वह यह है कि केवल 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली पहाड़ियों को ही 'अरावली' माना जाए। यह प्रस्ताव पर्यावरणीय संरक्षण को सीमित करने की एक नीतिगत रणनीति के रूप में सामने आता है। अरावली पर्वत श्रेणी विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक है। इसकी उत्पत्ति लगभग 250 करोड़ वर्ष पूर्व मानी जाती है। इसका विस्तार मुख्यतः गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक है।पर्यावरणीय दृष्टि से अरावली–मरुस्थलीकरण को रोकती है। भूजल पुनर्भरण में सहायक है।दिल्ली-एनसीआर की जलवायु को संतुलित करती है। जैव विविधता का महत्वपूर्ण आश्रय है। यह पर्वत श्रेणी किसी एकसार, ऊँचे, निरंतर पर्वत के रूप में नहीं बल्कि एक क्षीण, टूटी-बिखरी, निम्न ऊँचाई वाली पहाड़ियों, चट्टानों और भूगर्भीय संरचनाओं के जटिल तंत्र के रूप में विकसित हुई है। इसीलिए अरावली को केवल ऊँचाई के पैमाने पर परिभाषित करना, उसके भूवैज्ञानिक चरित्र को नकारने जैसा है।मुख्य विवाद इस प्रश्न से शुरू होता है कि अरावली की भौगोलिक और कानूनी सीमा क्या है। कुछ राज्य सरकारें केवल ऊँचे पर्वतीय हिस्सों को अरावली मानती हैं जबकि पर्यावरणविद और न्यायालय अरावली के पूरे भूगर्भीय विस्तार को संरक्षण योग्य मानते हैं। इसी अस्पष्टता का लाभ उठाकर कई क्षेत्रों में खनन और निर्माण कार्य होते रहे।100 मीटर की ऊँचाई का मानक न तो भूविज्ञान से निकला है, न पारिस्थितिकी से और न ही किसी अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय सिद्धांत से। यह एक प्रशासनिक सीमा है, जिसे इस प्रकार गढ़ा गया कि अरावली क्षेत्र का बड़ा हिस्सा कानूनी संरक्षण से बाहर हो जाए। हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में इस मानक को अपनाने का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि हजारों हेक्टेयर भूमि, जो पहले अरावली क्षेत्र मानी जाती थी, अब निर्माण, खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों के लिए खोल दी गई। अरावली विवाद का सबसे गंभीर पहलू है अवैध खनन। पत्थर, ग्रेनाइट, संगमरमर और सिलिका का बड़े पैमाने पर खनन। विशेष रूप से हरियाणा (फरीदाबाद, गुरुग्राम, नूंह) और राजस्थान में। इससे पहाड़ियाँ समतल होती गईं, जंगल नष्ट हुए और भूजल स्तर गिरा। भूवैज्ञानिक दृष्टि से अरावली को समझने के लिए ऊँचाई नहीं, बल्कि चट्टानों की संरचना, आयु और निरंतरता को आधार बनाया जाता है। अरावली की पहचान क्वार्टजाइट, फाइलाइट, शिस्ट और ग्रेनाइट जैसी प्राचीन चट्टानों से होती है, जो कई स्थानों पर 50 मीटर, कहीं 30 मीटर और कहीं सतह के समांतर ही दिखाई देती हैं। क्या केवल इसलिए कि वे 100 मीटर से कम ऊँची हैं, उन्हें अरावली नहीं माना जाएगा? यह प्रश्न इस पूरे विवाद की बुनियाद को उजागर करता है।पारिस्थितिकी के स्तर पर यह तर्क और भी अधिक खतरनाक हो जाता है। अरावली केवल ऊँची पहाड़ियों का नाम नहीं है, बल्कि यह एक इकोलॉजिकल सिस्टम है– जिसमें पहाड़ियाँ, ढलानें, वनस्पति, जलग्रहण क्षेत्र, दर्रे, नाले और भूमिगत जल संरचनाएँ शामिल हैं। 100 मीटर से कम ऊँचाई वाले क्षेत्र ही अक्सर भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन और जैव विविधता के लिए अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5956

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5955

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5956

1	2	3		4	■	5	
6			■	7	8		■
	■	■	■	9			10
11	12	■	■		■	13	
■		■	14		15	■	
■	16		■	17		18	
19		■	20		■		■
	■	21		■	22	■	■

संकेत: बाएं से दाएं

1. इस देश की चौथी प्रधानमंत्री गोल्डा मायर ने मई 1998 को जन्म लिया था (निधन 1978)(4)
5. संसार, दुनिया, जग, जगत, लोक (2)
6. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
7. एडवोकेट, अधिकार प्रदत्त व्यक्ति (3)
9. मेहरबानी, अनुकंपा, कृपा, दया (4)
11. हिंदी माहस की प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
13. पुराणानुसर निषध देश के राजा वीरसेन के पुत्र जिनका विवाह दमयंती के साथ हुआ था, श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
14. प्रेमी, अनुरागी (3)
16. वचन प्रतिज्ञा, इकरार (2)
17. प्रसिद्ध, ख्यात, नामी (4)
19. षोडशी कन्या, कान में पहनने का एक आभूषण (2)
21. एक शुष्क मेवा (2)
22. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)

ऊपर से नीचे

1. यह ऐरावत महागज की माता थी, हिमालय की तलहटी से निकलने वाली एक नदी (4)
2. न्यायाधीश को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
3. जंघा, जांघ (2)
4. यह अभिनेत्री साधना की पहली फिल्म थी (1960)(7)
5. एक दूसरे में लय होने की क्रिया, सम्मिश्रण (4)
8. ईर्ष्या, प्रतिशोध भावना (2)
10. असि, छत्रपति शिवाजी का शस्त्र (4)
12. बारातियों के ठहरने का स्थल, धर्मशाला (4)
15. फूंक, खींच, सुट्टा (2)
18. स्वर्ग में रहने वाली सुंदर स्त्री, स्वर्गांगना, स्वर्गवधू (2)
19. अवसर, घटना स्थल (2)
20. बगल, पार्श्व, बाहू, भुजा (2)

वर्ग पहेली 5955 का हल

जा	पा	न	■	व	सी	य	त
न	य	न	गो	च	र	■	न
की	ल	■	व	न	■	सा	म
सु	■	अ	र्थ	■	ल	ग	न
त	वा	■	न	स	■	र	मा
■	ता	ना	■	म	घा	■	र
श	य	न	क	क्ष	■	छा	ना
■	न	क	ल	■	द	या	■

आज का राशिफल

मेष

आज आत्मविश्वास और सृजन शक्ति का दिन है। द मैजिशियन बताता है कि आपके पास विचार, साधन और साहस तीनों मौजूद हैं। जो भी लक्ष्य आपने तय किया है, उसे साकार करने की पूरी क्षमता आज आपके भीतर है। संकल्प लें और बिना संदेह आगे बढ़ें। परिणाम आपके पक्ष में बनेंगे। आज भावनात्मक गर्माहट रहेगी।

वृष

आज दिल से जुड़ी नई शुरुआत संभव है। ऐस ऑफ कप्स प्रेम, करुणा और भावनात्मक ताज़गी का प्रतीक है। चाहे कोई नया रिश्ता हो या अपने भीतर शांति का एहसास। आज दिल हल्का और खुश रहेगा। आज जीवन में भावनात्मक गहराई और संवेदनशीलता बढ़ी रहेगी। क्वीन ऑफ कप्स रिश्तों को सहेजने, किसी की मदद करने या रचनात्मक कार्यों में मन लगाने का संकेत देती है।

मिथुन

यदि आप किसी काम को टालते हैं तो भविष्य में भी उसके टलने की सम्भावना बढ़ जायेगी। सहकर्मियों का बेहतरीन सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुओं पर आप भारी पड़ेंगे। सभी कार्यों को समय पर पूर्ण करने का प्रयास करें। किसी नयी नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं।

तुला

जीवन में आज स्पष्टता का उदय होगा। ऐस ऑफ स्वॉर्ड्स किसी सच, निर्णय या विचार में अचानक आई साफ़ समझ का संकेत देता है। भ्रम दूर होगा और आप पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ पाएंगे। आज भावनात्मक संतुलन और परिपक्वता का दिन है। किंग ऑफ कप्स दर्शाता है कि आप किसी स्थिति में स्थिरता और समझदारी ला सकते हैं।

वृश्चिक

आज रिश्तों में सामंजस्य बढ़ेगा। टू ऑफ कप्स प्रेम, साझेदारी और आपसी समझ का प्रतीक है। कोई संबंध आज और गहरा हो सकता है। बराबरी और सम्मान से रिश्ते मजबूत होंगे। जीवन में आज भावनात्मक पूर्णता और शांति का अनुभव होगा। टेन ऑफ कप्स परिवार, प्रेम और आंतरिक संतोष का संकेत देता है। मन प्रसन्न रहेगा और दिल से कृतज्ञता का भाव निकलेगा।

धनु

आज खुशियों और मेल-जोल का दिन है। थ्री ऑफ कप्स उत्सव, मित्रता और साथ मिलकर आनंद लेने का संकेत देता है। कोई संदेश या मुलाकात मन को हल्का कर सकती है। अपनों के साथ समय बिताएं। जीवन में आज स्थिरता और सुरक्षा का भाव रहेगा। टेन ऑफ पेंटाकल्स परिवार, धन और भविष्य की नींव मजबूत होने का संकेत देता है।

कर्क

आज विचारों की तेज़ी और जिज्ञासा का दिन है। पेज ऑफ स्वॉर्ड्स नई बातचीत, जानकारी या अचानक मिले विचार का संकेत देता है। कोई छोटा सा संवाद आगे चलकर बड़ा अवसर बन सकता है। सीखने और पूछने से न हिचकें। द लवर्स कार्ड बताता है कि दिल और मूल्यों के अनुरूप चुनाव करना ज़रूरी है। बेवजह के मामलों में उलझ सकते हैं।

सिंह

आपकी कुछ महत्वपूर्ण वस्तुयें गुम हो सकती हैं। लोग आपके सही काम का भी विरोध करेंगे। जोखिम भरे निवेश करने से आपको बचना चाहिये। पेट में एसिडिटी की शिकायत हो सकती है। बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। पुराने रोगों के कारण परेशानी होगी। कारोबार में थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। अति आत्मविश्वास के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ेगी।

कन्या

आप परिवार को अत्यधिक महत्व देंगे। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। कारोबारी अनुबन्धों के लिये दिन बहुत ही अच्छा है। बच्चों की उपलब्धियों से हर्षित रहेंगे। निर्माण कार्यों में तेजी आयेगी।

मकर

आज आप वही काम करना पसन्द करेंगे, जो आपका शौक बन गया हो। समझदारी पूर्वक स्थितियों को सम्भालने का प्रयास करें। अधूरे कार्यों को समय पर निपटा पायेंगे। बच्चों को अनुशासन की शिक्षा अवश्य दें। शेयर मार्केट में पहले किया गया निवेश आज आपको बड़ा लाभ दे सकता है। व्यवसाय में बड़ा बदलाव कर सकते हैं। मृदु व्यवहार के कारण लोगों के चहेते बने रहेंगे।

कुंभ

लेन-देन में की गयी जल्दबाजी आपको आर्थिक हानि पहुँचा सकती है। व्यर्थ दौड़धूप करनी पड़ेगी, लेकिन उसका परिणाम कुछ खास नहीं मिलेगा। मधुमेह के रोगियों को खानपान का ध्यान रखना चाहिये। बोलचाल में हल्के शब्दों का प्रयोग करना उचित नहीं है। आज काम के प्रति एकाग्र नहीं हो पा रहे हैं, इसीलिये नये काम की शुरूआत न करें। प्रेम सम्बन्धों को लेकर तनाव बढ़ेगा। सुख-सुविधाओं में कमी आयेगी।

मीन

मांगलिक उत्सवों में भाग लेंगे। व्यापार में बहुत अच्छे मौके मिलेंगे। रूपरेखा बनाकर काम करना लाभकारी सिद्ध होगा। नौकरीपेशा लोगों का ट्रान्सफर हो सकता है। पढ़ाई-लिखाई को लेकर आप अत्यन्त सजग रहेंगे। विवेक से काम करना लाभकारी सिद्ध होगा। बुरी संगत वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें। बवासीर के रोगियों को तेज दर्द की शिकायत हो सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

धुरंधर की सफलता के बीच अक्षय खन्ना ने छोड़ी दृश्यम 3

बॉलीवुड के मंझे हुए अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों धुरंधर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में रिलीज हुई स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई कर न सिर्फ निर्माताओं को मालामाल किया, बल्कि अक्षय खन्ना को भी एक बार फिर इंडस्ट्री के सबसे दमदार कलाकारों की कतार में खड़ा कर दिया। रणवीर सिंह जैसे सुपरस्टार्स के बीच भी अक्षय का किरदार चर्चा का केंद्र बना हुआ है। फिल्म में उनके एंट्री सीन से लेकर उनके अंदाज और स्क्रीन प्रेजेंस तक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है।

दरअसल एक्स पर बॉलीवुड मशीन नाम के पेज ने दावा किया है कि अक्षय ने दृश्यम 3 छोड़ दी है जिसकी वजह है उनको मिलने वाला पैसा और अपने किरदार को लेकर मतभेद। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के बाद अक्षय खन्ना ने अपनी फीस में बढ़ोतरी की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने अपने किरदार के लुक को लेकर भी कुछ अहम बदलाव चाहें। माना जा रहा है कि इन्हीं मांगों को लेकर निर्माता पक्ष के साथ बातचीत अटक गई और बात यहां तक पहुंच गई कि एक्टर ने फिल्म से दूरी बना ली।

इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने अक्षय खन्ना के फैसले को सही ठहराया। उनका कहना है कि जिस अभिनेता ने हालिया ब्लॉकबस्टर में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई हो, उसकी वैल्यू बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं कुछ फैंस इस खबर से मायूस भी नजर आए, क्योंकि वे 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में अक्षय खन्ना को एक बार फिर देखना चाहते थे। कई यूजर्स ने यह भी लिखा कि अक्षय जैसे कलाकार को और ज्यादा मजबूत और चुनौतीपूर्ण किरदार मिलने चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि सूत्रों के अनुसार, बातचीत अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मेकर्स और अक्षय खन्ना के बीच चर्चा जारी बताई जा रही है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि अभिनेता वाकई 'दृश्यम 3' से बाहर हो चुके हैं या आने वाले दिनों में कोई बीच का रास्ता निकल आएगा।

प्रतीक बब्बर के साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार रहा

पॉपुलर वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज के चौथे और अंतिम सीजन में एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी ने अपने पति प्रतीक बब्बर के साथ स्पेशल कैमियो किया है। यह शादी के बाद कपल का पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है। प्रिया ने बात करते हुए इस अनुभव को मजेदार बताया। प्रिया ने कहा, प्रतीक के साथ जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने के बाद स्क्रीन शेयर करना काफी खास लगा। शादी की तस्वीरें वायरल होने के बाद मेकर्स ने इस छोटे कैमियो के लिए उनसे संपर्क किया था। प्रिया ने बताया, प्रतीक चाहता था कि मैं यह प्रोजेक्ट करूं, क्योंकि यह उनके सबसे पसंदीदा शो में से एक है। यह फैसला भी मैंने अचानक से लिया। मैंने सच में यह सिर्फ मजे और उनके साथ उस पल को स्क्रीन पर शेयर करने की खुशी के लिए किया। फोर मोर शॉट्स प्लीज का चौथा सीजन हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ है, जो सीरीज का फाइनल सीजन है। इसमें मुख्य किरदारों के साथ प्रतीक अहम भूमिका में हैं, जबकि प्रिया का कैमियो दर्शकों के लिए सरप्राइज है। यह सीरीज चार महिलाओं की जिंदगी, दोस्ती, प्यार और चुनौतियों पर आधारित है।

प्रिया इससे पहले भी प्रतीक के साथ काम कर चुकी हैं। इसी साल अक्टूबर में

प्रतीक और प्रिया ने एक फैशन इवेंट में शानदार सफेद आउटफिट्स में साथ रैंप वॉक किया था। जब उनसे पूछा गया कि पत्नी के साथ या किसी दूसरी एक्ट्रेस के साथ रैंप वॉक ज्यादा मजेदार लगता है, तो प्रतीक ने बताया था कि प्रिया के साथ रैंप पर चलना उन्हें आत्मविश्वास के साथ खुशी भी देता है, जो किसी और के साथ नहीं मिलती। प्रिया और प्रतीक ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में घर पर शादी की थी। कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कर प्रशंसकों को जानकारी दी थी।

सलमान खान के साथ काम करने पर बोलीं चित्रांगदा सिंह

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स सोशल मीडिया पर छा चुकी है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह की एक्टिंग को बहुत सराहा जा रहा है। अब अभिनेत्री ने फिल्म में अपने किरदार और सलमान खान के साथ आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर भी जानकारी शेयर की है। अपने किरदार और फिल्म पर बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने कहा कि फिल्म में उनके किरदार में दुख है, टेंशन है, सस्पेंस है, और पावर भी है। एक ही समय पर एक किरदार अलग-अलग इमोशंस से जूझ रहा है, और मेरे लिए एक एक्ट्रेस होने के नाते, मुझे इस किरदार के जरिए अपनी कला को दिखाने का मौका मिला है।

अपनी फिल्म को मिल रही तारीफ को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि ये दर्शकों का प्यार और हमारी टीम की मेहनत है, जहां दर्शकों ने हर किरदार को प्यार दिया है। मैं सबसे ज्यादा श्रेय राइटर्स को दूंगी, क्योंकि उन्होंने एक-एक लाइन को ऐसा लिखा है कि कुछ बदलाव करने की जरूरत ही नहीं थी और फिल्म थ्रिलर थी, तो किरदार के साथ एक्सपेरिमेंट भी नहीं कर सकते हैं। राइटर्स ने एक-एक डायलॉग को बहुत अच्छे से लिखा है, जिसने कहानी को अच्छे से आगे बढ़ाया है। हाउसफुल 5 और रात अकेली है की शूटिंग करते वक्त अपने इमोशंस और किरदार पर पकड़ बनाने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि ये हो जाता है, क्योंकि सेट पर जो वाइब होती है, वह आपको किरदार में ढलने में मदद करती है और इससे परफॉर्मेंस पर भी फर्क पड़ता है। मुझे बहुत मजा आ रहा था कि एक साथ दो अलग-अलग किरदार निभाने का मौका मिला।

सलमान खान के साथ फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में काम करने के अनुभव पर अभिनेत्री ने कहा, गलवान फिल्म सिर्फ फिल्म नहीं है, ये एक इमोशन है क्योंकि फिल्म में मसाला देखने को नहीं मिलेगा। फिल्म में कई ऐसे सीन्स हैं जो आपको इमोशनल कर देंगे। ये एक कमर्शियल फिल्म है और उम्मीद है कि इससे मेरा करियर और बेहतर होगा। उन्होंने ये भी बताया कि वे गलवान के साथ-साथ एक स्पोर्ट्स बायोपिक को भी प्रोड्यूस कर रही हैं, लेकिन फिल्म के नाम का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

फिल्म बॉर्डर 2 के लिए अहान शेट्टी ने जमकर बहाया पसीना

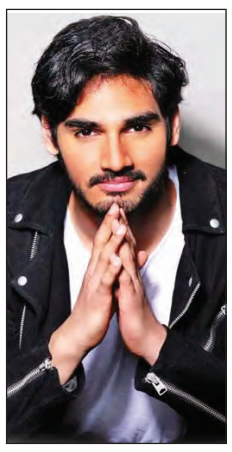

फिल्म बॉर्डर 2 का टीजर रिलीज हो चुका है और इसके रिलीज के बाद से ही अहान शेट्टी चर्चा के केंद्र में हैं। फिल्म के टीजर से यह साफ है कि यह फिल्म सिर्फ एक सीक्वल नहीं, बल्कि एक नए दौर के एक्शन हीरो की दस्तक है। इसमें अहान शेट्टी की मौजूदगी पहली ही झलक में असर डालती है। फिल्म के टीजर में उनकी लंबी कद-काठी, भारी आवाज और स्क्रीन पर ठहराव से वो दर्शकों को प्रभावित करते हुए नजर आ रहे हैं, हालांकि ये सिर्फ लुक्स का नतीजा नहीं है। बॉर्डर 2 के लिए अहान ने महीनों तक सख्त अनुशासन में खुद को ढाला। उन्होंने फंक्शनल स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, खेलों के जरिए स्टैमिना बढ़ाया और आधुनिक रिकवरी तकनीकों को अपनाया। फिल्म में सैनिक का किरदार निभाने के लिए अहान ने कड़ी ट्रेनिंग का सहारा लिया है। फिल्म में अपने किरदार पर बात करते हुए अहान ने कहा, सेना की वर्दी पहनना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। उनके लिए 'बॉर्डर 2' किसी करियर माइलस्टोन से ज्यादा, उन असली सैनिकों को सलाम है जो देश के लिए यह वर्दी पहनते हैं। अहान की फिल्म के टीजर में दमदार स्क्रीन प्रेजेंस ने न सिर्फ दर्शकों का ध्यान खींचा है, बल्कि यह साफ कर दिया है कि बॉलीवुड की एक्शन थ्रिलर के नए सुपरस्टार अब आ चुके हैं।

धुरंधर में अपने भयानक किरदार को लेकर क्या सोचते हैं अर्जुन

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। रणवीर सिंह की अदाकारी वाली इस फिल्म में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन जैसे दमदार कलाकार नजर आ रहे हैं। अपनी मजबूत कहानी, जबरदस्त अभिनय और बेहतरीन म्यूजिक की वजह से इसे पूरे देश में दर्शकों का प्यार मिल रहा है।

धुरंधर में अर्जुन रामपाल की भूमिका

फिल्म में अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है, जो एक निर्दयी आईएसआई मास्टरमाइंड है। उनके इस रोल को लेकर काफी तारीफ हो रही है। ग्रेजिया इंडिया से बातचीत में अर्जुन रामपाल ने बताया कि इस तरह का किरदार निभाना उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल था। वह शूटिंग खत्म होते ही इस रोल से बाहर आना चाहते थे।

किरदार से बाहर आना चाहते थे अर्जुन रामपाल

अर्जुन रामपाल ने कहा मैं इस किरदार से जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलना चाहता था। यह फिल्म करना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि यह एक अहम कहानी पर बनी है। किसी घटना को बाहर से देखना अलग बात है, लेकिन पर्दे के पीछे क्या हुआ, उसे दिखाना ज्यादा रोमांचक होता है। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत बुरा लगता था क्योंकि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूं, लेकिन यही एक अभिनेता का काम होता है और उसे उस किरदार में पूरी तरह उतरना पड़ता है।

गिफ्ट के नाम पर मुझे तलाक का नोटिस मिला

बीते दिनों जब सेलिना जेटली भारत लौटीं, तो उन्होंने कहा, मैंने खुद को, अपने सम्मान और स्वाभिमान को बचाया था। साल 2010 में उनकी शादी हुई थी और उसके बाद से ही वह ऑस्ट्रिया में रह रही थीं, अब निजी जिंदगी के बुरे अनुभव के बाद वह मुंबई लौटी हैं। उन्होंने अपने पति पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस दर्ज करवाया है। इसके अलावा वह 2024 से ही काफी परेशानियों का सामना कर रही हैं।

आप सोशल मीडिया पर अपने बच्चों विंस्टन, विराज, आर्थर के साथ मजेदार विडियो शेयर करती थीं। हालांकि अब लगता है कि कहानी उतनी अच्छी नहीं है। आपने हाल ही में माना था कि सालों से आपकी शादीशुदा जिंदगी में दरार थी। आप कितने समय से इस नाखुश शादी में जी रही हैं?

सोशल मीडिया पर जो नजर आता है वो असल जिंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा होता है। दुनिया को पता चलने से पहले ही मैं कई सालों से इस खराब शादी से जूझ रही थी। बाकी महिलाओं की तरह ही मैंने भी अपने बच्चों की वजह से चीजों को सामान्य बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन निजी तौर पर मैं बहुत मुश्किल चीजों का सामना कर रही थी।

क्या आपको इस बात का पछतावा होता है कि आप इतने साल तक इस बुरे रिश्ते में क्यों थीं, और क्या आपको लगता है कि आपको पहले ही भारत वापस आ जाना चाहिए था?

मुझे अपने परिवार को एक साथ रखने की किसी भी कोशिश का कोई पछतावा नहीं है। अपने माता-पिता को खोने के बाद, दूर जाने या खुद के लिए खड़े होना, जैसी चीजों के लिए भी मैं असुरक्षित महसूस करने लगी थी। मैं पहले ही अपने भावनात्मक रूप से सहारा देने वाले अपने करीबी लोगों को खो चुकी थी, और मुझे सब कुछ खोने का डर रहता था, खासतौर पर अपनी फाइनेंशियल आजादी और अपने बच्चे। मुझे अपने बच्चों को अपना एक घर देना था, जिस कल्चर में वह पले-बढ़े थे, उसका सम्मान बरकरार रखना था। इसके साथ ही मुझे ये जिम्मेदारी भी महसूस हुई कि उन्हें अचानक से ऐसे माहौल से दूर ना किया जाए जहां वह घर जैसा फील करते थे, जिनमें उनका स्कूल, रूटीन और उनकी पूरी दुनिया बसी हुई थी। मुझे खुद को सुरक्षित करने के बारे में तभी सोच सकती थी, जब मैं खुद को इन सब चीजों से सिक्योर कर पाती।

आपके भाई मेजर (सेवानिवृत्त) विक्रांत कुमार जेटली, सितंबर से अबू धाबी में हिरासत में हैं। क्या उन्हें वहां से निकालने की इस लड़ाई में आप अकेली रही हैं? इस मामले में क्या कुछ चल रहा है? आपने आखिरी बार उनसे कब बात की थी?

मैं पूरी तरह से अकेली नहीं हूं, लेकिन मैं कानूनी और कूटनीतिक रास्ते को लेकर लगातार हर संभव कोशिश कर रही हूं। मामला काफी सेंसटिव है, और अभी भी चल ही रहा है और इस बारे में जानकारी को लेकर भी मुझे सतर्क रहना होगा। मेरे भाई के साथ मुझे संपर्क करने की पूरी आजादी न होना, मेरे लिए सबसे तकलीफ देने वाले पहलुओं में से एक है।

क्या आप भारत में एक नई जिंदगी की शुरुआत करने के लिए आई हैं?

मेरा भारत आना कोई विकल्प नहीं था, बल्कि मेरे लिए जरूरी था। मैं खुद को, अपने सम्मान और स्वाभिमान को बचाना चाहती थी। गिफ्ट के नाम पर मुझे तलाक का नोटिस मिलने के बाद, मुझे ये जानकर गहरा सदमा लगा कि शादी होने के बाद भी मेरी आजादी को छीने जाने की और कोशिशें की जा रहीं थीं। अपने होम ग्राउंड पर वापसी से मुझे मजबूती से खड़े होने, सिर ऊंचा करके लड़ाई लड़ने और अपनी आवाज को वापस पाने का मौका मिला है।

क्या आप एक्टिंग में कमबैक का प्लान बना रही हैं?

मेरा काम सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं है, यह एक्सप्रेशन का एक तरीका है। मेरा काम ही है जो मुझ इमोशनली, फाइनेंशियली, साइकोलॉजिकली और दूसरे कई तरीकों से बचा रहा है। इसके लिए मैं शुक्रगुजार हूं। यह मेरे काम और मकसद को जिंदा रखता है।

आप पिछले कुछ साल से मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। इन अनुभवों ने कैसे आपके अंदर छुपी ताकत और खुद की कीमत पहचानने जैसी चीजों के लिए समझ को कैसे बदला है?

पिछले कुछ साल ने मुझसे वो सब छीन लिया जो बाहर से दिखता था। मुझे यह देखने के लिए मजबूर किया कि मैं असल में कौन हूं। मैंने सीखा है कि अंदर की ताकत शांत और बनी रहती है, वो दिखावा नहीं करती। आज मेरी अपनी खुद की वैल्यू ये है कि मैं अपने लिए, अपने बच्चों और परिवार की वैल्यूज के लिए तब भी खड़ी रहूं, जब बहुत वहां खड़ा होना मुश्किल और डरावना हो।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार

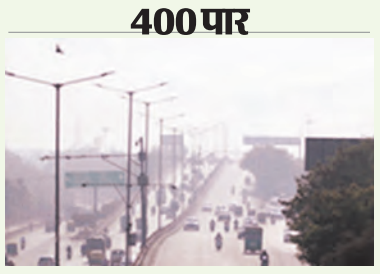

नोएडा, एजेंसी। झराष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को फिलहाल प्रदूषण से कोई राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया है। आंकड़ों के अनुसार कई स्थानों पर एक्यूआई 400 के पार पहुंच चुका है, जो स्वास्थ्य के लिहाज से अत्यंत खतरनाक माना जाता है। नोएडा की बात करें तो सेक्टर-1 में एक्यूआई 410 दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है। वहीं, सेक्टर-116 में एक्यूआई 386, सेक्टर-125 में 367 और सेक्टर-62 में 347 रिकॉर्ड किया गया। ये सभी आंकड़े साफ तौर पर दिखाते हैं कि नोएडा के अधिकांश हिस्से गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इस स्तर का प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों के लिए अत्यधिक जोखिम भरा है। दिल्ली में भी हालात कुछ बेहतर नहीं हैं। विवेक विहार में एक्यूआई 422 दर्ज किया गया, जो सबसे ज्यादा प्रदूषित इलाकों में शामिल है। इसके अलावा, शादिपुर में एक्यूआई 408, रोहिणी में 406, वजीरपुर में 398, आर.के. पुरम में 367, सोनिया विहार में 366, सिरीफोर्ट में 364, पूसा (डीपीसीसी) में 361, पूसा में 327 और श्री अरबिंदो मार्ग में 315 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। राजधानी के लगभग सभी प्रमुख इलाकों में हवा सांस लेने लायक नहीं रह गई है। गाजियाबाद में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वसुंधरा क्षेत्र में एक्यूआई 428 दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी से भी ऊपर है। लोनी में एक्यूआई 391, संजय नगर में 375 और इंदिरापुरम में 349 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। इससे साफ है कि पूरे एनसीआर में प्रदूषण का स्तर एक समान रूप से खतरनाक बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में हालात और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। 27 और 28 दिसंबर को सुबह के समय घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। इन दिनों अधिकतम तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6 से 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। नमी का स्तर 95 प्रतिशत तक पहुंच सकता है, जिससे प्रदूषण और कोहरे का असर और गहरा होगा।

एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात विनय त्यागी की उपचार के दौरान मौत

ऋषिकेश, एजेंसी। एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात विनय त्यागी की उपचार के दौरान आज घटना के तीसरे दिन मौत हो गई। उसका ट्रॉमा सेंटर मे उपचार चल रहा था। पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट में पेशी पर जाते समय बदमाशों ने पुलिस के वाहन पर फायरिंग की थी। इस दौरान विनय त्यागी के सीने, हाथ और गले में गोली लगी थी। एम्स के पीआरओ श्रीलॉय मोहंती ने विनय त्यागी की मौत की पुष्टि की है। वारदात बुधवार की दोपहर करीब एक बजे लक्सर-हरिद्वार हाईवे पर ओवर ब्रिज की थी। रुड़की कारागार में बंद मेरठ निवासी कुख्यात बदमाश विनय त्यागी की धोखाधड़ी के एक मामले में लक्सर एसीजेएम कोर्ट में पेशी थी। कारागार से चालक सहित छह पुलिसकर्मी सरकारी टाटा सूमो वाहन में उसे पेशी पर लक्सर लेकर आ रहे थे। इस दौरान जब वह फ्लाई ओवर के मध्य पहुंचे तो यहां जाम के दौरान सामने वाहन होने के कारण उन्हें वाहन को रोकना पड़ा। इसी दौरान यहां पहले से घात लगाकर मौजूद दो बाइक पर सवार नकाबपोश बदमाशों ने पुलिस के वाहन पर अंधाधुन गोलियां बरसा दी। वाहन में मौजूद विनय त्यागी को तीन गोलियां लगी, वह वाहन में ही गिर गया जबकि पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे। हालांकि दो पुलिसकर्मियों को चोट आई। इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता बदमाश भीड़ के बीच हथियार लहराते हुए मौके से भाग निकले। घायल अवस्था में विनय त्यागी को लक्सर सीएचसी ले जाया गया। वारदात की सूचना पर एसपी देहात शेखर चंद सुयाल, सीओ नताशा सिंह, कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण, मंगलौर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह, खानपुर एसओ धर्मेंद्र राठी सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

पश्चिमी विक्षोभ का असर, शुरू हुई बर्फबारी

आज राज्य के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है

शिमला, एजेंसी। बर्फबारी को तरस रहे हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों शिमला, कुफरी और मनाली में एक बार फिर उम्मीद जगी है कि नए साल का आगाज बर्फ की सफेद चादर के साथ हो सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश के मौसम में बदलाव दर्ज किया गया है और आज राज्य के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर और चंबा जिले की ऊंची पर्वत श्रंखलाओं में बीती रात से रुक-रुक कर बर्फ गिर रही है। इससे इन क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड बढ़ गई है। वहीं राजधानी शिमला, कुफरी और मनाली में सुबह से घने बादल छाए हैं। मौसम के मिजाज से इन हिल स्टेशनों में भी बर्फबारी की उम्मीद मजबूत हुई है। मौसम विभाग ने 30 और 31 दिसंबर तथा 1 जनवरी को राज्य के पहाड़ी और उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई है।

खास बात यह है कि शिमला, कुफरी और मनाली जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर अभी तक इस सीजन की पहली बर्फबारी नहीं हुई है। राजधानी शिमला में लगातार चौथा साल ऐसा है जब दिसंबर महीने में बर्फ नहीं गिरी है, जिससे क्रिसमस पर यहां उमड़े हजारों सैलानियों को मायूसी हाथ लगी। क्रिसमस के दौरान बर्फबारी न होने से पर्यटकों का उत्साह फीका रहा, लेकिन अब नए साल के मौके पर बर्फ गिरने की आस फिर से जाग गई है और होटल व पर्यटन कारोबार से जुड़े लोग भी इसी उम्मीद में हैं।

मौसम विभाग के अनुसार 27, 28 और 29 दिसंबर को प्रदेश में मौसम अधिकतर साफ और शुष्क रहने की संभावना है, हालांकि इस दौरान मैदानी और निचले इलाकों में घने कोहरे का असर बना रहेगा। विभाग ने निचले व मैदानी क्षेत्रों के लिए इन तीन दिनों के लिए घने से बहुत घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सुबह और देर रात बिलासपुर, मंडी और आसपास के इलाकों में कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो सकती है। आज सुबह सुंदरनगर में दृश्यता 70 मीटर और मंडी में 120 मीटर तक दर्ज की गई, जबकि बिलासपुर में हल्का कोहरा छाया रहा। तापमान में भी लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान माइनस 3.8 डिग्री सेल्सियस और कुकुमसेरी में माइनस 2.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा।

दूसरी शादी के बाद भी डकार रहीं थीं विधवा पेंशन, अब एक-एक पाई वसूल करेगी सरकार

कानपुर, एजेंसी। यूपी के कानपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां 33 विधवाएं दोबारा शादी करने के बावजूद विधवा पेंशन का लाभ उठा रही थीं। जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा किए गए सत्यापन में यह पोल खुली, जिसके बाद इन महिलाओं की पेंशन रोक दी गई और रिकवरी के आदेश जारी किए गए हैं। जिला प्रोबेशन विभाग विधवाओं को प्रति माह 1000 रुपये पेंशन देता है। जिले में कुल 73,436 विधवाएं इस लाभ का फायदा उठा रही हैं। जांच में सामने आया कि 33 महिलाओं ने दूसरी शादी कर ली, बावजूद इसके पेंशन का लाभ उठाया। सत्यापन के दौरान पाया गया कि बिल्हौर में 6, बिधनू में 6, पतारा में 6, कल्याणपुर और घाटमपुर में 5-5, शिवराजपुर में 4 और सरसौल में 1 महिला ने फर्जी तरीके से पेंशन का लाभ लिया। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि महिलाओं के नाम सूची से काट दिए गए हैं और पेंशन तत्काल बंद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अब सरकार इन महिलाओं से एक-एक पाई वसूल करेगी। इस कार्रवाई के माध्यम से जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि दोबारा शादी करने वाली महिलाओं को विधवा पेंशन का गलत लाभ लेने की अनुमति नहीं है। विभाग ने भविष्य में नियमित सत्यापन और निगरानी बढ़ाने का भी संकेत दिया है, ताकि ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

सरगुजा की यूट्यूबर आकांक्षा टोप्पो गिरफ्तार

मंत्री व विधायक के खिलाफ वीडियो बनाना पड़ा भारी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की यूट्यूबर/इन्फ्लूएंसर आकांक्षा टोप्पो को सरगुजा पुलिस ने सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। सीतापुर थाने की पुलिस ने धारा 353 (2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज करके मामले की विवेचना को जारी रखा है। थाना सीतापुर पुलिस ने बताया कि आरोपी युवती ने महिला एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो के खिलाफ अपने एक वीडियो में आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इस दौरान उसने राजवाड़े के विभाग से जुड़े तथ्यों पर भी भ्रामक जानकारी दी थी, जो कि एक दिव्यांग के परिवार की जमीन पर आंगनबाड़ी लगाने के संबंध में है। पुलिस ने इस बारे में एक बयान जारी किया, हालांकि उसने शिकायतकर्ता के बारे में जानकारी नहीं दी है। इस गिरफ्तारी के बाद प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। कांग्रेस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से जनहित से जुड़े सवाल उठाना अपराध नहीं हो सकता। पार्टी का आरोप है कि भाजपा सरकार आलोचना से डरकर दमनकारी कार्रवाई कर रही है और जनता की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उधर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष अमित जोगी ने आकांक्षा की गिरफ्तारी के विरोध में सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं, बहन आकांक्षा टोप्पो जी की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करता हूँ।

अदालत को मेरे चरित्र पर लांछन लगाने का कोई अधिकार नहीं: महबूबा मुफ्ती

जम्मू, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कैदियों की जेल बदलने पर बड़ा बयान दिया। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि यह आश्चर्यजन है कि जम्मू-कश्मीर के कैदियों को अन्य जगहों की जेलों से वापस घर लाने के आग्रह वाली उनकी याचिका को उच्च न्यायालय में खारिज कर दिया गया। स्थानीय कैदियों के स्थानांतरण का आग्रह करते हुए महबूबा मुफ्ती की ओर से दायर जनहित याचिका को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। एचसी ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि इसे राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए दायर किया गया है। महबूबा ने श्रीनगर में संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'अदालत का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण और आश्चर्यजनक है।' महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उच्च न्यायालय का कहना है कि कोई भी आम आदमी जनहित याचिका दायर कर सकता है, लेकिन चूंकि वह एक राजनीतिक नेता हैं, इसलिए उनकी जनहित याचिका राजनीतिक कारणों से है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'उच्च न्यायालय यह भूल रहा है कि राजनीतिक नेता जमीनी हकीकतों से गहराई से जुड़े रहते हैं। मैं एक राजनीतिक नेता होने के नाते जम्मू-कश्मीर के लोगों की स्थिति से भली-भांति परिचित हूं। गरीब लोग जेल में बंद अपने परिजनों से मिलने नहीं जा सकते। वे अपना मुकदमा कैसे लड़ेंगे!' पीडीपी प्रमुख ने यह भी सवाल उठाया कि अदालत ने इस मामले का स्वतः संज्ञान क्यों नहीं लिया। महबूबा मुफ्ती किस बात पर हुई नाराज पीडीपी चीफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि अदालत को मेरे चरित्र पर लांछन लगाने का अधिकार नहीं है। राजनीतिक नेता के रूप में मुझे कोई भी मुद्दा उठाने का पूरा अधिकार है। अदालत को स्वतः संज्ञान लेना चाहिए था। उसे सरकार से पूछना चाहिए था कि कितने विचाराधीन कैदी जेलों में हैं और उन्हें किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।' जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अदालत में चर्चा उनके पेशे से परे इस मुद्दे पर होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, 'अदालत ने मेरा मामला खारिज करने के लिए अजीब तर्क दिए हैं। यह फैसला तर्क पर आधारित होना चाहिए था, लेकिन मुझे खेद है कि अदालत ने ऐसा फैसला सुनाते हुए कहा कि मैं राजनीति कर रही हूं। अनुच्छेद 21 के तहत हमें इन मुद्दों को उठाने और अदालतों में जाने का मौलिक अधिकार है।' महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनकी पार्टी इस मुद्दे को खत्म नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि उनकी मांग केवल उन कैदियों को स्थानांतरित करने तक सीमित थी, जिन्हें दोषी नहीं ठहराया गया है और इस फैसले ने न्यायपालिका में विश्वास को ठेस पहुंचाई है। बलात्कार के दोषी भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा निलंबित किए जाने के बारे में पूछे जाने पर महबूबा ने आरोप लगाया कि न्यायपालिका का राजनीतिकरण कर दिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ न्यायाधीश अब भी सत्ता के सामने खड़े होने को तैयार हैं। उनका इशारा सूरजपुर जिला न्यायालय की ओर से अखलाक मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप वापस लेने से इनकार किए जाने की ओर था। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश सौरभ द्विवेदी ने सरकार से लड़ाई लड़ी और उनसे कहा कि वे मामला वापस नहीं ले सकते, तथा आदेश दिया कि इसकी सुनवाई प्रतिदिन की जाए।

चाचा-भतीजा हुए एकजुट तो एनसीपी में ही शुरू हो गया विरोध, शरद पवार गुट छोड़ कांग्रेस में लगाई छलांग

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के सबसे राजनीतिक परिवार पवार फैमिली में फिर से एका होता नजर आ रहा है। दरअसल, उप मुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और शरद पवार गुट वाली एनसीपी ने पुणे महानगर पालिका चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला किया है। शुक्रवार को दोनों दलों के नेताओं ने सीट बंटवारे पर चर्चा की। इस बीच, शरद पवार गुट में इस गठबंधन का विरोध होने लगा है। पुणे के पूर्व महापौर और एनसीपी(शरदचंद्र पवार) की नगर इकाई के अध्यक्ष प्रशांत जगताप ने इस गठबंधन का विरोध करते हुए पार्टी छोड़ दी है और वो शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए।

कांग्रेस का कहना है कि इस कदम से 15 जनवरी को होने वाले महाराष्ट्र में महानगरपालिकाओं के चुनावों से पहले पार्टी को मजबूती मिलेगी। जगताप, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की उपस्थिति में पार्टी मुख्यालय तिलक भवन में कांग्रेस में शामिल हुए। प्रशांत जगताप के साथ पुणे से एनसीपी शरद गुट के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी कांग्रेस में शामिल हो गए। सपकाल ने जगताप का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस शिवाजी महाराज, शाहू महाराज, ज्योतिबा फुले और बी.आर. आंबेडकर की वैचारिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती है व वैचारिक संघर्ष के लिए प्रतिबद्ध है। सपकाल ने कहा, 'आजकल कुछ राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए सिर्फ सत्ता और धन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। लोग आमतौर पर चढ़ते सूरज को नमस्कार करते हैं, लेकिन प्रशांत जगताप वैचारिक कारणों से कांग्रेस में शामिल हुए हैं। ' कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि जगताप ने 'सांप्रदायिक ताकतों' के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया और विचारधारा से समझौता किए बिना कांग्रेस को चुना। उन्होंने कहा, 'जगताप को कई प्रस्ताव दिए गए लेकिन वह प्रगतिशील मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहे। अगर ऐसे नेता हमारे साथ खड़े रहेंगे, तो 2029 हमारा होगा।'

चमोली: औली से लौट रहे छात्रों की स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलटी, सभी सुरक्षित

चमोली, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली में शनिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में छात्रों से भरी एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि सभी छात्र सुरक्षित हैं। यह हादसा अनिमठ-हेलंग के पास हुआ। चमोली पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग 5:45 बजे औली से वापस लौट रहे छात्रों की एक स्कॉर्पियो वाहन अनिमठ-हेलंग के पास सड़क किनारे अनियंत्रित होकर पलट गई। वाहन संख्या यूके 08 एके 0468 में कुल छह छात्र सवार थे। सभी छात्र देहरादून के मंडुवाला के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हादसे में वाहन चालक को हल्की और सामान्य चोटें आई हैं, जबकि वाहन में सवार अन्य सभी छात्र पूरी तरह सुरक्षित हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस बल, 108 एंबुलेंस सेवा और आर्मी के जवान तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव का कार्य शुरू किया। घायलों को मौके पर ही आवश्यक प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। पुलिस की ओर से सभी छात्रों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए वैकल्पिक वाहन की व्यवस्था भी की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, वाहन में सवार युवकों की पहचान वाहन चालक सागर (20), गौरव (19), शशांक भट्ट (19), अभिषेक केशरवानी (19), शिवम (19) और दक्ष (19) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सभी युवक देहरादून स्थित देवभूमि इंस्टिट्यूट में बीबीए के छात्र हैं और औली भ्रमण के लिए आए थे।

इससे पहले, 4 दिसंबर को अल्मोड़ा के ताकुला हाईवे पर एक बड़ा हादसा हुआ था। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। जानकारी के अनुसार, सिरकोट से करीब एक किलोमीटर आगे डांठ गधेरे के पास एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इसके बाद, अगले दिन पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने कटर की मदद से कार का दरवाजा काटकर युवक को रेस्क्यू किया था।

बीएमसी चुनाव को लेकर सुलझी महायुति की गुत्थी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर भाजपा और शिवसेना के बीच सीटों को लेकर उलझी गुत्थी सुलझ गई है। भाजपा विधायक अमित साटम ने शुक्रवार को शिवसेना और बीजेपी के बीच किसी भी तरह के सीट बंटवारे के विवाद को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर अब कोई मतभेद नहीं है और महायुति गठबंधन बीएमसी की सभी 227 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। इसके अलावा बाकी 27 सीटों के लिए फैसला सामने खड़े उम्मीदवार के आधार पर किया जाएगा।

एएनआई से बात करते हुए साटम ने कहा, 'शिवसेना के साथ एक बैठक हुई थी। इसमें तय किया गया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संयुक्त बैठकें कहां होंगी। चुनाव प्रचार से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। सीट बंटवारे को लेकर कोई विवाद नहीं है। महायुति गठबंधन सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। 200 से अधिक सीटों पर सहमति बन गई है। बाकी 27 सीटों पर भी जल्दी फैसला हो जाएगा।

इससे पहले महाराष्ट्र में ठाकरे भाइयों के गठबंधन में बीएमसी चुनाव को एक नया मोड़ दे दिया है। सत्तारुढ़ महायुति गठबंधन ने ठाकरे भाइयों के इस पुनर्मिलन को राजनीतिक रूप से महत्वहीन करार दिया। वहीं, ठाकरे समर्थक इसे ऐतिहासिक क्षण करार दे रहे हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का नेतृत्व करने वाले राज ठाकरे ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, 'उन ताकतों को दफ्न करने के लिए है, जो मुंबई और उसके आसपास के मराठी लोगों के अस्तित्व को मिटाने की कोशिश कर रही हैं और कल के दिन अन्य राज्यों में भी ऐसा ही करेंगी।' मनसे प्रमुख ने भरोसा दिलाया कि मुंबई का मेयर मराठी ही होगा। मराठी एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी ने नकारात्मक प्रचार किया। बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारों के जरिए मराठी लोगों के बीच फूट डालने की कोशिश की गई।

खाप पंचायत का फरमान- किशोरों के स्मार्टफोन पर बैन

लड़के-लड़कियों के हाफ-पैंट पहनने पर भी रोक

बागपत, एजेंसी। यूपी के बागपत जिले की खाप पंचायत ने किशोरों के लिए स्मार्टफोन और लड़कों-लड़कियों दोनों के लिए हाफ-पैंट पर पाबंदी लगाने का फैसला किया है। पंचायत ने इसे पश्चिमी प्रभावऔर सांस्कृतिक मूल्यों की सुरक्षा के लिए जरूरी बताया। साथ ही, पंचायत ने शादियों के लिए भी नई गाइडलाइन लागू की हैं।

पंचायत की गाइडलाइन के मुताबिक विवाह समारोह केवल गांव या घर में आयोजित होंगे, मैरिज हॉल में नहीं। इसके अलावा अतिथि सूची सीमित होगी और खर्च नियंत्रित रखा जाएगा। अब शादी के निमंत्रण व्हाट्सएप के माध्यम से भेजे जाएंगे। वहीं, 18 से 20 साल से कम उम्र के किशोरों के लिए स्मार्टफोन का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए हाफ-पैंट पर रोक होगी। पंचायत का कहना है कि यह कदम पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने और अवांछित प्रथाओं को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

खाप सदस्य चौधरी ब्रजपाल सिंह ने कहा, 'समाज का निर्णय सर्वोपरि है। राजस्थान में लिए गए फैसले की हम भी सराहना करते हैं। बच्चों को परिवार और बुजुर्गों के साथ बैठकर उचित शिक्षा और सामाजिक मार्गदर्शन मिलना चाहिए। 18-20 साल के लड़कों को फोन की ज़रूरत नहीं है। इस फैसले को बढ़ावा देने के लिए गांवों में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।' वहीं, दगड़ खाप के चौधरी ओमपाल सिंह ने कहा, 'लड़कियों को मोबाइल देने से गलत आदतें पड़ सकती हैं। यही नियम लड़कों पर भी लागू होगा। फोन केवल घर में ही रखा जाना चाहिए। ' स्थानीय निवासी नरेश पाल ने कहा, 'यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। स्कूल में मोबाइल अलग है।

विजय हजारे ट्रॉफी में तीसरा मैच भी खेलेंगे कोहली!

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी में विराट कोहली और रोहित शर्मा की बैटिंग का फैंस ने खूब आनंद लिया. 24 दिसंबर को दोनों ने अपने-अपने पहले मैच में शतकीय पारी खेली थी. वहीं दूसरे मैच में विराट ने 77 रन बनाए, लेकिन रोहित गोल्डन डक का शिकार बने थे. अब सवाल है कि क्या रोहित और विराट, फिर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे क्योंकि यह टूर्नामेंट 18 जनवरी तक चलने वाला है.

विराट एक और मैच के लिए तैयार!

एक अन्य रिपोर्ट अनुसार विराट कोहली भी पहले रोहित शर्मा की तरह विजय हजारे ट्रॉफी में 2 ही मैच खेलने वाले थे. लेकिन वो अब 6 जनवरी को रेलवे के खिलाफ मैच में खेलते दिख सकते हैं. रिपोर्ट अनुसार फिलहाल विराट बेंगलुरु से चले गए हैं, लेकिन उनकी वापसी की उम्मीद बरकरार है. बताया जा रहा है कि विराट कोहली के कपड़े और सामान अभी दिल्ली टीम के साथ ही हैं. वहीं विराट कोहली 6 जनवरी को दिल्ली टीम के लिए खेलेंगे या नहीं, यह भारतीय टीम के ट्रेनिंग कैम्प पर निर्भर करेगा. क्योंकि 11 जनवरी से भारत बनाम न्यूजीलैंड 3 मैचों की ह्लष्ठढ्ढ सीरीज शुरू हो रही है. विराट अभी तक विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के दो मैचों में 208 रन बना चुके हैं.

दुनिया की नंबर-1 कप्तान बनीं हरमन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम को तीसरे टी20 में शुक्रवार को हराकर 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

श्रीलंका के खिलाफ भारतीय महिला टीम लगातार चौथी टी20 सीरीज जीती। वह सिर्फ एक बार श्रीलंका से टी20 सीरीज हारी है। ऐसा 2014 में हुआ था जब दोनों टीमों ने भारत में पहली सीरीज खेली थी।

इस जीत के साथ हरमनप्रीत कौर दुनिया की सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली महिला टी20 कप्तान बन गईं। हरमनप्रीत कौर ने लगातार तीसरे मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और भारतीय टीम ने पूरे मैच में दबदबा दिखाया। रेणुका ठाकुर की 4 विकेट और दीप्ति शर्मा की 3 विकेट के बदौलत भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम को 20 ओवर में 7 विकेट पर 112 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद शैफाली वर्मा की लगातार दूसरे तूफानी अर्धशतक की मदद से 13.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

हालांकि, भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना की फॉर्म चिंताजनक है। लगातार तीसरे मैच में वह फेल रहीं।

हरमनप्रीत कौर ने भारत की टी20 कप्तान के तौर 77 वीं जीत हासिल की। इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग से आगे निकल गईं।

हरमन ने 130 मैच में कप्तानी की है। लेनिंग ने 100 मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली थी इंग्लैंड ने हीथर नाइट की कप्तानी में 96 मैचों में 72 में जीत हासिल की। इंग्लैंड ने चार्लोट एडवर्ड्स ने 93 मैचों में 68 में जीत हासिल की।

शैफाली वर्मा पिछले दो मैच से नहीं हुई आउट

शैफाली वर्मा पिछले दो मैच से आउट नहीं हुई हैं। पहले मैच में शैफाली ने 9 रन बनाए थे। शैफाली ने दूसरे मैच में 34 गेंद पर 11 चौके और 1 छक्के की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। तीसरे मैच में शैफाली वर्मा ने 42 गेंद पर 11 चौके और 3 छक्के की मदद से 79 रन बनाए।

स्मृति मंधाना ने बढ़ाई चिंता

भारतीय महिला टीम के लिए चिंता का विषय उप-कप्तान स्मृति मंधाना की फॉर्म है। अगले साल टी20 वर्ल्ड कप होना है। भारतीय टीम के लिए वह अहम खिलाड़ी होंगी। ऐसे में उनकी फॉर्म चिंताका विषय है। मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में 25 गेंद पर 25 रन बनाए थे। दूसरे में वह 14 और तीसरे में 1 रन बनाकर आउट हुईं। मंधाना ने 2025 में टी20 में 8 मैचों की 8 पारियों में 32.62 के औसत और 128.57 के स्ट्राइक रेट से 261 रन बनाए। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वह 4 पारियों में शून्य पर आउट हुईं।

प्रीमियर लीगः

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने न्यूकैसल को 1-0 से हराया

लंदन, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने शनिवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में न्यूकैसल पर 1-0 की जीत के साथ प्रीमियर लीग के शीर्ष 5 में अपनी जगह बना ली। मैनचेस्टर के लिए पैट्रिक डोर्गू ने शानदार गोल किया। डोर्गू ने 24वें मिनट में गोल दागा। यह गोल मैच का एकमात्र गोल साबित हुआ। कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस सहित सात खिलाड़ियों के बिना, मैनचेस्टर यूनाइटेड ने हाफटाइम में मेसन माउंट को भी खो दिया, लेकिन न्यूकैसल की टीम के खिलाफ मजबूती से टिके रहे, जिसके पास 66 प्रतिशत गेंद पर आधिपत्य रहा।

विजिटर्स तब करीब आए जब लुईस हॉल ने क्रॉसबार के नीचे मारा, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर पाए। न्यूकैसल 23 अंक के साथ 11वें स्थान पर है, जबकि मेजबान टीम के 18 गेम के बाद 29 अंक हैं। सप्ताह के बाकी मैच शनिवार और रविवार को होने हैं। डोर्गू ने यूनाइटेड के लिए अपना पहला गोल 24वें मिनट की वॉली में किया, क्योंकि डिओगो डालोट का लंबा थ्रो थोड़ा सा क्लियर हो गया था।

स्टार फुटबॉलर लेवानदॉस्की ने बार्सिलोना से विदाई के संकेत दिए?

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉबर्ट लेवानदॉस्की ने स्वीकार किया है कि उन्हें अभी नहीं पता कि वह आगे कहां खेलेंगे। सऊदी प्रो लीग और स्स्स की दिलचस्पी, बार्सिलोना की बदली हुई योजनाएं और टीम में बढ़ती प्रतिस्पर्धा उनके कैंप नू से विदा होने की संभावनाओं को मजबूत कर रही हैं। एफसी बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवानदॉस्की का भविष्य अब निर्णायक दौर में पहुंचता नजर आ रहा है। जनवरी ट्रांसफर विंडो के करीब आते ही उनके कॉन्ट्रैक्ट को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। मौजूदा सीज़न के अंत में उनका करार खत्म हो रहा है और ऐसे में यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या पोलैंड के इस दिग्गज स्ट्राइकर का सफर कैंप नू में अब समाप्ति की ओर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूरोप से बाहर के क्लब लेवानदॉस्की को साइन करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

सऊदी प्रो लीग और मेजर लीग सॉकर की टीमों ने उन्हें प्रमुख टारगेट बनाया है। बताया जा रहा है कि उनके प्रतिनिधि सऊदी अधिकारियों से नई बातचीत की तैयारी कर रहे हैं, जबकि स्स्स क्लब शिकागो फायर ने भी शुरुआती स्तर पर चर्चा की है। 37 वर्षीय लेवानदॉस्की इस समय एक ट्रांसफर खींचतान के केंद्र में हैं।

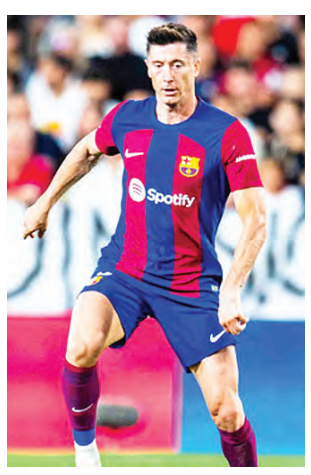

लेवानदॉस्की का साफ बयान

पोलिश पत्रकार बोगदान रयमानोव्स्की से बातचीत में लेवानदॉस्की ने अपने भविष्य को लेकर कोई ठोस फैसला लेने से इनकार किया। उन्होंने साफ कहा कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास फैसला लेने के लिए समय है। इस वक्त मुझे खुद नहीं पता कि मैं आगे कहां खेलना चाहता हूं। मुझे नहीं पता कि किस दिशा में जाना है, लेकिन मुझ पर कोई दबाव नहीं है।' उन्होंने इस सीजन के अपने लक्ष्य भी स्पष्ट किए और कहा, 'इस सीजन मैं सब कुछ चाहता हूं। वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करना, लीग जीतना और चैंपियंस लीग जीतना चाहता हूं।'

बार्सिलोना की योजनाएं बन सकती हैं बाधा

बार्सिलोना के भीतर की रणनीति लेवानदॉस्की के लिए मुश्किलें बढ़ा सकती है। इस सीज़न उन्होंने 18 मैचों में आठ गोल किए हैं, जबकि क्लब के लिए कुल मिलाकर 165 मैचों में 109 गोल उनके नाम हैं।

बावजूद इसके, कोच हांसी फ्लिक के अंडर फेरान टोरेस का उभार टीम के अटैकिंग संतुलन को बदल रहा है।

सूरज शर्मा ने जीते सीनियर और जूनियर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल राष्ट्रीय खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने शुक्रवार को 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष वर्ग में सीनियर और जूनियर दोनों राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस प्रतियोगिता में सूरज ने पहले जूनियर फाइनल में 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता और बाद में सीनियर फाइनल में भी दबदबे के साथ खेलते हुए 31 हिट्स के साथ दूसरा खिताब हासिल किया। सीनियर फाइनल में सूरज ने दमदार शुरुआत करते हुए अपने पहले 20 में से 19 निशाने साधे और कुल 31 हिट्स के साथ मुकाबला समाप्त किया।

वह पंजाब के डिफेंडिंग चैंपियन विजयवीर सिद्धू से तीन हिट्स आगे रहे, जिन्हें 28 हिट्स के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। अंकुर गोयल 14 हिट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्हें आंध्र प्रदेश के मुकेश नेलावल्ली के खिलाफ लगातार तीन शूट-ऑफ खेलने पड़े, जिसके बाद मुकेश 12 हिट्स के साथ पांचवें स्थान पर रहे। हरियाणा के आदर्श सिंह ने पांच हिट्स के साथ छठा स्थान हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में अंकुर गोयल ने 582-203 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। विजयवीर सिद्धू 580-183 के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि आदर्श सिंह ने 579-223 के साथ तीसरा स्थान पाया। मुकेश नेलावल्ली 579-173 के साथ चौथे स्थान पर रहे। बाद में स्वर्ण पदक जीतने वाले सूरज शर्मा ने 579-123 के साथ पांचवें स्थान पर क्वालिफाई किया था, जबकि भावेश शेखावत ने 577-223 के साथ शीर्ष छह में जगह बनाई। जूनियर पुरुष आरएफपी फाइनल में भी सूरज शर्मा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुकेश नेलावल्ली ने 25 हिट्स के साथ रजत पदक हासिल किया।

हरियाणा के जतिन ने शूट-ऑफ के बाद 22 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। समीर 17 हिट्स के साथ चौथे, भाव्या शर्मा आठ हिट्स के साथ पांचवें और अभिनव चौधरी छह हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहे। सीनियर टीम स्पर्धा में पंजाब ने 1725 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। टीम में विजयवीर सिद्धू, उधयवीर सिद्धू और राजकंवर सिंह संधू शामिल थे।

एसए टी-20 2025-26ः

टी20 मैच में बने 400 से ज्यादा रन, रयान रिकल्टन ने ठोका तूफानी शतक, फिर भी टीम को मिली...

नई दिल्ली, एजेंसी। केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर एसए टी-20 लीग के चौथे सीजन की शानदार शुरुआत हुई. पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन एमआई केप टाउन का सामना डरबन सुपर जायंट्स की टीम से हुआ, जहां डरबन की टीम ने एक रोमांचक जीत अपने नाम की. इस मैच में फैंस को खूब चौके-छक्के देखने को मिल और दोनों टीमों ने मिलकर मुकाबले में 449 रन बने, जो एसए टी-20 के किसी भी मैच में बनाए गए रनों का दूसरा सबसे बड़ा रिकॉर्ड है. इस दौरान सीजन का पहला शतक एमआई केप टाउन के ओपनर रायन रिकल्टन के बल्ले से देखने को मिला, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके.

डरबन सुपर जायंट्स ने बोर्ड पर लगाया बड़ा स्कोर

डरबन सुपर जायंट्स ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 232 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया. डरबन की पारी की नींव डेवन कॉनवे और केन विलियमसन की 96 रनों की सलामी साझेदारी ने रखी. कॉनवे ने 64 रन बनाए और विलियमसन ने 40 रन रनों का योगदान दिया. इसके बाद ऐडन मार्करम ने 35 रनों की तेज तर्रार पारी खेली, जिससे टीम का स्कोर तेजी से बढ़ा. हेनरिक क्लासेन, इवान जोन्स और डेविड वीसे ने भी छोटी लेकिन विस्फोटक पारियां खेलीं. दूसरी ओर एमआई केप टाउन की ओर से जॉर्ज लिंडे ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए.

रिकल्टन के शतक पर फिरा पानी

जवाब में डिफेंडिंग चैंपियन एमआई केप टाउन की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जल्दी विकेट गिरने से दबाव बढ़ा. रीजा हेंड्रिक्स 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रासी वैन डर डुसेन सिर्फ 2 रन ही बना सके. वहीं, निकोलस पूरन भी 15 रन पर पवेलियन लौट गए. लेकिन रायन रिकल्टन ने एक छोर संभाले रखा. उन्होंने सिर्फ 63 गेंदों में 113 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 11 छक्के शामिल रहे. यह एसए टी-20में किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के हैं. रिकल्टन ने जेसन स्मिथ के साथ 76 रनों की अहम साझेदारी भी की, जिसमें स्मिथ ने 14 गेंदों पर 41 रन ठोके. हालांकि, आखिरी ओवरों में दबाव बढ़ा. आखिरी दो ओवरों में सिर्फ 15 रन बने और तीन विकेट गिरे. जिसके चलते एमआई केप टाउन की टीम 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 217 रन ही बना सकी और 15 रनों से हार गई. डरबन के युवा गेंदबाज इथन बॉश ने 4 विकेट लेकर मैच का रुख मोड़ा और क्वेना मफाका ने भी आखिरी ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी की. जिसके चलते पिछले सीजन में पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे रहने वाली डरबन सुपर जायंट्स टीम ने इस बार जीत के साथ आगाज किया.

सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिपः

सूर्या करिश्मा और श्रुति मुंडाडा ने किया उलटफेर, सेमीफाइनल में जगह बनाई

विजयवाड़ा, एजेंसी। सूर्या करिश्मा तामिरी और श्रुति मुंडाडा ने शुक्रवार को सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में बड़ा उलटफेर किया। इन दोनों खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सूर्या करिश्मा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा को सीधे गेम में मात दी, जबकि श्रुति मुंडाडा ने दूसरी वरीयता प्राप्त अनुपमा उपाध्याय को बाहर का रास्ता दिखाया।

सूर्या करिश्मा ने 36 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में टॉप सीड उन्नति हुड्डा को 21-12, 21-15 से मात दी, जबकि श्रुति मुंडाडा ने दूसरी सीड और पूर्व नेशनल चैंपियन अनुपमा उपाध्याय को 22-20, 21-12 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला। अब सेमीफाइनल में सूर्या करिश्मा का मुकाबला रक्षिता श्री से होगा, जिन्होंने वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा को 16-21, 21-14, 21-18 से शिकस्त दी है। पुरुष सिंगल्स कैटेगरी में, टॉप सीड किरण जॉर्ज ने 41 मिनट तक चले मुकाबले में 11वीं सीड रौनक चौहान को 21-18, 21-18 से मात दी। अब उनका मुकाबला 2024 ओडिशा ओपन चैंपियन ऋत्विक संजीव एस से होगा, जिन्होंने दूसरे क्वार्टर फाइनल में सतीश कुमार को 21-13, 22-20 से हराया है। दूसरे सेमीफाइनल में, एम. तरुण का मुकाबला भरत राघव से होगा। क्वार्टर फाइनल में, तरुण ने मनराज सिंह को 21-13, 22-20 से हराया, जबकि भरत ने जिनपॉल सोन्ना को 21-17, 21-13 से मात दी। महिला डबल्स में टॉप सीड ऋतुपर्णा-श्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल स्टेज में रिदुवर्षिनी रामासामी-सानिया सिकंदर की जोड़ी से 16-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गई।

इससे पहले, गुरुवार को तन्वी शर्मा, रौनक चौहान और तन्वी पात्री ने सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने-अपने विरोधियों पर शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा ने 10वीं सीड देविका सिहाग को 21-11, 10-21, 21-10 से हराया था, जबकि पैट्री ने महिला सिंगल्स प्री-क्वार्टर फाइनल में पारुल चौधरी को 21-14, 21-17 से मात दी।

मेलबर्न टेस्टः इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट मैच जीतने का इंग्लैंड का लंबा इंतजार समाप्त हो गया है। मेलबर्न में खेले गए एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे ही दिन 4 विकेट से हरा दिया। जीत इंग्लैंड के आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के लिए बेहद अहम है। इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रन का लक्ष्य मिला था। जीत के लिए मिले 175 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इंग्लैंड को जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 51 रन की मजबूत शुरुआत दी। डकेट 26 गेंद पर 34 रन बनाकर आउट हुए। क्रॉली ने 37 रन बनाए।

दोनों ओपनरों के अलावा जैकब बेथेल ने 40 रन की पारी खेलकर सीरीज में टीम की पहली जीत को संभव बनाया। हैरी ब्रूक 18 और जेमी स्मिथ 3 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 6 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाकर मैच जीता। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 4 रन से की थी। पहले विकेट के रूप में स्कॉट बोलैंड 22 के स्कोर पर आउट हुए। बोलैंड 6 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरे और पूरी टीम 132 रन पर सिमट गई। ट्रेविस हेड ने 46, स्टीव स्मिथ ने 24 और कैमरुन ग्रीन ने 19 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए ब्रायडन कार्स ने 4, कप्तान बेन स्टोक्स ने 3, जोश टंग ने 2 और गस एटकिंसन ने 1 विकेट लिए। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 110 रन बनाए थे। हैरी ब्रूक ने 41, गस एटकिंसन ने 28 और कप्तान बेन स्टोक्स ने 16 रन बनाए थे। पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया से 42 रन से पिछड़ गई थी। ऑस्ट्रेलिया के लिए माइकल नेसर ने 4, स्कॉट बोलैंड ने 3, मिचेल स्टार्क ने 2, और कैमरन ग्रीन ने 1 विकेट लिए थे। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 152 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए जोश टंग ने 5, गस एटकिंसन ने 2, और ब्रायडन कार्स और बेन स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिए थे। मेलबर्न टेस्ट का नतीजा 142 ओवर में आ गया। इस दौरान 36 विकेट गिरे। 2011 जनवरी के बाद इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में पहली टेस्ट जीत मिली है।

2011 के बाद मिली पहली जीत

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

दुमका मेडिकल कॉलेज के नए प्राचार्य होंगे जीके सिंह

दुमका (नि. सं.)। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग के अध्यक्ष जीके सिंह 1 जनवरी को दुमका मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। वर्तमान प्राचार्य के 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने के बाद यह नियुक्ति की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के आलोक में जीके सिंह को दुमका मेडिकल कॉलेज का नया प्राचार्य नियुक्त किया गया है। वे लंबे समय से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत हैं और फार्माकोलॉजी विषय में उनका व्यापक अनुभव रहा है। दुमका मेडिकल कॉलेज में नए प्राचार्य के पदभार ग्रहण करने से शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों को और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कॉलेज में पढ़ाई, परीक्षा व्यवस्था, चिकित्सकीय सेवाओं और बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर भी नई दिशा मिलने की संभावना है। मेडिकल कॉलेज के शिक्षक, चिकित्सक और कर्मचारियों ने नए प्राचार्य के आगमन पर सकारात्मक उम्मीद जताई है। वहीं, वर्तमान प्राचार्य के कार्यकाल की भी सराहना की जा रही है, जिनके नेतृत्व में कॉलेज ने कई शैक्षणिक और प्रशासनिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

पेंशन अंकेक्षण में 93 लाभुक उपस्थित

दुमका (नि. सं.)। शनिवार को हंसडीहा पंचायत भवन में राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभुकों का सामाजिक अंकेक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस दौरान पंचायत क्षेत्र के वृद्ध, विधवा, दिव्यांग एवं पारिवारिक लाभ योजना से जुड़े लाभुकों की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। सामाजिक अंकेक्षण का उद्देश्य योजनाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना और वास्तविक पात्र लाभुकों तक लाभ पहुंचाना रहा। सामाजिक अंकेक्षण के अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना तथा राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना से जुड़े लाभुकों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। लाभुकों से आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पेंशन स्वीकृति से जुड़े कागजातों की जांच कर जानकारी अद्यतन की गई। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए पंचायत स्तर पर पहले से ही व्यापक तैयारी की गई थी। पंचायत मुखिया आशा हेम्ब्रम के नेतृत्व में आंगनवाड़ी सेविकाओं एवं जल सहिया द्वारा एक सप्ताह पूर्व से ही लाभुकों से संपर्क कर उन्हें निर्धारित तिथि को आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंचायत भवन पहुंचने का आग्रह किया गया था। इसके बावजूद कई लाभुक विभिन्न कारणों से उपस्थित नहीं हो सके। सामाजिक अंकेक्षण दल में बीआरपी सुहागिनी कुमारी, बीआरपी तुलसी देवी, पंचायत मुखिया आशा हेम्ब्रम, रोजगार सेवक बसंती मुर्मू, पंचायत सचिव रामानंद मंडल, ग्राम प्रधान सतवन कुमार सिंह सहित पंचायत क्षेत्र की सभी आंगनवाड़ी सेविकाएं मौजूद रहीं। दल द्वारा एक-एक लाभुक की जानकारी का सावधानीपूर्वक मिलान किया गया। निर्धारित कुल 254 पेंशनधारियों में से शनिवार को केवल 93 लाभुक ही पंचायत भवन पहुंच पाए। इनमें वृद्धावस्था पेंशन योजना के 72, विधवा पेंशन योजना के 20 तथा दिव्यांग पेंशन योजना के 1 लाभुक का सत्यापन किया गया। इसके अलावा छह पेंशनधारियों की मृत्यु की पुष्टि भी अंकेक्षण के दौरान की गई, ताकि रिकॉर्ड को अद्यतन किया जा सके।

तालझारी में रंगे हाथों दबोचा गया साइबर ठग, डंगाल से चल रहा था ठगी का खेल

निज संवाददाता | दुमका

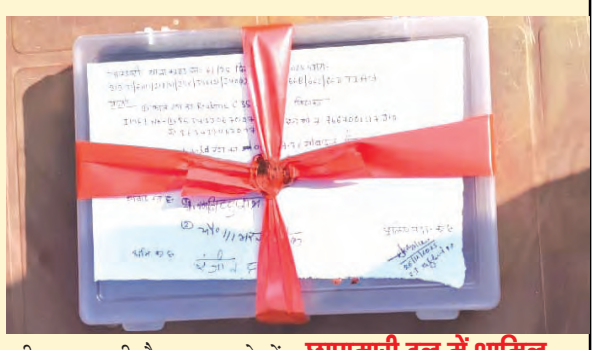

साइबर अपराधियों के खिलाफ दुमका पुलिस ने एक बार फिर कड़ा प्रहार किया है। तालझारी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शातिर साइबर अपराधी को अपराध को अंजाम देते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से ठगी में इस्तेमाल किए जा रहे दो मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड बरामद किए हैं।

गुप्त सूचना पर घेराबंदी

पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार को तकनीकी शाखा से इनपुट मिला था कि तालझारी थाना क्षेत्र के जमनीकोला गांव स्थित टेटियाडीह डंगाल के पास कुछ युवक साइबर ठगी की योजना बना रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर तुरंत एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

डंगाल से रंगे हाथों गिरफ्तारी

गठित टीम ने जब बताए गए स्थान पर दबिश दी, तो वहां साइबर अपराध को अंजाम दे रहे एक युवक को पुलिस ने दबोच लिया। पकड़े गए युवक की पहचान रंजीत दास जमनीकोला वासी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 02 मोबाइल और 02 सिम कार्ड बरामद हुए।

जुर्म कबूला, गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी

थाना प्रभारी अजीत कुमार यादव ने बताया कि पूछताछ के दौरान रंजीत दास ने साइबर ठगी की बात स्वीकार कर ली है। इस मामले में पुलिस ने तालझारी थाना कांड संख्या 61/2025 दर्ज किया है। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

छापामारी दल में शामिल अधिकारी

इस सफल कार्रवाई में जरमुंडी एसडीपीओ अमित कच्छप, तालझारी थाना प्रभारी अजीत कुमार यादव, पुअनि अक्षय कुमार, सअनि सुनील कुमार, सअनि सोनू कुमार और चौकीदार भरत मरीक व विष्णु राय शामिल थे।

तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आकर बाइक सवार की दर्दनाक मौत, चालक फरार

निज संवाददाता | सरैयाहाट (दुमका)

सरैयाहाट थाना क्षेत्र के मरकुंडा गांव के पास नेशनल हाईवे-133 पर शनिवार सुबह हुए एक दिल दहला देने वाले सड़क हादसे में तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार 42 वर्षीय हुसैन अंसारी को कुचल दिया। हादसा इतना भयानक था कि हुसैन की मौके पर ही मौत हो गई। वह हंसडीहा थाना क्षेत्र के भेड़िया गांव के निवासी थे और अपने ससुराल बाबूडीह जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देवघर की ओर से आ रहे हाईवा ने तेज गति में बाइक को सीधी टक्कर मार दी, जिससे हुसैन सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन को हंसडीहा थाना क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर लिया है और चालक की धर-पकड़ के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

सूचना मिलते ही सरैयाहाट पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल हुसैन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल दुमका भेज दिया गया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और जल्द चालक की गिरफ्तारी का दावा कर रही है। इस हादसे से इलाके में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं।

श्रीरामकृष्ण आश्रम विद्यालय में पाँच दिवसीय गाइड शिविर का समापन

निज संवाददाता | दुमका

जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार के निर्देशानुसार तथा भारत स्काउट एवं गाइड, दुमका के तत्वावधान में श्रीरामकृष्ण आश्रम उच्च विद्यालय, दुमका में आयोजित पाँच दिवसीय गाइड शिविर का शनिवार को विधिवत समापन हो गया। समापन दिवस पर शिविर का माहौल उत्साह, अनुशासन और आत्मविश्वास से भरा रहा। शिविर के अंतिम दिन मुख्य अतिथि मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार यादव, बब्बन कुमार, जय किशोर मंडल एवं शंभूनाथ मिश्रा उपस्थित रहे। अतिथियों ने शिविर में भाग ले रही गाइडों द्वारा बनाए गए पायोनियरिंग प्रोजेक्ट्स, मंकी ब्रिज सहित अन्य रचनात्मक एवं उपयोगी संरचनाओं का निरीक्षण किया और उनके कौशल की सराहना की। मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि स्काउट-गाइड शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। ऐसे प्रशिक्षण से बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना और आत्मनिर्भरता का विकास होता है, जो भविष्य में उनके जीवन को दिशा देता है। उन्होंने गाइडों से शिविर में सीखे गए कौशल को व्यवहारिक जीवन में अपनाने की अपील की।

प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार यादव ने कहा कि विद्यालय में आयोजित यह गाइड शिविर विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। शिविर के माध्यम से बच्चों को जीवन कौशल, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा और टीम वर्क की व्यवहारिक जानकारी मिली है। उन्होंने भारत स्काउट एवं गाइड, दुमका की भूमिका की प्रशंसा की। समापन अवसर पर गाइडों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शिविर के दौरान उन्हें अनुशासन, सहयोग और साहस के साथ कार्य करना सीखने का अवसर मिला। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने शिविर को सफल बनाने में लगे सभी प्रशिक्षकों, पदाधिकारियों और विद्यालय परिवार के योगदान की सराहना की और गाइडों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रपति के हाथों स्वामी नित्यव्रतानंद को मिलेगा ओल चिकी शताब्दी पुरस्कार, दुमका के लिए गौरव का क्षण

राष्ट्रपति देंगी स्वामी नित्यव्रतानंद को ओल चिकी शताब्दी पुरस्कार

निज संवाददाता | दुमका

संताली भाषा और संस्कृति के संरक्षण के इतिहास में 29 दिसंबर का दिन एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है। जमशेदपुर के करनडीह स्थित दिसोम जाहेरगढ़ में आयोजित होने वाले 'ओल चिकी लिपि शताब्दी समारोह' में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। इस गरिमामय अवसर पर राष्ट्रपति उन विभूतियों को सम्मानित करेंगी जिन्होंने संताली भाषा, साहित्य और ओल चिकी लिपि के संवर्धन में अपना जीवन समर्पित किया है।

स्वामी नित्यव्रतानंद महाराज को मिलेगा सम्मान

दुमका जिले के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि रानीश्वर प्रखंड के पाथरा स्थित भारत सेवाश्रम संघ के सचिव स्वामी नित्यव्रतानंद जी महाराज को इस ऐतिहासिक समारोह में आमंत्रित किया गया है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने और सामाजिक उत्थान के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए, उन्हें राष्ट्रपति के कर-कमलों से "ओल चिकी शताब्दी पुरस्कार" से नवाजा जाएगा।

2005 से सेवा का अनवरत सफर

स्वामी नित्यव्रतानंद महाराज वर्ष 2005 से भारत सेवाश्रम संघ की दुमका शाखा में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। उनके कुशल नेतृत्व में संघ ने सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब, असहाय और वंचित आदिवासी समुदायों के जीवन स्तर को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से, संघ द्वारा संचालित स्वामी प्रणवानंद विद्या मंदिर में ओल चिकी लिपि की निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है।

प्रेरणादायी बनेगा राष्ट्रपति का दौरा

राष्ट्रपति का यह दौरा न केवल संताली भाषा और आदिवासी ,सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को नई ऊर्जा देगा, बल्कि स्वामी जी जैसे समर्पित समाजसेवियों के मनोबल को भी बढ़ाएगा। इस खबर से दुमका के प्रबुद्ध जनों और आदिवासी समाज में भारी हर्ष का माहौल है।

सांसद खेल महोत्सव के तहत गोड्डा को कुश्ती में मिले तीन पदक

गोड्डा (नि. सं.)। देवघर में सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में गोड्डा के पहलवानों ने एक स्वर्ण सहित तीन पदक हासिल किए। उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला कुश्ती संघ सचिव सुरजीत झा ने बताया कि इनमें श्रीकृष्ण यादव ने 61 किग्रा भार स्पर्धा का स्वर्ण, कुलदीप कुमार राम ने 65 किग्रा का रजत जबकि जीत सिंह ने 110 किग्रा का कांस्य जीता। बतौर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार शाम गोड्डा टीम को उपविजेता ट्रॉफी प्रदान किया। इस उपलब्धि पर अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव एवं जिला खेल पदाधिकारी डॉ. प्राण महतो के अलावा कुश्ती संघ के पदाधिकारियों में मनोज कुमार पप्पु, मनीष कुमार सिंह, अखिल कुमार झा, मिथिलेश कुमार, सुभाष चंद्र दास, आकाश कुमार, अमरेंद्र सिंह एवं दयाशंकर सहित साथी पहलवान लक्ष्मण बेसरा ने तीनों फलवानों एवं इनके कोच राहुल कुमार व मैनेजर रौशन कुमार साह को बधाई दी है।

दृष्टिबाधित क्रिकेट टूर्नामेंट में दिनेश मुर्मू चमके, डीडीआरसी 11 की जीत

निज संवाददाता | दुमका

एस.पी. कॉलेज रोड, दुमका के मैदान पर सीआरसी रांची और जिला प्रशासन, दुमका के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को एक रोमांचक दृष्टिबाधित क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और खेल भावना को प्रोत्साहित करना था।

टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच डीडीआरसी 11 और ब्लाइंड स्कूल 11 की टीमों के बीच खेला गया। डीडीआरसी 11 के कप्तान संजीव कुमार मोहली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उनकी टीम ने निर्धारित ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 108 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। कप्तान संजीव कुमार मोहली ने स्वयं सर्वाधिक 30 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्लाइंड स्कूल 11 की टीम दबाव में आ गई और निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर केवल 61 रन ही बना सकी। आज के मैच में सबसे शानदार प्रदर्शन दिनेश मुर्मू का रहा, जिन्होंने सर्वाधिक 6 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। इस सफल आयोजन में बिरसा दिव्यांग समिति और ब्लाइंड स्कूल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। यह आयोजन दिव्यांग समुदाय के बीच खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हुआ।

प्रेमिका ने मिलने से किया इंकार तो प्रेमी ने खाया कीटनाशक जहर, हालत नाजुक

निज संवाददाता | दुमका

प्रेम प्रसंग में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। प्रेमिका से मिलने की जिद पर बिहार से झारखंड पहुंचे युवक ने जब प्रेमिका ने मिलने से मना कर दिया तो आक्रोश में आकर कीटनाशक जहर खा लिया। युवक की हालत नाजुक बनी हुई है और वह दुमका के फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती है। मामला गोपीकांदर थाना क्षेत्र के दुर्गापुर गांव का है। पीड़ित युवक की पहचान बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया निवासी संदीप कुमार पटेल (25 वर्ष), पिता दिनेश पटेल के रूप में हुई है। प्रेमिका दुर्गापुर गांव की सलोनी मुर्मू है, जो पहले से शादीशुदा है और एक बच्चे की मां भी है। सलोनी अपने पति से अलग रहती है। सलोनी ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले गुजरात में काम करने के दौरान उनकी और संदीप की मुलाकात हुई थी, जहां दोनों के बीच प्यार हो गया। शुक्रवार शाम संदीप बेतिया से दुर्गापुर गांव पहुंचा था। लेकिन सलोनी उस समय अपनी दीदी के घर पर थी और घर में नहीं होने के कारण मिलने से मना कर दिया। इससे आक्रोशित संदीप ने शनिवार सुबह बालू बीस नामक कीटनाशक जहर खा लिया।

जहर खाने की जानकारी गांव वालों ने फोन पर सलोनी को दी। सूचना मिलते ही सलोनी अपनी दीदी के घर से लौटी और गांव वालों की मदद से संदीप को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीकांदर ले गई। वहां प्रभारी चिकित्सक डॉ. सुमित आनंद ने प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टर ने बताया कि युवक को सुबह जहर खाने के बाद दोपहर 1 बजे अस्पताल लाया गया था। हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए दुमका के पीएमसीएच रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है और हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। इधर, गोपीकांदर थाना प्रभारी सुमित भगत ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है, लेकिन पुलिस अपने स्तर पर जांच कर रही है।

रोमांचक ट्राईब्रेकर में रॉयल एफसी महेशपुर ने जीता खिताब

निज संवाददाता | गोपीकांदर (दुमका)

अमर शहीद सिदो-कान्हु मुर्मू स्पॉटिंग क्लब जाहेरपड़ा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता शनिवार को धूमधाम से संपन्न हुई। इस रोमांचक टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया और फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। फाइनल में एफसी दरबार गोपीकांदर और रॉयल एफसी महेशपुर के बीच निर्धारित समय तक स्कोर बराबरी पर रहा। अंत में ट्राईब्रेकर में रॉयल एफसी महेशपुर ने 5-4 से जीत हासिल कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य निशा सबनम हांसदा ने विजेता टीम रॉयल एफसी महेशपुर को 60 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी प्रदान की। उपविजेता एफसी दरबार गोपीकांदर को सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ अध्यक्ष ज्योतिष बास्की ने 50 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों दादू स्टार पहाड़पुर को झामुमो प्रखंड सचिव सुलेमान हांसदा और दीप नगर पाकुड़िया को गोपीकांदर पंचायत मुखिया माइकल हेंब्रम ने 10-10 हजार रुपये नकद देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में मनोज मरांडी, अनिल मरांडी, शंकर राय, ग्राम प्रधान अनिल हेंब्रम, क्लब अध्यक्ष मंत्री सोरेन, सचिव राजेश टुडू, कोषाध्यक्ष करण मुर्मू, उपकोषाध्यक्ष सोनोत मुर्मू, प्रेम मुर्मू, श्रीतन हांसदा, पुलिस मरांडी तथा स्टीफन मुर्मू सहित हजारों खेलप्रेमी उपस्थित थे। इस आयोजन ने स्थानीय स्तर पर खेल भावना को बढ़ावा दिया।

मुख्य सड़क पर गिरा पेड़ यातायात बाधित

निज संवाददाता | गोपीकांदर (दुमका)

खरौनी-दुर्गापुर मुख्य मार्ग मजडिहा गांव के पास बेर का पेड़ मुख्य सड़क पर गिर गया. पेड़ गिरने से यातायात पूरी तरह से घंटो तक बाधित हो गया. घटना शनिवार सुबह 6:00 बजे उस वक्त की है।

जब संजोक वाक्त सड़क पर भीड़ कम थी.परिणामस्वरूप किन्ही को कोई छात्ती नही हुई. हालांकि पेड़ गिरने से वाहनों की लंबी कतारें लगना शुरू हो गया. पेड़ घंटो तक सड़क पर गिरे रहने से वाहन चालक वाहनों को दूसरे सड़क से लेकर चले गये. लोगों को साप्ताहिक हटिया दुर्गापुर पहुंचने के लिए काफी प्रतीक्षा करनी पड़ी. ग्रामीण विश्वनाथ मरांडी, सुतिलाल हांसदा, धनीराम मरांडी, सोम मरांडी, ने बताया कि मजडिहा प्रधान सुनील मरांडी को पेड़ गिरने की सूचना दे दी गई. प्रधान ने बताया सूचना मिलने पर वन विभाग को सूचना दिया गया. ग्रामीण ओर वन विभाग के टीम काफी मशक्कत के बाद पेड़ हटाया गया।

मनरेगा को खत्म करने वाले वीबी-जी राम जी बिल के खिलाफ दुमका में झामुमो का धरना प्रदर्शन

- दुमका के पुराने समाहरणालय के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन।
- कार्यक्रम की अगुवाई झामुमो जिला अध्यक्ष शिव कुमार बास्की ने की।

निज संवाददाता | दुमका

भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा को समाप्त कर 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण' यानी 'वीबी-जी राम जी' विधेयक 2025 को लागू करने के खिलाफ शनिवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा ने शनिवार को दुमका में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अगुवाई जिला अध्यक्ष शिव कुमार बास्की ने की। पुराने समाहरणालय के समक्ष आयोजित इस धरने में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और मनरेगा को तत्काल बहाल करने की मांग उठाई।

धरने में जिला सचिव निशित वरण गोलदार, जिला महिला मोर्चा सचिव सबिता टुडू, बबलू सिंह, कादिर राजा, सत्तार खान, जिला संगठन सचिव रवि यादव, नगर अध्यक्ष विजय दास, नगर सचिव मो. आरिफ, दीपक केवट, दुमका प्रखंड अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी, प्रखंड सचिव विजय मल्लाह, बासुदेव टुडू, असित वरण गोलदार, विभीषण मुर्मू, निर्मल बेसरा, गौतम दरवा, बाबूलाल मुर्मू, नंदलाल राउत, बुद्धिलाल मरांडी, मुर्तेजा शेख, महेशगण, विजय प्रसाद, मदन कुमार मंडल सहित जिले के सभी प्रखंडों से आए वरिष्ठ कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन पर झामुमो जिला समिति ने संबंधित पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मनरेगा बहाली की मांग दोहराई।

राम वन गमन और दशरथ कोप प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

निज संवाददाता | दुमका

यदुवंशी जागरण मंच कैराबनी के तत्वावधान में जामा प्रखंड के आसनसोल कुरुवा पंचायत अंतर्गत कैराबनी गांव में आयोजित नौ दिवसीय शिव शक्ति महायज्ञ सह राम कथा के सातवें दिन शनिवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। काशी (बनारस) के प्रसिद्ध कथा वाचक अजय परासर ने राम वन गमन और दशरथ कोप भवन के मार्मिक प्रसंग का वर्णन किया, जिसे सुनकर उपस्थित भक्तजन भाव-विभोर हो उठे।

कथावाचक अजय परासर ने अपने ओजस्वी प्रवचन में कहा कि प्रिय पुत्र राम ने पिता दशरथ की आज्ञा और माता कैकेयी को दिए गए वचन का पालन करते हुए 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया। इसी पुत्र धर्म के कारण भगवान राम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा जाता है। इस भावुक प्रसंग ने पंडाल में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं की आंखें नम कर दीं। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जामा विधानसभा प्रत्याशी मनोज सिंह पहाड़िया तथा जरमुंडी प्रखंड के कुशमहा पंचायत मुखिया दामोदर गृही विशेष रूप से उपस्थित हुए। आयोजन समिति ने दोनों अतिथियों का भव्य स्वागत किया। समिति सदस्यों ने बताया कि नौ दिवसीय महायज्ञ का समापन सोमवार को विदाई समारोह के साथ होगा। मौके पर राजीव कुमार पंजियारा, गुण सागर पंजियारा, विष्णु, बुलेश, वीरेंद्र, अमरेंद्र, अनुपलाल, सुभाष, बत्तीस, रूपेश, संदीप, राधेश्याम, मनोज, मोहन, राजा, बंटी, मनीष, ज्ञान, रविंद्र, अरूण, संजय, जिवेश, नारायण सहित सैकड़ों भक्तजन मौजूद थे।